@Qpatrika | @qaumipatrika hindi | instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

शुक्रवार, 19 दिसम्बर 2025

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 45 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

भारत-ओमान व्यापार समझौते से साझा भविष्य का ब्लू प्रिंट तैयार होगा: पीएम मोदी

● 'यह समिट भारत-ओमान की साझेदारी को मजबूत करेगी और एक नई दिशा देगी।'

भारत के आगे बढ़ने से उसके साझेदारों को भी फायदा होगा : प्रधानमंत्री

एजेंसी

मस्कट। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि भारत-ओमान के बीच कॉम्प्रिहेंसिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट (सीईपीए) दोनों देश के साझा भविष्य का ब्लूप्रिंट है और इससे आने वाले दशक में द्विपक्षीय संबंधों की दिशा तय होगी। भारत-ओमान बिजनेस समिट में बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आज हम एक ऐतिहासिक फैसला ले रहा है जिसकी गूंज आने वाले दशकों तक सुनाई देगी। कॉम्प्रिहेंसिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट (सीईपीए) 21वीं सदी में हमें नए भरोसे और नई ऊर्जा से भर देगा। यह हमारे साझा भविष्य का एक ब्लूप्रिंट है। इससे हमारा व्यापार बढ़ेगा, निवेश को नया भरोसा मिलेगा और हर सेक्टर में अवसरों के नए दरवाजे खुलेंगे।' उन्होंने दोनों देशों के बिजनेस लीडर्स से अपील की कि वह समिट से मिले अवसर का इस्तेमाल करके व्यापार और निवेश संबंधों को और मजबूत करें। उन्होंने ने आगे कहा, 'हमारे लोग एक-दूसरे को अच्छी तरह जानते हैं। हमारे बिजनेस संबंधों में पीढ़ियों का भरोसा है और हम एक-दूसरे के बाजारों को बहुत अच्छी तरह समझते हैं।' पीएम

मोदी ने कहा, 'यह समिट भारत-ओमान की साझेदारी को मजबूत करेगी और एक नई दिशा देगी। इसमें आप सभी की एक बड़ी भूमिका होगी।' पीएम मोदी ने बिजनेस लीडर्स से कहा कि वह भारत-ओमान व्यापार विरासत के उत्तराधिकारी हैं, जिसका सदियों का शानदार इतिहास रहा है। उन्होंने कहा, 'सभ्यता की शुरुआत से ही हमारे पूर्वज एक-दूसरे के साथ समुद्री व्यापार करते आ रहे हैं।' पीएम मोदी ने कहा, 'मांडवी और मस्कट के बीच अरब सागर एक मजबूत पुल बन गया है। आज हम भरोसे के साथ कह सकते हैं कि समुद्र की लहरें बदल सकती हैं, मौसम बदल सकते हैं, लेकिन भारत-ओमान की दोस्ती हर मौसम में और मजबूत होती है और हर लहर के साथ नई ऊंचाइयों को छूती है।' पीएम मोदी ने कहा कि भारत के आगे बढ़ने से उसके साझेदारों को भी फायदा होगा। भारत का स्वभाव हमेशा से प्रगतिशील और आत्मनिर्भर रहा है। जब भी भारत आगे बढ़ता है, तो वह अपने दोस्तों को भी आगे बढ़ने में मदद करता है। उन्होंने आगे कहा, 'आज भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। यह पूरी दुनिया के लिए फायदेमंद है। हालांकि, यह ओमान के लिए और भी अधिक फायदेमंद है क्योंकि, करीबी दोस्त होने के साथ-साथ हम समुद्री पड़ोसी भी हैं।'

भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन ने उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन से की शिष्टाचार भेंट

एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष का दायित्व संभालने के बाद नितिन नबीन लगातार वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद और मार्गदर्शन ले रहे हैं। इसी क्रम में गुरुवार को उन्होंने उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन से शिष्टाचार भेंट की। यह मुलाकात उपराष्ट्रपति के आवास पर हुई, जहां दोनों नेताओं के बीच सौहार्दपूर्ण बातचीत हुई। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने नितिन नबीन को नई जिम्मेदारी के लिए बधाई दी। मुलाकात के दौरान राजनीतिक और सामाजिक विषयों पर भी चर्चा हुई। इस मुलाकात को लेकर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कुछ तस्वीरें पोस्ट की गईं। वहीं, भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन ने भी इस मुलाकात की तस्वीरें अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट कीं। उन्होंने लिखा, ''उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन के आवास पर शिष्टाचार भेंट की और उनका आशीर्वाद और शुभकामनाएं प्राप्त कीं।''

विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक के लिए संयुक्त समिति, राज्यसभा ने दी मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने गुरुवार को राज्यसभा में एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव प्रस्तुत किया। यह प्रस्ताव 'विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक, 2025' पर संयुक्त समिति के गठन के लिए था। राज्यसभा में पेश किए गए केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस प्रस्ताव में लोकसभा की संस्तुति से सहमति व्यक्त की गई है। लोकसभा की संस्तुति के तहत उच्च शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक सुधारों को सक्षम बनाने के उद्देश्य से संसद के दोनों सदनों की एक संयुक्त समिति का गठन किया जाना है। प्रस्ताव के अनुसार, यह संयुक्त समिति उस विधेयक की समीक्षा करेगी, जिसका उद्देश्य विश्वविद्यालयों और अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों को शिक्षण, अधिगम, अनुसंधान और नवाचार में उत्कृष्टता प्राप्त करने हेतु सक्षम और सशक्त बनाना है। सदन ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस प्रस्ताव को

स्वीकृति प्रदान की है। इसके अंतर्गत उच्च शिक्षा, अनुसंधान तथा वैज्ञानिक और तकनीकी संस्थानों में समन्वय और मानकों का निर्धारण सुनिश्चित किया जाएगा। 'विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान' देश के विश्वविद्यालयों और अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों को स्वायत्त, आत्मनिर्भर और स्व-शासित संस्थान बनने में सहायता करेगा। साथ ही, यह अधिष्ठान मजबूत और पारदर्शी प्रत्यायन प्रणाली, शैक्षणिक स्वायत्तता और गुणवत्ता आधारित मूल्यांकन के माध्यम से उत्कृष्टता को बढ़ावा देगा।

केंद्रीय मंत्री द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव में यह भी कहा गया कि इस विधेयक से जुड़े या उससे संबंधित सभी विषयों पर विचार-विमर्श के लिए संयुक्त समिति का गठन आवश्यक है। प्रस्ताव में यह संकल्प लिया गया कि राज्यसभा के दस सदस्यों का नामांकन सभापति द्वारा किया जाएगा, जो लोकसभा के सदस्यों के साथ मिलकर इस संयुक्त समिति में कार्य करेंगे।

विधेयक के प्रमुख उद्देश्यों में

उच्च शिक्षा, अनुसंधान, वैज्ञानिक एवं तकनीकी संस्थानों में मानकों का समन्वय एवं निर्धारण शामिल है। इसके साथ ही विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों को स्वतंत्र, स्वशासी संस्थान के रूप में विकसित करना इसका उद्देश्य है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 100 नई इलेक्ट्रिक बसों को दिखाई हरी झंडी

कौमी पत्रिका
नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 18 दिसंबर। दिल्ली सरकार लगातार राजधानी में स्वच्छ, सतत और आधुनिक सार्वजनिक परिवहन को सुदृढ़ करके प्रदूषण को कम करने की दिशा में ठोस कदम उठा रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने कल अंतर्राज्यीय बस अड्डा (आईएसबीटी), कश्मीरी गेट से 100 नई इलेक्ट्रिक बसों को डीटीसी बेड़े में शामिल किया। राजधानी में अब इवी बसों की संख्या 3,500 से अधिक हो गई हैं। मुख्यमंत्री ने कश्मीरी गेट बस अड्डे से ही धौला कुआं (दिल्ली) से धारूहेड़ा (हरियाणा) तक नई अंतर्राज्यीय इलेक्ट्रिक बस सेवा का भी शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री का कहना है कि दिल्ली सरकार ने प्रदूषण को नियंत्रित करने और सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण व प्रभावी कदम उठाए हैं। इस अवसर पर परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह और विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल दिल्ली में सार्वजनिक परिवहन को और अधिक सशक्त बनाने, यात्रा को मंजिल तक पहुंचाने और प्रमुख

मार्गों पर जाम एवं प्रदूषण को कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि धौला कुआं-धारूहेड़ा रूट पर ई-बस सेवा क्षेत्रीय आवागमन को मजबूत करने के साथ-साथ दिल्ली के प्रदूषण नियंत्रण प्रयासों में भी अहम भूमिका निभाएगी। मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि हमारी सरकार द्वारा पिछले 10 महीनों में सालों से बदहाल रही परिवहन व्यवस्था को दुरुस्त करने और सार्वजनिक परिवहन को मजबूत और प्रभावी बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। पिछले वर्षों में बंद पड़ी अंतर्राज्यीय बस सेवाओं को पुनः चालू किया गया है और विश्वविद्यालयों की बंद पड़ी यू-स्पेशल व अन्य बस सेवाओं को भी बहाल किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार ने प्रदूषण नियंत्रण और सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। राजधानी में वाहनों के पीयूसी जांच के लिए नंद नगरी, तेंहखंड और बुराड़ी में ऑटोमेटेड परीक्षण केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं, जहां हजारों वाहन अपना प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकेंगे।

शेष पृष्ठ 3 पर

संस्कृति में होती है राष्ट्र की आत्मा : सीएम योगी

● राष्ट्र की संस्कृति को उससे अलग कर दिया जाए तो राष्ट्र निस्तेज हो जाता है : मुख्यमंत्री

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस बात पर बल दिया कि राष्ट्र की आत्मा उसकी संस्कृति में होती है। उन्होंने कहा कि जैसे किसी मनुष्य की आत्मा उसके शरीर से संबंध तोड़ देती है तो शरीर निस्तेज हो जाता है, उसी प्रकार राष्ट्र के जीवन में भी होता है। किसी भी राष्ट्र की संस्कृति को उससे अलग कर दिया जाए तो राष्ट्र निस्तेज हो जाता है। वह खंडहर में परिवर्तित हो जाता है और अपनी पहचान को खो देता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष समारोह के शुभारंभ कार्यक्रम में कहा कि यह अवसर हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। उनके अनुसार, भारत की कला, स्वर व लय ने अपनी पहचान को विषम परिस्थितियों का सामना करते हुए जो निरंतरता दी, उसी के बदौलत हमारी सनातन संस्कृति

विश्व में खुद को स्थापित करने और आगे बढ़ाने में सफल हुई है। उन्होंने कहा कि कलाकार की कला एक ईश्वरीय गुण है जिसकी हमें अवमानना नहीं करनी चाहिए। कलाकार किसी भी विधा से जुड़ा हो, उसे प्रोत्साहित करना चाहिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय के शताब्दी महोत्सव के शुभारंभ पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पीढ़ी-दर-पीढ़ी भारत की सांस्कृतिक चेतना, स्वर, लय और संस्कार को इस संस्थान ने एक नई पहचान दी है। उन्होंने कहा कि भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय ने पिछले 100 वर्षों में भारतीय संगीत, नृत्य, नाट्य और ललित कलाओं को न केवल संरक्षित किया है, बल्कि उन्हें आधुनिक शैक्षणिक व्यवस्था से जोड़कर प्रतिष्ठित भी किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि एक संस्कृति कर्मी भी राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस दिशा में भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय से जुड़े सभी महानुभावों के योगदान के लिए उन्होंने कृतज्ञता व्यक्त की। मुख्यमंत्री योगी ने इस अवसर पर पंडित विष्णु नारायण भातखंडे को श्रद्धांजलि भी अर्पित की। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 1940 में गुरुदेव रबिंद्रनाथ टैगोर ने एक पत्र जारी कर इस संस्थान को विश्वविद्यालय के रूप में संबोधित किया था। यह प्रसन्नता का विषय है कि पंडित विष्णु नारायण भातखंडे की भावनाओं के अनुरूप इस संस्थान को विश्वविद्यालय का स्वरूप प्रदान किया जा सका। वर्ष 1947 में देश आजाद हुआ और वर्ष 1950 में संविधान लागू हुआ। इसके बाद वर्ष 2017 तक अनेक सरकारें आईं और गईं, लेकिन तत्कालीन राज्यपाल राम नाइक ने भातखंडे संस्थान को विश्वविद्यालय का दर्जा दिलाने के विषय में उनसे संवाद किया।

राष्ट्रपति मुर्मू और पीएम मोदी ने मशहूर मूर्तिकार राम सुतार के निधन पर जताया दुख

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात में दुनिया की सबसे ऊंची मूर्ति 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' को डिजाइन करने वाले मशहूर मूर्तिकार राम सुतार के निधन पर दुख प्रकट किया। विश्व प्रसिद्ध मूर्तिकार राम सुतार का निधन सौ साल की उम्र में हो गया। उन्होंने नोएडा स्थित अपने आवास पर रात अंतिम सांस ली। उनके निधन से देशभर में शोक की लहर है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ''पद्म भूषण से सम्मानित और जाने-माने मूर्तिकार राम सुतार जी के निधन से दुखी हूं, जिन्होंने अपने असाधारण योगदान से भारत की कलात्मक और सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध किया है। उनकी शानदार कृतियां, जिनमें 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' भी शामिल है,

भारत की स्थायी विरासत के महान प्रतीक हैं। उनकी कला आने वाली पीढ़ियों के कलाकारों को प्रेरित करती रहेगी। मैं उनके परिवार के सदस्यों और प्रशंसकों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं।'' पीएम मोदी ने कहा कि राम सुतार जी एक असाधारण मूर्तिकार थे, जिनकी निपुणता ने भारत को केवडिया स्थित 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' सहित कई प्रतिष्ठित स्मारक प्रदान किए।

उन्होंने कहा कि उनकी कृतियों को भारत के इतिहास, संस्कृति और सामूहिक भावना की सशक्त अभिव्यक्ति के रूप में हमेशा सराहा जाएगा और उन्होंने आने वाली पीढ़ियों के लिए राष्ट्रीय गौरव को अमर कर दिया है। उनकी कृतियां कलाकारों और नागरिकों को समान रूप से प्रेरित करती रहेंगी। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर फोटो शेयर करते हुए लिखा, ''राम सुतार जी के निधन से मुझे गहरा दुख हुआ है।

सीएम नीतीश कुमार ने 34 चलंत फॉरेंसिक वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

एजेंसी

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को साक्ष्य संग्रहण एवं अपराध के अनुसंधान में सहायता के लिए 34 चलंत फॉरेंसिक वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री ने फॉरेंसिक वाहनों को रवाना करने के पूर्व वाहनों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने व्यवस्थाओं और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2005 के बाद से ही विधि व्यवस्था के संधारण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कानून का राज स्थापित किया गया, इसके लिए कई काम किए गए। अपराध और भ्रष्टाचार के मामले में जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई गई। आपराधिक मामलों की जांच में तेजी लाने के लिए 34 नए मोबाइल फोरेंसिक वाहनों का लोकार्पण किया गया है। ये सभी वाहन आधुनिक जांच उपकरणों से युक्त हैं।

तमिलनाडु में दुष्ट शति डीएमके का शुद्ध शति तवेगा है सीधा मुकाबला: विजय

एजेंसी

इरोड। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव की आहट होते ही और राजनीतिक दलों ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसी क्रम में गुरुवार को तमिलनाडु वेत्रि कजगम (तवेका) के अध्यक्ष विजय ने राज्य की डीएमके सरकार पर जमकर प्रहार किये। उन्होंने डीएमके को एक बुरी शक्ति बताया। करुर की घटना को देखते हुए तवेका की जनसभा के दौरान सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए। यहां पेरुंदुरई में एक जनसभा में तवेका अध्यक्ष विजय ने कहा कि तमिलनाडु के महान नेताओं, पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता और एमजी रामचंद्रन जैसे बड़े नेताओं के डीएमके पार्टी की आलोचना से मुझे आश्चर्य हुआ था, लेकिन अब मुझे समझ में आया। अब मैं वही बात कहूंगा जो उन्होंने कही थी। डीएमके पार्टी एक दुष्ट शक्ति है।

ऑपरेशन सिंदूर भारत की उच्च और प्रभावी सैन्य क्षमता का प्रदर्शन : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

● 'भारतीय वायुसेना निरंतर बदलते वैश्विक परिदृश्य में राष्ट्रीय हितों की रक्षा कर रही है'

एजेंसी

नई दिल्ली। 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान आतंकवादी ठिकानों को नष्ट करने में भारतीय वायुसेना द्वारा प्रदर्शित साहस, गति और सटीकता की रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने प्रशंसा की। रक्षा मंत्री ने कहा कि इस ऑपरेशन के बाद पाकिस्तान की ओर से की गई गैर-जिम्मेदाराना प्रतिक्रिया को भी वायुसेना ने अत्यंत प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का कहना है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों ने उच्च-प्रभावी क्षमता का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। इसके साथ ही उन्होंने भारतीय वायुसेना को तकनीकी रूप से उन्नत, संचालन में फुर्तीली, रणनीतिक रूप से आत्मविश्वासी और भविष्य उन्मुख शक्ति बताया। उन्होंने कहा कि

भारतीय वायुसेना निरंतर बदलते वैश्विक परिदृश्य में राष्ट्रीय हितों की रक्षा कर रही है। राजनाथ सिंह ने गुरुवार को नई दिल्ली में आयोजित वायुसेना कमांडर्स कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। यहां उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' में वायुसेना की सटीकता और गति की सराहना की। जनता के सशस्त्र बलों पर विश्वास को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा, आमतौर पर जब दुश्मन हमला करता है, तो लोग भयभीत होकर छिप जाते हैं। लेकिन जब पाकिस्तानी सैनिकों ने भारतीय प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने का प्रयास किया, तब भारत की जनता शांत रही और अपने दैनिक कार्यों में संलग्न रही। यह हमारी वायु रक्षा क्षमता और परिचालन तैयारी में जनता के अटूट विश्वास का प्रमाण है। उन्होंने वायुसेना कमांडर्स को 'ऑपरेशन सिंदूर' से सीख लेकर भविष्य की चुनौतियों के लिए सतर्क एवं तैयार रहने का आह्वान भी किया। रक्षा मंत्री ने बताया कि आधुनिक युद्ध में वायु शक्ति की निर्णायक भूमिका है।

वीबी- जी राम जी बिल बहुत बड़ा विश्वासघात इसे वापस लेना होगा : संजय सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। विकसित भारत गारंटी फॉर रोज़गार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) यानी वीबी- जी राम जी बिल लोकसभा में गुरुवार को पारित हो गया है। ये बिल यूपीए दौर की मनरेगा योजना की जगह लेगा। इस बिल पर आम आदमी पार्टी सांसद संजय सिंह ने कहा कि यह बहुत बड़ा विश्वासघात है और मैं सरकार को आगाह करना चाहता हूं कि जैसे आपने तीनों किसानों के काले कानूनों को वापस लिया वैसे ही आपको इस बिल को भी वापस लेना होगा। उन्होंने कहा कि देश भर में इसके ख़िलाफ़ आंदोलन होगा। इस बिल के नाम के पीछे आप अपना गुनाह छिपाना चाहते हैं। मनरेगा और केंद्र सरकार के नए अधिनियम में नाम के अलावा भी कई बदलाव किए गए हैं और विपक्षी दल सरकार के इस फ़ैसले का विरोध कर रहे हैं।

अवैध हथियारों और गोला-बारूद की तस्करी के मामले में पटना से अंकल जी गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने बिहार से शुरू होकर उत्तरी भारत के विभिन्न हिस्सों में फैले अवैध हथियारों और गोला-बारूद की तस्करी के मामले के मुख्य सरगना को गिरफ्तार किया है। एनआईए अधिकारियों ने बताया कि पटना निवासी कमलकांत वर्मा उर्फ अंकल मामले में गिरफ्तार होने वाला 11वां आरोपी है। एनआईए की जांच में पता चला है कि कमलकांत ने हरियाणा और अन्य स्थानों के विभिन्न आग्नेयास्त्र कारखानों से अवैध रूप से गोला-बारूद खरीदने वाले गिरोह में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। एजेंसी ने कहा कि गोला-बारूद की तस्करी उत्तर प्रदेश में की गई और वहां से इस बिहार और देश के अन्य हिस्सों में पहुंचाया गया। कमलकांत की गिरफ्तारी एनआईए द्वारा उत्तर प्रदेश, बिहार और हरियाणा में 23 स्थानों पर की गई छापेमारी के कुछ दिनों बाद हुई है, जिसके परिणामस्वरूप चार अन्य आरोपियों रवि रंजन, शशि प्रकाश, विजय कालरा और कुश कालरा को गिरफ्तार किया गया था। चार दिसंबर को की गई छापेमारी के दौरान कई हथियार और गोला-बारूद भी जब्त किये गये थे।

नशीले कफ सिरप की कमाई से टेरर फंडिंग... हवाला ऑपरेटर्स की तलाश में जुटी ईडी

लखनऊ (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कोडीन युक्त कफ सिरप की अवैध तस्करी से जुड़े बड़े सिंडिकेट की जांच में जुटी हुई है। सूत्रों ने बताया कि इस नेटवर्क में करोड़ों रुपये के लेन-देन हवाला ऑपरेटर्स के जरिए किए जा रहे थे, जिनकी तलाश अब तेज कर दी गई है। जांच एजेंसी को आशंका है कि भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पार करने के बाद कफ सिरप की सप्लाई चेन कुछ इस्लामिक संगठनों के नियंत्रण में चली जाती थी, जहां से प्राप्त कमाई का इस्तेमाल संदिग्ध गतिविधियों में किया जा सकता था। हालांकि, इस दिशा में ठोस सबूत जुटाने के लिए ईडी गहन जांच कर रही है। मामले में मेरठ निवासी आसिफ और वसीम के नाम प्रमुखता से सामने आए हैं, जो भारत में तस्करी सिंडिकेट से जुड़े बताए जा रहे हैं। सूत्र बताते हैं कि दुबई में रह रहे आसिफ का भारत और बांग्लादेश के नेटवर्क से सीधा संपर्क था। वहां विदेश से ही ऑपरेशन को चलाने में सक्रिय भूमिका निभा रहा था। ईडी की टीम इस पूरे लिंक को मजबूत करने के लिए हवाला ऑपरेटर्स की कड़ियों को खंगाल रही है। साथ ही, कफ सिरप की एवज में बांग्लादेश से नकली भारतीय मुद्रा की सप्लाई के संभावित कनेक्शन की भी पड़ताल की जा रही है। यह मामला कोडीन आधारित कफ सिरप की बड़े पैमाने पर तस्करी से जुड़ा है, जो नशीले पदार्थ के रूप में इस्तेमाल होती है। सिंडिकेट फर्जी कंपनियों और दस्तावेजों का सहारा लेकर दवा कंपनियों से सीधे माल खरीदता था और उस माल को सीमापार पहुंचाता था।

एयर इंडिया की फ्लाइट में आई खराबी, कोच्चि में कराई इमरजेंसी लैंडिंग

-सभी 160 यात्री सुरक्षित, वैकल्पिक फ्लाइट चलाने, की जा रही व्यवस्था

कोच्चि (एजेंसी)। एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट में गुरुवार को तकनीकी खराबी आने के बाद केरल के कोच्चि में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई, जिससे एक बड़ा हवाई हादसा टल गया। फ्लाइट एआईई-398 जेद्दा से चली थी और कोझिकोड जा रही थी। रास्ते में पायलट को विमान के लैंडिंग गियर में दिक्कत महसूस हुई। इसके बाद तुरंत कार्रवाई करते हुए पायलट ने कोचीन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग की इजाजत मांगी। संदेश मिलने के बाद एयरपोर्ट अधिकारियों ने तुरंत इमरजेंसी प्रोटोकॉल एक्टिवेट कर दिए। जानकारी के मुताबिक विमान सुबह करीब 9.07 बजे सुरक्षित लैंड हुआ, जिसमें एहतियात के तौर पर रनवे पर फायर और रेस्क्यू टीमें, मेडिकल स्टाफ और सुरक्षाकर्मी तैनात थे। लैंडिंग के बाद विमान की जांच में पता चला कि उसके दो टायर फट गए थे, जिससे खराबी की गंभीरता की पुष्टि हुई और कोच्चि की ओर डायवर्ट करने के फ्लाइट क्रू के समय पर लिए गए फैसले को सही साबित किया। एयरपोर्ट सूत्रों ने बताया कि सभी इमरजेंसी सिस्टम चालू थे और योजना के अनुसार काम कर रहे थे। सभी यात्रियों को एयरपोर्ट लाउंज में ठहराया गया है और उनकी आगे की यात्रा के लिए इंतजाम किए जा रहे हैं।

सपा नेता की 14 करोड़ की संपत्ति कुर्क

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में समाजवादी पार्टी (सपा) के नेता मानसिंह के खिलाफ प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की जा रही है। विभिन्न मामलों में दर्ज आरोपों के चलते उनके आवास और अन्य संपत्तियों को कुर्की किया जा रहा है। उनकी 14 करोड़ की संपत्ति पर एक्शन लिया जा रहा है। कोर्ट के आदेश पर आज गैंगेस्टर की होटल की संपत्ति को जिला प्रशासन की मौजूदगी मे कुर्क कर दिया गया। कार्रवाई के आदेश को चस्पा किया गया है। सपा नेता राजा मानसिंह सरियावा थाना पूरा कलंदर के निवासी हैं। उनके और उनकी पत्नी नीतू सिंह के ऊपर भी कार्रवाई हुई।

हसीना के बेटे ने चेताया कहा- कट्टर इस्लामिक देश बन रहा बांग्लादेश, भारत में बढ़ेगा आतंकवाद?

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के बेटे और सलाहकार सजेब वाजेद जॉय ने अंतरिम सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा है कि ढाका में मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार देश को इस्लामिक शासन की ओर ले जाने की कोशिश कर रही है और इससे भारत की सुरक्षा को भी बड़ा खतरा पैदा हो गया है।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार और पाकिस्तान के बीच बढ़ती नजदीकियों को लेकर पूछे गए सवाल पर जॉय ने कहा कि यह भारत के लिए गंभीर चिंता का विषय है। उनके अनुसार, अवामी लीग की सरकार के दौरान भारत की पूर्वी सीमाएं आतंकवाद से सुरक्षित थीं। उन्होंने चेतावनी दी कि इससे पहले के दौर में बांग्लादेश का इस्तेमाल भारत में विद्रोह और आतंकवाद फैलाने के लिए किया जाता था, और अब वह स्थिति दोबारा लौट सकती है।एक इंटरव्यू में 54 वर्षीय सजेब वाजेद जॉय ने कहा कि यूनुस सरकार जमात-ए-इस्लामी और अन्य इस्लामी पार्टियों को खुली छूट दे रही है और चुनाव में धांधली कराके इनको सत्ता में लाने की कोशिश कर रही है। वाजेद फिलहाल अमेरिका में रहते हैं। यह इंटरव्यू ऐसे समय में सामने आया है जब भारत ने बांग्लादेश में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति और

भारतीय उच्चायोग को धमकी देने वाले चरमपंथी तत्वों की गतिविधियों पर गंभीर चिंता जताते हुए ढाका के उच्चायुक्त को तलब किया। दिल्ली में हालिया आतंकी गतिविधियों और बांग्लादेश में लश्कर-ए-तैयबा के स्थानीय सेल के बीच संबंधों के सवाल पर जॉय ने कहा कि उन्हें यह जानकारी गोपनीय सुरक्षा सूत्रों से मिली है। उन्होंने चेतावनी दी कि बांग्लादेश में आतंकी प्रशिक्षण शिविर फिर से सक्रिय हो चुके हैं, अल-कायदा के जाने-माने आतंकी वहां सक्रिय हैं और पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा के कमांडरों ने खुले मंचों से भाषण दिए हैं। उनके अनुसार, इससे भारत और पूरे क्षेत्र के लिए खतरा तत्काल और वास्तविक है।

शेख हसीना के खिलाफ सुनाई गई मौत की सजा के बाद दिए गए अपने बयानों को दोहराते हुए जॉय ने कहा कि बांग्लादेश तेजी से एक असफल इस्लामिक राज्य की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि यूनुस सरकार ने जमात-ए-इस्लामी और अन्य इस्लामिक दलों को खुली छूट दे दी है।

जॉय के मुताबिक, बांग्लादेश में इस्लामिक पार्टियों को कभी भी पांच प्रतिशत से अधिक वोट नहीं मिले हैं, लेकिन अवामी लीग और अन्य प्रगतिशील व उदारवादी दलों को चुनाव से बाहर रखकर एक धांधली भरा चुनाव कराया जा रहा है, ताकि इस्लामिक ताकतों को सत्ता में स्थापित किया जा सके।

भारत की भूमिका पर सवाल के जवाब में सजेब वाजेद जॉय ने कहा कि नई दिल्ली को अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ मिलकर बांग्लादेश में लोकतंत्र की वापसी के लिए ज्यादा सक्रिय होना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश की सबसे बड़ी पार्टी अवामी लीग और तीसरी सबसे बड़ी पार्टी जातीय पार्टी (जातीय पार्टी) को चुनाव से बाहर करना, आधे से ज्यादा मतदाताओं को मताधिकार से वंचित करने जैसा है। उनके अनुसार, ऐसे हालात में होने वाला चुनाव लोकतांत्रिक नहीं बल्कि पूरी तरह से धांधली भरा होगा। बांग्लादेश द्वारा शेख हसीना के प्रत्यर्पण की औपचारिक मांग किए जाने पर जॉय ने कहा कि किसी भी कानूनी प्रत्यर्पण के लिए उचित कानूनी प्रक्रिया का पालन अनिवार्य है। उन्होंने आरोप लगाया कि बांग्लादेश में उनके खिलाफ मामलों में पूरी तरह से ड्यू प्रोसेस का अभाव रहा और उनकी मां को अपने वकीलों से संपर्क तक की अनुमति नहीं दी गई। ऐसे में, जॉय का मानना है कि भारत को इस मामले में कोई कार्रवाई करने की आवश्यकता नहीं है।

इंडिगो संकट पर संसदीय समिति सख्त, एयरलाइन और नियामक से 15 दिन में जवाब मांगा

नई दिल्ली। इंडिगो की बड़े पैमाने पर उड़ानें रद्द होने के मामले को लेकर संसदीय समिति ने एयरलाइन और नागरिक उड्डयन नियामक के अधिकारियों पर कड़ी नाराजगी जताई है। समिति के समक्ष पेश किए गए जवाबों को असंतोषजनक मानते हुए दोनों पक्षों को 15 दिन बाद दोबारा उपस्थित होने का निर्देश दिया गया है। सूत्रों के अनुसार, बैठक के दौरान उठाए गए अहम सवालों पर न तो एयरलाइन और न ही नियामक अधिकारी ठोस जवाब दे सके, जिससे समिति की चिंता और बढ़ गई। समिति की बैठक में इंडिगो की ओर से मुख्य परिचालन अधिकारी के नेतृत्व में वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। वहीं, नागरिक उड्डयन मंत्रालय और नियामक संस्था की तरफ से शीर्ष अधिकारी उपस्थित रहे। इसके अलावा देश की अन्य प्रमुख एयरलाइनों के प्रतिनिधि भी बैठक में मौजूद थे। गौरतलब है कि 2 दिसंबर से देशभर में कई दिनों तक सैकड़ों उड़ानें रद्द होने से यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा था। एयरपोर्ट पर अफरा-तफरी का माहौल रहा, हजारों यात्री फंसे और वैकल्पिक व्यवस्था की कमी साफ नजर आई। बैठक की अध्यक्षता जदयू सांसद संजय झा ने की। परिवहन, पर्यटन और संस्कृति से जुड़ी संसदीय स्थायी समिति इस मुद्दे पर किसी अंतिम निष्कर्ष पर नहीं पहुंच सकी। समिति ने फैसला किया कि उड़ानों के रद्द होने और उससे उपजी अव्यवस्था की जिम्मेदारी तय करने से पहले नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा गठित जांच समिति की रिपोर्ट का इंतजार किया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, समिति ने बैठक में कई तीखे सवाल पूछे। सदस्यों ने जानना चाहा कि संशोधित फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन नियम लागू होने के बाद मंत्रालय और नियामक क्या ऐसी स्थिति से निपटने के लिए तैयार थे। यह भी सवाल उठाया गया कि क्या पायलटों की ड्यूटी व्यवस्था में बदलाव से छूट हासिल करने के उद्देश्य से एयरलाइन ने दबाव बनाने की रणनीति अपनाई। इन सवालों पर एयरलाइन और नियामक के प्रतिनिधि स्पष्ट और संतोषजनक जवाब देने में विफल रहे। समिति ने यह भी नाराजगी जताई कि यात्रियों को हुई असुविधा के लिए माफी मांगने के बजाय उड़ानों के रद्द होने का ठीकरा मौसम और तकनीकी कारणों पर फोड़ा गया। समिति का मानना है कि इतने बड़े पैमाने पर उड़ानों का रद्द होना केवल मौसम का परिणाम नहीं हो सकता। इसी वजह से चार सदस्यीय जांच समिति की रिपोर्ट को निर्णायक माना जा रहा है, जिसके 28 दिसंबर तक सौंपे जाने की संभावना है।

कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके ने कहा, नेशनल हेराल्ड मामला तकनीकी रूप से खारिज होने की कगार पर

-बीजेपी का पलटवार, उच्च न्यायालय ने गांधी परिवार को कोई क्लीन चिट नहीं दी

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक की राजनीति में नेशनल हेराल्ड मामले को लेकर बढ़ती राजनैतिक बहस के बीच उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने एक ओर केंद्र सरकार पर जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया है, वहीं भाजपा ने कांग्रेस पर संवैधानिक संस्थाओं के अपमान का पलटवार किया है। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री शिवकुमार का दावा है कि नेशनल हेराल्ड मामला तकनीकी रूप से खारिज होने की कगार पर है, इसलिए दिल्ली पुलिस को दर्ज एफआईआर वापस ले लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह केवल सोनिया गांधी और राहुल गांधी को परेशान करने की एक रणनीति है। शिवकुमार ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने नेशनल हेराल्ड के मुद्दे से ध्यान भटकाने के लिए कर्नाटक की महत्वपूर्ण योजनाओं (जैसे गृह लक्ष्मी, ऊपरी भद्रा परियोजना और मनरेगा) का पैसा जानबूझकर रोका है। शिवकुमार ने कर्नाटक की कांग्रेस सरकार के प्रदर्शन का बचाव करते हुए अन्य राज्यों (विशेषकर महाराष्ट्र) से इसकी तुलना की। उन्होंने दावा किया कि पिछले 24 महीनों में सरकार ने अपने सभी चुनावी वादों को कुशलतापूर्वक पूरा किया है। उनके अनुसार, केंद्र के असहयोग के बावजूद राज्य की कल्याणकारी योजनाएं जारी हैं। वहीं कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने कांग्रेस के विरोध प्रदर्शनों की आलोचना कर कहा कि उच्च न्यायालय ने गांधी परिवार को इस मामले में कोई राहत या क्लीन चिट नहीं दी है। भाजपा का कहना है कि कांग्रेस जांच से बचने के लिए संवैधानिक निकायों को निशाना बना रही है और राज्य में अशांति का माहौल पैदा कर रही है।

पंजाब पंचायत चुनाव: जिला परिषद और ब्लॉक समिति में आप का दबदबा, विपक्ष को करारी शिकस्त

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में जिला परिषद और ब्लॉक समिति चुनावों के मतगणना परिणामों ने राज्य की राजनीति में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) की मजबूत पकड़ को एक बार फिर उजागर कर दिया है। अब तक घोषित नतीजों के अनुसार आप ने दोनों ही स्तरों पर अधिकांश सीटों पर जीत दर्ज करते हुए कांग्रेस, शिरोमणि अकाली दल और भारतीय जनता पार्टी को पीछे छोड़ दिया है। हालांकि अंतिम परिणामों की आधिकारिक घोषणा का अभी इंतजार है, लेकिन मौजूदा आंकड़े स्पष्ट संकेत दे रहे हैं कि ग्रामीण राजनीति में भी आप का प्रभाव लगातार बढ़ रहा है।

राज्य चुनाव आयोग के अनुसार मंगलवार को सभी मतगणना केंद्रों पर शांतिपूर्ण ढंग से मतगणना प्रक्रिया पूरी कर ली गई। प्रशासन की ओर से सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे, जिससे किसी भी तरह की अप्रिय घटना सामने नहीं आई। आम आदमी पार्टी ने इन चुनावों को संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिहाज से

अहम माना था, और नतीजों ने पार्टी की रणनीति को सफल साबित किया है।

जिला परिषद के कुल 346 जोनों के लिए चुनाव कराए गए थे, जिनमें से अब तक 177 जोनों के परिणाम घोषित हो चुके हैं। इनमें आम आदमी पार्टी ने 98 सीटों पर जीत दर्ज की है, जबकि 22 सीटों पर उसके उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए। इस तरह घोषित नतीजों में आप के पास कुल 120 सीटें आ चुकी हैं। इसके मुकाबले कांग्रेस को 27 सीटें और शिरोमणि अकाली दल को 21 सीटों से संतोष करना पड़ा है। बहुजन समाज पार्टी ने 3 सीटें जीती हैं, जबकि भाजपा और सीपीआई (एम) अब तक अपना खाता नहीं खोल पाई हैं। खडूर साहिब के एक जोन में वैध नामांकन न मिलने के कारण वहां चुनाव नहीं हो सका।

ब्लॉक समिति की कुल 2838 सीटों में से 352 सीटों पर उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए थे, जबकि 2486 जोनों के लिए मतदान हुआ। अब तक 2097 सीटों के नतीजे घोषित किए जा चुके हैं। इनमें आप ने 892 सीटों पर सीधी जीत हासिल की है और 339 सीटें निर्विरोध जीतकर कुल 1231 सीटों पर कब्जा जमाया है। कांग्रेस को 419 सीटों पर जीत और 3 निर्विरोध सीटों के साथ कुल 422 सीटें मिली हैं। शिरोमणि अकाली दल को 253, भाजपा को 49 और बसपा को 26 सीटें हासिल हुई हैं। इसके अलावा निर्दलीय उम्मीदवारों ने 116 सीटों पर जीत दर्ज की है।

अब तक के रुझानों से साफ है कि आम आदमी पार्टी ने ग्रामीण इलाकों में अपनी राजनीतिक पकड़ को और मजबूत किया है। विपक्षी दलों के लिए ये नतीजे चेतावनी के रूप में देखे जा रहे हैं, खासकर कांग्रेस और अकाली दल के लिए, जिनका परंपरागत आधार ग्रामीण क्षेत्रों में माना जाता रहा है। हालांकि चुनाव आयोग की ओर से अंतिम आंकड़े जारी होने के बाद ही पूरी तस्वीर स्पष्ट होगी, लेकिन मौजूदा परिणामों ने पंजाब की राजनीति में आप के बढ़ते प्रभाव को मजबूती से रेखांकित कर दिया है।

मोदी सरकार चाहती... हमें घुटनों पर ला सकती थी, लेकिन इसके बदले हमारी पूरी मदद की

-उमर अब्दुल्ला का बयान विरोधी दलों के आरोप से अलग

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने दो टूक कहा कि मौजूदा हालात में पाकिस्तान के साथ संबंधों का सामान्य होना फिलहाल 'असंभव' दिखाता है। उन्होंने आतंकवादी घटनाओं में बढ़ोतरी और इस्लामाबाद की ओर से राजनीतिक स्तर पर गंभीरता के अभाव को इसकी सबसे बड़ी वजह बताया। एक कार्यक्रम में सीएम अब्दुल्ला ने कहा कि संवाद ही किसी भी विवाद का अंतिम समाधान होता है, लेकिन बातचीत के लिए जिस अनुकूल माहौल की जरूरत होती है, वहां वर्तमान में पूरी तरह नदारद है। उन्होंने दो टूक कहा कि ऐसा माहौल बनाने की पहली जिम्मेदारी पाकिस्तान की है।

मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने पहलगाम, दिल्ली और अन्य स्थानों पर हुए हालिया आतंकी हमलों का उल्लेख कर कहा कि जमीनी सच्चाई अब भी शत्रुतापूर्ण बनी हुई है। इसतहर के हालात में भारत से यह अपेक्षा करना कि वह उकसावों को अनदेखा करे, व्यावहारिक नहीं है। सीएम अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर की वर्तमान

प्रशासनिक व्यवस्था पर तीखा सवाल उठाया। उन्होंने मुख्यमंत्री पद को 'शक्तिविहीन' बताकर कहा कि एक इसतरह के व्यक्ति के लिए यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है, जिसने कभी देश के सबसे सशक्त राज्यों में से एक का नेतृत्व किया हो और आज वह एक इसतरह के केंद्र शासित प्रदेश का मुख्यमंत्री है, जिसके पास देश के किसी भी राज्य के मुख्यमंत्री की तुलना में बेहद सीमित अधिकार हैं। उन्होंने उपराज्यपाल के निरंतर हस्तक्षेप की आलोचना कर केंद्र से जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए एक स्पष्ट और समयबद्ध लक्ष्य तय करने की मांग की।

उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में निर्वाचित सरकार जरूर है, लेकिन कानून-व्यवस्था, पुलिस और नौकरशाही से जुड़े अहम फैसले अब भी उपराज्यपाल के अधिकार क्षेत्र में हैं। इसके बाद सरकार की जवाबदेही और निर्णय लेने की क्षमता के बीच संतुलन बनाना एक बड़ी चुनौती बन गया है। उन्होंने माना कि जनता की अपेक्षाएं स्वाभाविक रूप से बहुत ऊंची होती हैं, खासकर तब जब एक निर्वाचित सरकार सत्ता में आती है, लेकिन मौजूदा संवैधानिक ढांचे में सरकार की सीमाओं को समझना भी उतना ही जरूरी है।

जब सीएम उमर से पूछा गया कि क्या मोदी सरकार विपक्ष-शासित राज्यों के प्रति बदले की भावना से काम करती है, तब उमर अब्दुल्ला ने आम विपक्षी सोच से हटकर चौंकाने वाला जवाब दिया। उन्होंने कहा कि उन्हें इस मामले में कोई शिकायत नहीं है। मुख्यमंत्री उमर ने कहा, 'अगर मोदी सरकार चाहती, तब हमें घुटनों पर ला सकती थी, लेकिन इसके उलट हमें तय बजट से ज्यादा धनराशि दी गई है।' उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के पास प्रशासनिक और आर्थिक दबाव बनाने के कई तरीके हो सकते थे, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। उनके अनुसार, कम से कम वित्तीय सहयोग के स्तर पर बदले की राजनीति नहीं हुई है। बता दें कि राजनीतिक हलकों में उमर का यह बयान केंद्र और विपक्ष शासित राज्यों के रिश्तों पर चल रही बहस में एक व्यावहारिक और यथार्थवादी दृष्टिकोण के रूप में देखा जा रहा है।

मुस्लिम पर्यावरण की दृष्टि से नदी की पूजा या प्राणायाम करें तो इसमें क्या गलत है?

होसबोले ने कहा-भारतीय सांस्कृतिक जड़ें एक हैं, पूजा के तरीके अलग-अलग हो सकते हैं

गोरखपुर (एजेंसी)। आरएसएस के महासचिव दत्तात्रेय होसबाले ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि सूर्य नमस्कार से मुस्लिमों का क्या बिगड़ जाएगा। अगर नमाज पढ़ने वाले मुस्लिम पर्यावरण की दृष्टि से नदी की पूजा या प्राणायाम करेंगे तो इसमें क्या गलत है? होसबाले ने बुधवार को कहा कि प्रकृति को अपनाना भारत की सांस्कृतिक परंपरा का हिस्सा है और प्रकृति पूजा से जुड़ी प्रथाएं किसी भी धर्म के व्यक्ति के लिए हानिकारक नहीं हैं।

उन्होंने कहा कि आरएसएस किसी भी व्यक्ति या समुदाय को अपना दुश्मन नहीं मानता और समाज और राष्ट्र के कल्याण के लिए समावेशिता में विश्वास करता है। गोरखपुर के खोराबार मैदान में एक 'हिंदू सम्मेलन' को संबोधित करते हुए होसबाले ने कहा कि भारतीय सांस्कृतिक परंपराएं प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण से गहराई से जुड़ी हैं। उन्होंने कहा कि अगर मुसलमान भी नदियों और पेड़ों की पूजा करते हैं, तो इसमें कुछ भी गलत

नहीं है। ये परंपराएं प्रकृति संरक्षण और सामूहिक भलाई से जुड़ी हैं।

होसबाले ने आगे कहा कि इसे संकीर्ण धार्मिक नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सूर्य नमस्कार एक वैज्ञानिक और स्वास्थ्य-उन्मुख अभ्यास है। इससे किसी को कोई नुकसान नहीं होता है और इसे करने से कुछ भी नहीं खोता है। हम ये नहीं कहेंगे कि तुम ये करो तो वो पूजा छोड़ दो, नमाज़ छोड़ दो। ये तो हम नहीं कहेंगे। सांस्कृतिक एकता पर जोर देते हुए होसबाले ने कहा कि भारतीय संस्कृति धार्मिक सीमाओं से परे सह-अस्तित्व और प्रकृति के प्रति सम्मान को बढ़ावा देती है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि आरएसएस समाज के सभी वर्गों के बीच आपसी सम्मान और सद्भाव में विश्वास करता है। 'हिंदू-हिंदुत्व', 'राष्ट्र-राष्ट्रीयता', और 'भारत-भारतीयता' जैसे विषयों पर बोलते हुए होसबाले ने कहा कि राष्ट्र निर्माण केवल चरित्र निर्माण से ही संभव है। उन्होंने कहा कि भारतीय सांस्कृतिक जड़ें एक हैं। पूजा के तरीके अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन धर्म एक है- सनातन। धर्म जीवन जीने की कला है। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म के अनुयायियों की जिम्मेदारी है कि वे न केवल अपने लिए बल्कि दुनिया भर में मानवता के कल्याण के लिए मानवीय मूल्यों को बनाए रखें। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वजों ने हिंदू धर्म को मानव धर्म बताया है। किसी भी देश के लोग इसका पालन कर सकते हैं। 21 जून को दुनिया भर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का उत्सव इसका एक स्पष्ट उदाहरण है।

बाबरी मस्जिद की नींव रखने वाले हुमायू पर एआईएमआईएम की नजर, साथ में लड़ेंगे चुनाव !

कोलकाता (एजेंसी)। बाबरी मस्जिद की नींव रखने वाले टीएमसी के निलंबित विधायक हुमायू कबीर पर एआईएमआईएम की नजरें टिक गई हैं। चूंकि हुमायू 22 दिसंबर को अपनी नई पार्टी का ऐलान करने जा रहे हैं और उन्हे लगने लगा है कि वे पश्चिम बंगाल में निर्णायक भूमिका में आ जाएंगे। हालांकि ये सिर्फ एक सपने से ज्यादा कुछ नहीं है। लेकिन इसकी मजबूती को एआईएमआईएम ने और मजबूत करने का प्रयास किया है। माना जा रहा है आगामी विधानसभा चुनाव में दोनों एक साथ चुनाव लड़ सकते हैं।

एआईएमआईएम की पश्चिम बंगाल इकाई हुमायूं कबीर के साथ हाथ मिलाने के पक्ष में दिखाई दे रही है। सांसद असदुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व वाली ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) की पश्चिम बंगाल इकाई ने शुक्रवार को निलंबित विधायक के साथ गठबंधन करने की इच्छा व्यक्त की थी। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष इमरान सोलंकी ने कहा कि कबीर के साथ बातचीत चल रही है, जो छह दिसंबर को मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद शैली की मस्जिद की नींव रखकर राजनीतिक बवाल खड़ा करने के बाद अल्पसंख्यकों की आवाज मुखरता से उठाने वाले एक बड़े नेता के रूप में उभरे हैं। सोलंकी ने कहा कि उन्होंने कबीर से पहले ही बात कर ली है। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष अगले साल के विधानसभा चुनाव में 'कुछ सीट' पर तालमेल की संभावना तलाश रहे हैं। उन्होंने कहा, राष्ट्रीय स्तर पर असदुद्दीन ओवैसी की मजबूत पकड़ के कारण हुमायूं कबीर एआईएमआईएम के साथ गठबंधन करने के इच्छुक हैं। हमारी भी कुछ चुनिंदा सीट पर गठबंधन की संभावना तलाशने में रुचि है। उन्होंने कहा कि अंतिम निर्णय हैदराबाद के सांसद का होगा।

तृणमूल कांग्रेस से निलंबित विधायक हुमायूं कबीर का कहना है कि बाबरी मस्जिद निर्माण के लिए 5 करोड़ का चंदा आ चुका है। उन्होंने बताया कि यह पहले से ज्यादा ऊंची बनने वाली है। साथ ही उन्होंने एसआईआर के मुद्दे पर कहा कि इसका मुर्शिदाबाद में कोई असर नहीं पड़ेगा। कबीर 22 दिसंबर को नई पार्टी का ऐलान करने जा रहे हैं।कबीर ने कहा, जहां वह मॉडल था, वहां से ज्यादा हाइट पर होगा, ज्यादा चौड़ा भी होगा। वो जो था उससे और ज्यादा 65 फुट ऊंचा होगा। उन्होंने मुर्शिदाबाद में 6 दिसंबर को मस्जिद की नींव रखी थी। उन्होंने जानकारी दी, 5 करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया है। और जो मटेरियल आया है, वो भी डेढ़-दो करोड़ रुपये का होगा।विधायक ने नई पार्टी के ऐलान को लेकर कहा, नई पार्टी का ऐलान 22 दिसंबर को दोपहर 12 से 1 बजे तक होगा। इससे पहले उन्हें मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी ने पार्टी से निलंबित कर दिया था। खबरें थीं कि मस्जिद की नींव रखने के ऐलान से ममता बनर्जी नाराज थीं। हालांकि, टीएमसी ने इसे लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा था।

डीयू आर्ट फैकल्टी में नए हॉल का नाम होगा वंदे मातरम

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) की शुक्रवार को 1280वीं कार्यकारी परिषद (ईसी) की बैठक हुई। इसमें डीयू आर्ट फैकल्टी में सेंटर फॉर उड़िया स्टडीज बनाने, आर्ट फैकल्टी के नवीनीकृत हॉल का नाम वंदे मातरम् हॉल करने सहित कई दूसरे प्रस्ताव पर सहमति दी गई। बैठक में डीयू कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने दो हजार करोड़ रुपये की लागत से विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यों की प्रगति को लेकर समीक्षा की। डीयू कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने बताया कि 28 फरवरी 2026 को होने वाले डीयू के 102वें दीक्षांत समारोह में उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन मुख्य अतिथि होंगे। हालांकि इससे पहले उपराष्ट्रपति 30 जनवरी को नशा मुक्ति अभियान को लेकर आयोजित होने वाले कार्यक्रम में भी डीयू में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। इस बैठक में चीफ इंजीनियर अशोक सैनी ने विश्वविद्यालय में जारी निर्माण एवं नवीनीकरण कार्यों पर जानकारी प्रस्तुत की। कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि करीब 2000 करोड़ रुपये की लागत से विश्वविद्यालय में विभिन्न कार्य प्रगति पर हैं। इनमें से अधिकतर निकट भविष्य में पूर्ण होने वाले हैं। ईसी बैठक में कुलपति ने आर्ट्स फैकल्टी में स्थित कन्वेंशन हॉल का नाम नवीनीकरण के बाद वंदे मातरम् हॉल रखने का प्रस्ताव रखा। इस पर सभी ने सहमति दी। सेंटर फॉर उड़िया स्टडीज बनाने के लिए बनी कमेटी की सिफारिशों पर विचार के बाद उन्हें भी मंजूरी दी। यह सेंटर डीयू की आर्ट्स फैकल्टी में बनेगा। कुलपति ने बताया कि 12 से 14 फरवरी 2026 को डीयू लिटरेचर फेस्टिवल आयोजित करेगा। डीयू ईसी की बैठक के आरंभ में डीयू कुलसचिव डॉ विकास गुप्ता ने पिछली ईसी बैठक के मिनट्स और एक्शन टेकन रिपोर्ट प्रस्तुत की। डीयू एकेडमिक काउंसिल की बैठक में की गई सिफारिशों पर विचार करने के बाद उन्हें भी स्वीकृति दी गई। डीयू ईसी ने डीयू की वाइस रीगल लॉज बिल्डिंग के पास एक ब्रॉडकास्टिंग स्टूडियो बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी, जिसकी अनुमानित लागत 2,32,08,537 रुपये है। बैठक में डीयू के फाइनेंस कमेटी को नौ दिसंबर 2025 को आयोजित हुई बैठक में की गई सिफारिशों पर विचार के बाद उन्हें भी स्वीकृति दी गई। इसमें वित्तीय वर्ष 2025-26 के संशोधित बजट अनुमान और वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट अनुमान पर भी विचार किया गया। वित्तीय वर्ष 2025-26 को बजट अनुमान 1664.74 करोड़ रुपये से घटाकर अब 1312.33 करोड़ रुपये रखा है। साथ ही वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 1651.42 करोड़ रुपये का बजट अनुमान पेश किया है। डीयू कुलपति ने बताया कि सेंटर फॉर उड़िया स्टडीन भाषा, साहित्य, संस्कृति, सभ्यता और रीति-रिवाजों पर आने वाली पौड़ियों और आज के नजरिए से भी विमर्श का दावरा बढ़ाएगा।

छात्र की खुदकुशी के मामले में जांच अपराध शाखा को सौंपी गई

नई दिल्ली। निजी स्कूल के दसवीं कक्षा में पढ़ने वाले छात्र के राजेंद्र प्लेस मेट्रो स्टेशन से छलांग लगाकर खुदकुशी के मामले की जांच अब अपराध शाखा करेगी। बृहस्पतिवार को अपराध शाखा को मामले की जांच सौंपी गई है। 18 नवंबर को छात्र ने खुदकुशी कर ली थी। उसके पास से सुसाइड नोट मिला था, जिसमें उसने अपने शिक्षकों पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया था। मेट्रो पुलिस उपायुक्त कुशल पाल सिंह ने मामले को अपराध शाखा को सौंपने की पुष्टि की है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि मामला अपराध शाखा को सौंपने से एक दिन पहले छात्र के पिता ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और महाराष्ट्र के अहमद नगर के सांसद से मुलाकात कर बेटे के सुसाइड नोट में नामजद शिक्षकों पर जल्द कार्रवाई की मांग की थी। राजा गार्डन मेट्रो पुलिस ने मामले की जांच के दौरान नामजद चार शिक्षकों के साथ-साथ उसके कक्षा के छात्रों और अन्य शिक्षकों से पूछताछ की थी। साथ ही पुलिस ने छात्र के परिजनों से भी पूछताछ की।

दिल्ली में निजी स्कूल मनमाने तरीके से नहीं बढ़ा सकेंगे फीस

कौमी पत्रिका

दिल्ली। दिल्ली सरकार ने निजी स्कूलों की फीस बढ़ोतरी की मनमानी को रोकने के लिए दिल्ली एजुकेशन बिल (फीस तय करने और नियमन) अधिनियम 2025 को लेकर अधिसूचना जारी कर दी है। इस संबंध में उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने दिल्ली गजट अधिसूचना जारी की है। इसके तहत फीस बढ़ोतरी के खिलाफ शिकायत के लिए 15 फीसदी अभिभावकों की सहमति जरूरी है। इस कानून के तहत दिल्ली के 1700 से ज्यादा निजी स्कूल दायरे में आएंगे। फीस निगरानी के लिए तीन स्तर की व्यवस्था की गई है। इसमें स्कूल स्तर पर फीस रेगुलेशन कमेटी, जिला स्तर पर फीस अपील कमेटी और संशोधन समिति को शामिल किया गया है। बिल के संबंध में दिल्ली सरकार के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि शिक्षा विभाग अब अधिनियम/नियमों में निर्दिष्ट सभी प्रक्रियाओं जैसे स्कूलों की फीस प्रस्तावों की जांच, अनुमतियां, रिपोर्टिंग और निगरानी को लागू करना शुरू करेगा। पूर्व सरकारों ने 27 वर्षों तक इस महत्वपूर्ण मुद्दे को नजरअंदाज किया लेकिन हमारी सरकार ने कुछ ही दिनों में इस ऐतिहासिक सुधार को लागू कर दिया। बेहद कम समय में एक मजबूत कानून लागू किया, जिसने दिल्ली में प्रशासनिक दक्षता और सुशासन का नया मानदंड स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवसाय नहीं, अधिकार है। सरकार दिल्ली के हर बच्चे को ईमानदारी, पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। यह कानून न केवल अभिभावकों की चिंताओं का समाधान करेगा बल्कि शिक्षा प्रणाली में जनता का विश्वास भी मजबूत करेगा। अभिभावकों व संरक्षकों से अपील की कि वह इस नए कानून का समर्थन करें और पारदर्शिता बनाए रखने में योगदान दें। यह ऐतिहासिक अधिनियम और इसके नियम निजी स्कूलों द्वारा मनमाने तरीके से की जाने वाली फीस बढ़ोतरी को रोकने, अभिभावकों को सशक्त बनाने और शिक्षा प्रणाली में पारदर्शिता व जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए बनाए गए हैं। सरकार का स्पष्ट उद्देश्य है कि अनुचित और मनमानी फीस बढ़ोतरी को पूरी तरह रोका जाए। स्कूलों को अपनी फीस संरचना, व्यय और वित्तीय आवश्यकताओं को पारदर्शी तरीके से प्रस्तुत करना होगा। शिक्षा मंत्री ने कहा कि इस नए कानून के लागू होने से अभिभावकों को फीस से जुड़ी लगातार आने वाली समस्याओं का समाधान मिलेगा और स्कूलों की निगरानी संभव होगी। शिक्षा मंत्री ने कहा कि हमारे लिए अभिभावकों के हित सर्वोपरि हैं। इस परिवर्तनकारी कदम से न केवल अभिभावकों का विश्वास बढ़ेगा बल्कि स्कूलों की जवाबदेही भी सुनिश्चित करेगा।

11 सेमी-ऑटोमैटिक पिस्तौल के साथ सप्लायर दबोचा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक अंतर-राज्यीय अवैध हथियारों के सिंडिकेट का पर्दाफाश करते हुए उसके सदस्य मुरैना, मध्य प्रदेश निवासी मनपाल (22) को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 11 अच्छी क्वालिटी की सेमी-ऑटोमैटिक पिस्तौल बरामद की गईं। अवैध हथियारों की ये खेप मध्यप्रदेश से दिल्ली-एनसीआर में गैंगस्टर को सप्लाई करने के लिए लाई थी। स्पेशल सेल के पुलिस उपायुक्त आलाप पटेल ने बताया कि सेल में तैनात इंस्पेक्टर रंजीत सिंह और इंस्पेक्टर संजीव कुमार की टीम मध्य प्रदेश के हथियार बनाने वालों और डीलरों से दिल्ली और एनसीआर में सक्रिय अपराधियों को की सप्लाई करने वालों पर कड़ी नजर रखे हुए थे। इस टीम ने 9 दिसंबर को एक जानकारी मिली कि इस हथियार सिंडिकेट के एक सदस्य मनपाले सेंधवा एमपी से पिस्तौल की एक खेप खरीदी है। वह इसे लेकर सराय काले खां, नई दिल्ली के इलाके में आएगा। इंस्पेक्टर रंजीत सिंह की टीम ने यहां घेराबंदी कर मनपाल को गिरफ्तार कर लिया। मनपाल से ग्यारह सेमी-ऑटोमैटिक पिस्तौल के साथ ग्यारह अतिरिक्त मैगज़ीन बरामद की गईं।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 100 नई इलेक्ट्रिक बसों को दिखाई हरी झंडी

प्रथम पृष्ठ का शेष

उन्होंने बताया कि महिलाओं के लिए पिंक कार्ड सुविधा जल्द ही शुरू की जा रही है, जिससे उन्हें बार-बार टिकट लेने की आवश्यकता नहीं होगी और वे किसी भी बस में आसानी से यात्रा कर सकेंगी। उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त दिल्ली मेट्रो के चौथे चरण और पूरे नेटवर्क को और सदृढ़ करने के लिए सरकार द्वारा वित्तीय समर्थन प्रदान किया जा रहा है। इस अवसर पर दिल्ली के परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि दिल्ली सरकार, माननीय मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता के नेतृत्व में, राजधानी और उसके आसपास स्वच्छ, विश्वसनीय और किफायती सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि धौला कुआं-धारूहेड़ा पूरी तरह इलेक्ट्रिक बस सेवा की शुरुआत इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस नई सेवा से कार्यालय जाने वाले, छात्र और औद्योगिक कर्मचारी दिल्ली से आसानी से जुड़ पाएंगे। उन्होंने कहा कि निजी वाहनों पर निर्भरता घटाकर यह सेवा ट्रैफिक जाम और वाहनों से होने वाले प्रदूषण को कम करने में मदद करेगी, साथ ही डीटीसी की अंतर्राज्यीय सेवाओं और राजस्व को भी मजबूत करेगी। डॉ. सिंह ने बताया कि डीटीसी अब वित्तीय स्थिरता, जवाबदेही और संचालन में दक्षता के मार्ग पर है और आने वाले वर्षों में स्वच्छ, सुरक्षित और वित्तीय रूप से आधुनिक सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था के निर्माण में यह प्रयास तेज़ होंगे। राजधानी की परिवहन व्यवस्था में 100 और नई लो-फ्लोर, वातानुकूलित इलेक्ट्रिक बसों के जुड़ने से अब कुल 3,500 से अधिक ईवी बसें परिचालित हो चुकी हैं। इन बसों में सीसीटीवी कैमरे, पैनिक बटन, रियल-टाइम वाहन ट्रैकिंग और दिव्यांगों के लिए विशेष सुविधाएं उपलब्ध हैं। ये बसें दिल्ली के स्वच्छ और ग्रीन सार्वजनिक परिवहन को और गति देंगी और प्रदूषण नियंत्रण में अहम योगदान करेंगी।

ग्वालियर गांव के पास मिला युवती का शव

गुरुग्राम। गुरुग्राम के मानेसर थाना के अंतर्गत ग्वालियर गांव (पंचगांव) के पास शनिवार की दोपहर को 20 वर्षीय युवती का शव मिला है। मृत युवती की पहचान नहीं हो सकी है। ईंटों के बीच शव पड़ा होने की सूचना मिलने पर जब मानेसर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची तो युवती के कपड़े अस्त-व्यस्त मिले थे। ऐसे में युवती के साथ दुष्कर्म किए जाने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। शनिवार की दोपहर करीब 12 बजे मानेसर थाने की पुलिस को सूचना मिली कि बाघनकी रोड पर धीरज धर्मकांटा के पास एक युवती का शव पड़ा है। जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और एफएसएल, फिंगरप्रिंट विशेषज्ञों, डॉग स्क्वायड व अपराध शाखा की पुलिस टीमों से घटनास्थल का निरीक्षण कराकर साक्ष्य एकत्रित किए। प्राथमिक जांच में सामने आया कि युवती की किसी दूसरी जगह हत्या करके यहां पर शव फेंका गया है। पुलिस जांच में सामने आया कि युवती का गला रस्सी से दबाया गया है। आशंका है कि दुष्कर्म के बाद युवती की हत्या की गई हो। पुलिस को घटनास्थल का निरीक्षण करने के दौरान कोई दस्तावेज या साक्ष्य नहीं मिला, जिससे मृत युवती की पहचान हो सके। मृत युवती के दाहिने हाथ पर गुड़िया लिखा हुआ है। पुलिस और एफएसएल व फिंगरप्रिंट टीम के निरीक्षण में मृतका के साथ यौन उत्पी?न या दुष्कर्म होने का साक्ष्य नहीं मिला है। हालांकि इसके बारे में पोस्टमार्टम होने के बाद ही पुष्टि हो सकेगी। हालांकि मृत युवती के शरीर पर चोट के निशान नहीं हैं। मानेसर थाने की पुलिस ने युवती के शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी में पहुंचाया। जांच अधिकारी बहीराम ने बताया कि मृत युवती की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। घटनास्थल पर कोई दस्तावेज नहीं मिला है। प्रारंभिक जांच में युवती की हत्या किसी अन्य जगह पर करके शव यहां पर फेंका गया है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ ही अन्य जानकारी जुटाई जा रही है।

NAME CHANGE

I, RUKHAMINI, legally mother of No. JC 462812K, Rank - Nb Sub, PATIL SANDIP TUKARAM, R/o Landgewadi, Arag, Erondoli- Lignoor Road Tal-Miraj, Dist - Sangli, Pin 416401, have changed my name from RUKHAMINI to RUKHAMINI TUKARAM PATIL for all future purposes. Vide affidavit dated 18/12/2025 before Public Notary, Delhi.

NAME CHANGE

I, PRADEEP KUMAR S/O DAULAT RAM R/O G – 68 , G – Block , Anandvas Shakurpur , North West Delhi , Delhi – 110034 have changed the name of my minor son KUSHANK ASIWAL aged 12 years and he shall hereafter be known as KUSHAL .

NAME CHANGE

I hitherto known as BANDNA SAHU W/O PAWAN KUMAR SAHU R/O B 268 H Khasra No 1452 , Ruchi Vihar Rangpuri Pahadi , Mahipalpur , PO : Gurgaon Road , South West Delhi, Delhi-110037 have changed my name and shall hereafter be known as VANDANA.

NAME CHANGE

I Praveen S/O Krishan R/O P-50 Block - P Krishan Vihar Delhi - 110086 Changed my name to PRAVEEN BANSAL

NAME CHANGE

I Suresh Chand S/O Shyam Lal R/O 5/305 Mohalla Sarai Shahdara Delhi - 110032 Changed my name to SURESH CHAND GOSWAMI

NAME CHANGE

I Kusum Lata Goyal D/o Prem Chand Goyal Add. A-80 Shani Bazar Road , krishan Vihar Delhi -110080 Change my name to Kusum Lata

NAME CHANGE

I hitherto known as Sahanada W/O: Mohd Kamil, R/O gangadaspur, Amroha, Amroha, Uttar Pradesh, 244221, have changed my name and shall hereafter be known as Shahnaz.

NAME CHANGE

I, SHAHNAWAZ W/O SHAKIR HUSAIN R/O HOUSE NO-E-49/L-410 S/F JANTA MAZDOOR COLONY SEELAMPUR DELHI 110053 have changed my name to SHAHNAZ for all future purposes.

NAME CHANGE

I, RAMSHA NAAZ D/O SHAKIR HUSAIN R/O H NO-E-49/L-410 S/F JANTA MAZDOOR COLONY WELCOME SEELAMPUR DELHI 110053have changed my name to RAMSHA NAZ for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Mohammad Meraz Khan / Md Meraj Khan S/o Hafizullah Khan R/o 129-C, Islampur Tola, Dhaka Purba Champaran, Bihar-845418 have changed my name to Meraj Khan for all future purposes

NAME CHANGE

I,Nadim Ahmed s/o Nabi Ahmed R/O 2860, Kucha chalan, Darya ganj Delhi - 110002. I have changed my name to Nadeem Ahmed for all future purposes

NAME CHANGE

I, RADHIKA AMOLA , D/o Mr. DEVENDRA AMOLA , R/o 509-A THIRD FLOOR GOVIND PURI KALKAJI 110019, have changed my name from RADHIKA to RADHIKA AMOLA for all future purposes.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Shourya Katoch S/O: Pardeep Chand R/O Quarters No 34, Police Station, Civil Lines, North Delhi, Delhi, 110054, declare that name of my father has been wrongly written as Pradeep Chand Katoch in my educational documents, Passport ,adhar card. The actual name of my father is Pardeep Chand, respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

It is for general information that I, AKEEL ANSARI S/o GAFFAR KHAN R/o House No. 10B/16A, Gali No. 2, Bajrangbali Mohalla Maujpur, Garhi Mendu, PO: Seelampur, Dist: North East Delhi, Delhi-110053, declare that name of mine has been wrongly written as AKIL in my minor son namely AADIL aged 15 years in his 10th class Educational Documents. The actual name of mine is AKEEL ANSARI, which may be amended accordingly.

NAME CORRECTION

I Sanjeev Juneja, S/o Raghu nath juneja, R/O B-20, first floor, East of kailash, New delhi 110065, Declare that, in pnb metlife policy number 23229280,my wife(Ananta juneja)'s father name was wrongly print as Sanjay juneja, whereas his right name is Krishan kumar Vadhera.

NAME CHANGE

I Vineeta Devi W/o Akash Kumar R/o H. No 30/5-B Hariom Gali Number 1. Babarpur Delhi 110032 inform that I have changed my name after marriage from Vineeta Singh to Vineeta Devi for all future purposes. Vineeta Devi and Vineeta Singh is same and one person

NAME CHANGE

I, SHRIMANTI SANADI is legally mother of No. JC-393530X Rank- NB SUB Name- BHAHUSAB Presently resident of VPO- SHIVANOOR, TEH-ATHANI, DIST- BELAGAVI (KARNATAKA)-591232 have changed my name from SHRIMANTI SANADI to SHRIMANTI KENCHAPPA SANADI for all Future Purposes. Vide Affidavit Dated 18/12/2025 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE

I hitherto known as JANNAT BI alias DARAKHSHA D/O MOHD AFTAB W/O SHAKEEL AHMAD R/O E-53, QUTUB MANZIL, SHAHEEN BAGH, ABUL FAZAL ENCLAVE-2, JAMIA NAGAR, OKHLA, NEW DELHI-110025, have changed my name and shall hereafter be known as DARAKHSHA.

NAME CHANGE

I Javed miya S/O Fakrudin ali ahmed R/O h.no-1/11956-C2 Uldhanpur naveen shahdara delhi 110032 changed my name to Javed

NAME CHANGE

I, PRINCE KUMAR SINGH S/O TUNTUN KUMAR SINGH R/O FLAT NO-002, 1ST FLOOR, HANUMAN VIHAR GALI NO-03, BAROLA SECTOR-49, NOIDA UTTAR PRADESH-201301. have changed my name to PRINCE KUMAR for all future purposes

NAME CHANGE

I NARESH S/O ANANT RAM SHARMA HOUSE NO-205 GANGA BLOCK G-2 SECTOR-D POCKET-6 VASANT KUNJ SOUTH WEST DELHI 110070 HAVE CHANGED MY NAME TO NARESH KUMAR

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Shourya Katoch S/O: Pardeep Chand R/O Quarters No 34, Police Station, Civil Lines, North Delhi, Delhi, 110054, declare that name of my father has been wrongly written as Pradeep Chand Katoch in my educational documents, Passport ,adhar card. The actual name of my father is Pardeep Chand, respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, hitherto known as Rakhi Tiwari W/O: Abhimanyu Tiwari, R/O C- 81, kewal park, azadpur, VTC: N.s. Mandi, PO: N.S. Mandi, Sub District: Model Town, District: North West Delhi, State: Delhi,110033, have change my name and shall hereafter be known as Ruby Tiwari .

NAME CHANGE

I hitherto known as Rajendra S/O Thakur Das, R/O H.No. - E -115, Near rajdhani Public School, Nehru Vihar, Timar pur, North Delhi, Delhi -110054, have change my name and shall hereafter be known as Raj Wadhwani.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Hemant Indoriya S/O: Jitendra Indoriya, 3-A/B -12A, DHAWAL GIRI APARTMENT, SECTOR -34, NOIDA, Gautam Buddha Nagar, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh, 201301, declare that name of mine, my father and my Mother have been wrongly written as Hemant Sharma, Jitendra Sharma and Bindu Sharma in my 10th and 12th class educational documents. The actual name of mine,my father and my Mother are HEMANT INDORIYA, JITENDRA INDORIYA AND BINDU INDORIYA,respectively which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

Public at large is hereby informed that my client Smt. Kamlesh Paliwal W/o Late Srikrishana Paliwal, D8-29 DDA Golflink welfare society Dwarka 238 New Delhi 110077 disowned and severed all relationship with her daughter Mrs. Shilpi Paliwal W/o Pramod Paliwal from her all movable and immovable properties because of his misbehavior & misconduct and his nature of being disobedient. Any person dealing and relation with them in and manner shell be at their own risk, cost & consequences and my client shall not be responsible for any deed.

SHWETA PALIWAL (Advocate)
231, Lawyers Block, Saket Court
New Delhi-110017

PUBLIC NOTICE

It is hereby informed that my client namely Mr. Naresh Kumar s/o Late Sh. Jagdish Prasad R/o H No. 155, Binda Pur Road, Prajapati Colony Uttam Nagar New Delhi-110059, disowned his son namely HARIOM from their all moveable and immoveable properties and have also severed all their social relationship from him due to his disobedient behavior and misconduct and went out of control of my client. If anybody deals with them in any respect, he/she himself/herself shall be responsible for own risks, cost and consequences. My client and his/her other family members shall not be liable for his/her conduct and responsibility for the same in any manner whatsoever in future

Rakesh Gola Advocate
Chamber No 435, Dwarka Court
Complex Sec-10, New Delhi-110075

NAME CHANGE

I, KAMLESH KUMARI is legally Wife of No. GO-005501K Rank-CDM Name-SUNDER LAL Presently resident of SONHA (BHIM NAGAR), WARD NO-21, NEAR CHANDER DAIRY, DISTT-GURUGRAM, (HARYANA)-122103 have changed my name from KAMLESH KUMARI to KAMLESH for all future purposes. Vide affidavit dated 17.12.2025 before Sub Division Magistrate Delhi.

NAME CHANGE

I, ASHUTOSH DAS is a real father of No. 18008957H Rank SPR Name PULAKESH DAS Unit-DGRE,RDC, MANALI PIN-175103 presently residing VILL -TAJPUR DAKSHINBAR, POST-GOPAL CHAK, DIST-EAST MEDINIPUR, TEH-CONTAI, PS-RAMNAGAR, (WEST BANGAL)-721423, have changed my date of birth from 01/01/1963 to 01/01/1955 for all future purposes. Vide affidavit dated 17.12.2025 before Sub Division Magistrate Delhi.

NAME CHANGE

I MOHAMMAD JAWED S/O MD. UNUSH MIYAN R/O PLOT NO - 19 FIRST FLOOR J-BLOCK CHANAKYA PLACE PART-1 UTTAM NAGAR DELHI -110059, I have changed my name to MD JAVED Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I MOHAMMAD YONUS S/O MD HANIF R/O GRAM - SONPURA POST ARANDI, THANA - MESKAUR BAROSAR, NAWADA BIHAR 805129, I have changed my name to MD. UNUSH MIYAN Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I, NO-15702555Y, Rank-HAV Name-RATHEESH R residing at LEKSHMI BHAVAN, PERUMON, PERINAD, KOLLAM, KERALA-691601, have changed my mother's name from LETHIKA KUMARI AMMA to LETHIKA KUMARI AMMA K for all future purposes vide Affidavit dated 18/12/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, Avtar Singh Ajner Singh Dindaria S/o Ajmer Singh Karan Singh Dindaria, R/o Barauli P.O. Barula, Kuldeep Nagar, Ambala - 133001, Haryana have changed my name to Avtar Singh Ajmer Singh Dindaria for all intends and purposes.

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती मीनाक्षी शर्मा एवं श्री देवेंद्र शर्मा, निर्मित संपत्ति संख्या G-1/1187, जो प्लॉट संख्या 20 पर स्थित है, क्षेत्रफल 96 वर्ग गज, खसरा संख्या 282 में से, ग्राम चंद्रावली के क्षेत्र में, मानसरोवर पार्क की आबादी में, शाहदरा, दिल्ली-110032 में स्थित, को श्री छोटे लाल शर्मा से क्रय करने का इरादा रखते हैं। संपत्ति के प्रारंभिक स्वामी श्री शांति नारायण एवं श्री प्रकाश नारायण थे, जिन्होंने उक्त संपत्ति को दिनांक 24.04.1972 की बिक्री विलेख के माध्यम से श्रीमती खजानी देवी को विक्रय किया। तत्पश्चात, उन्होंने दिनांक 31.07.1974 की पंजीकृत सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी के माध्यम से संपत्ति को श्री छोटे लाल एवं श्री ज्योति राम को हस्तांतरित किया। इसके पश्चात, श्री ज्योति राम ने दिनांक 07.10.1982 की सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी के माध्यम से संपत्ति में अपनी ड्ड अविभाजित हिस्सेदारी श्री छोटे लाल को हस्तांतरित कर दी। कृपया यह भी अवगत कराया जाता है कि संपत्ति से संबंधित मूल दस्तावेजों की श्रृंखला में से एक दस्तावेज, अर्थात् बिक्री विलेख (दस्तावेज संख्या 5164, पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 567, पृष्ठ संख्या 180ड्ड181, दिनांक 24.04.1972), जो एसआर-सीलमपुर, दिल्ली में पंजीकृत था, खो गया है। उक्त दस्तावेज की गुमशुदगी के संबंध में शाहदरा/क्राइम ब्रांच, दिल्ली में दिनांक 17.12.2025 को ऑनलाइन एफआईआर (लॉस्ट रिपोर्ट संख्या 3434633/2025) दर्ज कराई गई है। कृपया यह भी नोट करें कि उक्त संपत्ति वर्तमान में शिवालिक स्मॉल फाइनेंस बैंक, नोएडा शाखा, उत्तर प्रदेश के साथ बंधक (Mortgage) की जा रही है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

NAME CHANGE

It is for general information that I, DEV SINGH BHALSE S/O JAGDISH BALSE R/O JHUGGI NO. 104, SITUATED AT SHAYAMA PRASAND, MUKHERJEE CAMP, TAGORE GARDEN, PO: TAGORE GARDEN, DIST: WEST DELHI, DELHI-110027, declare that name of mine, my wife and my daughter has been wrongly written as DEV SINGH, SUNITA and RADHIKA in my minor daughter RADHIKA BHALSE aged14 years in her School Record and birth certificate-MCDOLIR-0111-004702631. The actual name of mine, my wife and my daughter are DEV SINGH BHALSE, SUNITA BHALSE and RADHIKA BHALSE respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, NARENDRA SINGH S/O MANGAL SINGH R/O H NO-1/324, DAKSHIN PURI EXTN NEW DELHI-110062. have changed my name to NARENDER SINGH for all future purposes.

NAME CHANGE

I, NAVEEN S/O RAJBIR SINGH R/O TAJA MAJRA(95), ROHTAK, HARYANA-124001 HAVE CHANGED MY NAME TO NAVEEN RATHEE.

PUBLIC NOTICE

SMT. GIRJA DEVI alias GIRIJA DEVI W/o Shri Amar Nath Thakur R/o 355/D, Ravidas Gali, Ambedkar Marg, Mandawali, Delhi-110092, have lost my ATS and will, Regd. as Doc. No.12176, Book No.4, Vol. No.9846, on Pages 15 to 18, on dated 12.07.2005, in the office of Sub-Registrar-IV, Delhi. Finder contact no- 9310582962

PUBLIC NOTICE

I Manoj Kumar Alias Manoj Kumar Singhal S/o Late Shri Fakir Chand R/o X/1208, Chand Mohalla, Gandhi Nagar, East Delhi, Delhi-110031 have lost my Sale Deed, Will deed and all other documents Regd. no. 3747, Book no 1, Vol. no. 1659, Page no - 93 to 100, Dated 1.04.2005 Regd on Sub Registrar VIII New delhi Finder contact no- 8368833638

NAME CHANGE

I, SATENDRA BHARDWAJ S/o Ashok Kumar Bhardwaj R/o H.No.525/1, Gali No. A2, G.T Road, Village Khera, Shahdara, Delhi-110095, have changed my name to SATENDER BHARDWAJ permanently

NAME CHANGE

It is for general information that I, ASIFA D/o JABIR, W/o ASIF R/o F-2/349, Sunder Nagri, Nand Nagri, Delhi-110093, declare that name of my father and my mother have been wrongly written as MOHD ZAVED and SHEHNAZ in all educational documents. The actual name of my father and my mother are JABIR and SHAHNAZ.

NAME CHANGE

I, Sheeba Rani W/o Shadab R/o 2144/50, Ahata Mir Bukhari Turkman Gate, Delhi-110006 have changed my name to Sheeba.

NAME CHANGE

I, MOHD KAMIL KHAN S/O M U KHAN R/O S-13/6, JOGABAI EXT, JAMIA NAGAR, NEW DELHI-110025 have changed the name of my minor son MOHAMMAD YAYHA KAMIL KHAN (Aged 7 years) and he shall hereafter be known as MOHD YAHYA KHAN for all purpose.

NAME CHANGE

I MIRZA MOIN UDDIN BEG S/O MIRZA RAZIUDDIN BEG RESIDING AT HOUSE NO. 3305-3306 FARHATULLAH GALI KUCHA PANDIT LAL KUAN DELHI 110006 HAVE CHANGED MY NAME FROM MIRZA MOIN UDDIN BEG TO MIRZA MOINUDDIN BEG FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE

I, AAYUSH S/o Sanjay Dahiya R/o RZ-27, X-Block, New Roshanpura, Najafgarh, Delhi-110043, have changed my name to AAYUSH DAHIYA permanently

NAME CHANGE

I, Paramjit Kaur W/o Raj Kumar Mujral R/o H. No.8, Street No.2, Maksudabad Ext. Najafgarh, New Delhi-110043, have changed my name to Paramjeet Kaur for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Raj Kumar S/o Ghamandi Lal R/o H. No. 8, Street No.2, Maksudabad Ext. Najafgarh, New Delhi-110043, have changed my name to Raj Kumar Mujral for all future purposes.

NAME CHANGE

I, hitherto known as RAVITA SADH alias RAVITA KUMARI W/O PRAVIN KUMAR SADH R/O C-180 Lajpat Nagar-1 Vtc: Lajpat Nagar-1 District: South Delhi Delhi-110024 have changed my name and shall hereafter be known as RAVITAKUMARI P. SADH.

NAME CHANGE

I, hitherto known as PRAVIN KUMAR alias PRAVIN SADH S/O JAWAHARLAL SADH R/O C-180 Lajpat Nagar-1 Vtc: Lajpat Nagar-1 District: South Delhi Delhi-110024 have changed my name and shall hereafter be known as PRAVIN KUMAR SADH.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, MOHAMMAD NADEEM S/O ASHFAQUE AHMED R/O LOPATTI, PHUNGUNI, PO-MIRGANJ, GOPALGANJ, BIHAR-841438, declare that name of my father has been mistakenly written as ASHFAQUE AHMAD, in my (Passport-H9774310). The actual name of my father is ASHFAQUE AHMED written in all my other document which maybe amended accordingly

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, MOHAMMAD NADEEM S/O ASHFAQUE AHMED R/O LOPATTI, PHUNGUNI, PO-MIRGANJ, GOPALGANJ, BIHAR-841438, declare that name of my mother has been mistakenly written as SHAHJAHAN KHATOON, in my (Passport- H9774310). The actual name of my mother is SHAHAJAHAN KAHTOON written in all my other document which maybe amended accordingly.

NAME CHANGE

I SHAZIA NAAZ W/O MOHD SHAHAN R/O 2414 GALI GUDARYAN TURKMAN GATE DELHI 110006 HAVE CHANGED MY NAME TO SHAZIA

NAME CHANGE

I JAITOON BEGUM W/O MANJOOR ALI R/O 2414 GALI GUDARYAN TURKMAN GATE DELHI 110006 HAVE CHANGED MY NAME TO JAITOON

NAME CHANGE

I JAMEEL S/O MANJOOR ALI HOUSE NO-H-113 GALI NO-2 NEAR POLICE CHOWKI SHAHEED NAGAR CHIKAMBERPUR GHAZIABAD -201006 HAVE CHANGED MY NAME TO JAMIL CHAUDHARY

NAME CHANGE

I, Sarita W/o Ajit Chandela R/o Near Rama Doors By Paas Road, Village Baroli Sector-7, Faridabad-121006, Haryana have changed my name to Sarita Chandela for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Deepshikha Kataria W/o Vishesh Kumar R/o F1-45, Block-F, Cluster-1, DDA Flats, E1 , Vasant Kunj, South West Delhi-110070, have changed my name to Deepshikha for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Bhupender Singh S/o Mahipal Singh R/o House No.161, Gali No.1, Arya Nagar, Ballabhgarh, Faridabad-121004, Haryana have changed my name to Bhupender Singh Rajawat for all future purposes

NAME CHANGE

I, HASIM S/O FAJAL KAREEM R/o PLOT NO 40 1ST FLOOR GALI NO 10 DEVILAL NAGAR BEHIND SULTAN KI KHOTI GURGAON HARYANA-122001 I HAVE CHANGED MY NAME TO MOH HASIM FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE

I, RAJU SHOKEEN S/O CHATTER SHOKEEN R/O HOUSE NO-100, B-BLOCK, DINDARPUR, NAJAFGARH, DWARKA, DELHI-110043,HAVE CHANGED MY MINOR DAUGHTER NAME SARIKA TO SARIKA SHOKEEN FOR ALL PURPOSES

NAME CHANGE

I, BALWANT REHAL S/O BALBIR SINGH REHAL R/O H NO-A-17, NIRMAN VIHAR SHAKAR PUR, BARAMAD DELHI-110092. have changed my name to BALWANT SINGH for all future purposes.

NAME CHANGE

I, HARMAN S REHAL S/O BALWANT SINGH R/O H NO-A-17, NIRMAN VIHAR SHAKAR PUR, BARAMAD DELHI-110092. have changed my name to HARMAN SINGH for all future purposes.

NAME CHANGE

I, VIDYASHREE GANIGER wife of No-4581142W, Rank-NK, Name-ANIL KUMAR GANIGER, residing at-DULAPPA GANIGER, H NO-430, WARD NO 05, TENGINAMATH BASAV, BANK ROAD BAGALKOT, KARNATAKA-587101, have changed my name from VIDYASHREE GANIGER to VIDYASHREE DUNDAPPA MALAKAI for all future purposes vide Affidavit dated 18/12/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

It is for general information SUMIT CHAURASIYA S/O RADHEY SHYAM R/O KH-NO-4/6/7/8, Street No-4 C-Block, Tomar Colony, Burari, North Delhi, Delhi-110084 declare that name of my father has been wrongly written as RADHEY SHYAM CHAURASIYA in my OBC Caste Certificate No-90500000129952 and all educational documents.The actual name of my father is RADHEY SHYAM which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I LALAN SINGH S/O RAJENDRA SINGH R/O H NO-2362 GALI NO-30 SANJAY COLONY SECTOR-23 FARIDABAD HARYANA-121005 have changed my name to LALLAN SINGH for all future purpose.

NAME CHANGE

It is for general information that I, ABHAY VIJAY CHAUHAN S/o VIJAY LAXMAN CHAUHAN, presently residing at Q NO-185, BLOCK NO-12, HANUMAN ROAD, BANGLA SAHIB GURUDWARA, NEW DELHI-110001, declare that name of mine has been wrongly written as ABHAY SINGH CHAUHAN in my minor son RONAV SINGH CHAUHAN, aged 14 years in his School Records. The actual name of mine is ABHAY VIJAY CHAUHAN, which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in the connection

NAME CHANGE
DATE OF BIRTH CHANGE

I, ASHA DEVI mother of No.-15756034Y, Rank - SIGMN, Name - RAJKUMAR YADAV residing at VILL-JAYCHHAPRA, PO-BAHUARA, TEHSIL-BAIRIA, DIST-BALLIA, UTTAR PRADESH-277216, have changed my name from ASHA DEVI to PANNA DEVI for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 05/04/1960 instead of my correct date of birth as 01/01/1970 Vide Affidavit dated 18/12/2025 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I hitherto known as SANGEET NAUTIYAL W/o VINOD KUMAR NOTIYAL R/o I-116B, Lajpat Nagar Sahibabad, Ghaziabad, Paswada Hapur, Uttar Pradesh-201005, have changed my name and shall hereafter be known as SANGEETA NAUTIYAL, for all future purposes.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I RAJIV KUMAR S/O MAHENDRA THAKUR R/O PLOT NO. 31-A, DARIYA COLONY, RANHOLLA, NANGLOI, WEST DELHI-110041 declare that name of mine has been wrongly written as Rajeev Kumar in my minor daughter namely Himangi kumari aged 12 years in her school records .The actual name of mine is Rajiv kumar, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I Shahza begum d/o Faejul Hassan R/o F-649/22 chand bagh colony, brijpuri, Delhi 110094 have changed my name to Shahjahan

NAME CHANGE

I, D KALEESWARI Wife of No-15780221W Rank-HAV Name-BALAMURUGAN C Presently residing at 5/151D, MOOKKAIYAKAVUNDANPUR, NALLAMANARKOTTAI, DINDIGUL, TAMIL NADU-624005, have changed my name from D KALEESWARI to KALEESWARI B for all future purposes vide Affidavit dated 18/12/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, KRISHNA DEO ROY Father of No.– 4283033K, Rank - HAV, Name – RAJ KISHORE ROY residing at VILL-BUCHCHAMAN, PO-BUSUDEVPUR BIRA, TEHSIL-BASUDEVPUR, DIST-DARBHANGA, BIHAR-846005, have changed my name from KRISHNA DEO ROY to KRISHNDEV YADAV for all future purposes, Vide Affidavit dated 18/12/2025 before Notary Public Delhi

NAME CHANGE

I, SHIV SAGER DEVI mother of No.– 4283033K, Rank - HAV, Name – RAJ KISHORE ROY residing at VILL-BUCHCHAMAN, PO-BUSUDEVPUR BIRA, TEHSIL-BASUDEVPUR, DIST-DARBHANGA, BIHAR-846005, have changed my name from SHIV SAGER DEVI to SHIV SAGAR DEVI for all future purposes, Vide Affidavit dated 18/12/2025 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, No.– 4283033K, Rank - HAV, Name – RAJ KISHORE ROY legal father of SHIWANI KUMARI residing at VILL-BUCHCHAMAN, PO-BUSUDEVPUR BIRA, TEHSIL-BASUDEVPUR, DIST-DARBHANGA, BIHAR-846005, have changed my minor daughter's name from SHIWANI KUMARI to SHIVANI KUMARI for all future purposes vide affidavit dated 18/12/2025 Before Notary Public, Delhi.

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हरियाणा विधानसभा का शीतकालीन सत्र 22 दिसंबर तक चलेगा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा का शीतकालीन सत्र शुरू होने जा रहा है। विधानसभा सत्र की कार्यवाही 22 दिसंबर तक चलेगी। यह फैसला विधान सभा की कार्य सलाहकार समिति की बैठक विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिया गया। इस दौरान सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि हरियाणा विधान सभा का शीतकालीन सत्र 18 दिसंबर से प्रारम्भ होकर 22 दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा। इस दौरान कुल 3 बैठकें होंगी। 20 और 21 दिसंबर को अवकाश रहेगा। सत्र में महत्वपूर्ण विधायी एवं जनहित से जुड़े विषयों पर चर्चा की जाएगी। बैठक में मुख्यमंत्री नायब सिंह, ऊर्जा मंत्री अनिल विज, संसदीय कार्य मंत्री महिपाल ढांडा, सामाजिक न्याय, सशक्तिकरण, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण तथा अंत्योदय (सेवा) मंत्री कृष्ण कुमार, नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा तथा विधायक गीता भुक्कल उपस्थित रहे। बैठक में विशेष आमंत्रित के रूप में विधान सभा उपाध्यक्ष डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा तथा विधायक सावित्री जिंदल भी शामिल हुईं।कार्य सलाहकार समिति की बैठक में सत्र को सुचारू, सार्थक एवं जनहितकारी बनाने के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं एवं कार्य संचालन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर भी चर्चा की गई।

पलवल में आरक्षित वन से सरसों और गेहूं की अवैध बिजाई की गई नष्ट

पलवल। जिला उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने जानकारी देते हुए बताया कि हरियाणा वन विभाग के पलवल मण्डल की टीम द्वारा सुल्तानपुर स्थित आरक्षित वन में अवैध रूप से की गई सरसों और गेहूं की बिजाई को निशानदेही उपरांत नष्ट कर दिया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि सुल्तानपुर में यमुना नदी के दोनों तरफ 343 एकड़ में फैला हुआ पलवल जिले का एकमात्र आरक्षित वन है, जहां किसी भी प्रकार का गैर वानिकी कार्य पूर्णतया प्रतिबंधित है। उन्होंने एक्यूआई पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि वन संरक्षण और संवर्धन से ही हवा की गुणवत्ता सुधारने में उत्प्रेरक सिद्ध होंगे और ऐसे अतिक्रमण, पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैं। वन अधिनियमों की उल्लंघना करने वालों के विरुद्ध विभाग द्वारा समय समय पर इसी प्रकार की सख्त कार्यवाही जारी रहेगी। उपायुक्त ने बताया कि मानसून के उपरांत यमुना का जलस्तर कम होने से रिक्त हुए क्षेत्र में स्थानीय लोगों द्वारा जमीन का अवैध लाभ लेने के लिए सरसों और गेहूं की बिजाई की गई थी। जिला वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि उक्त वन क्षेत्र भारतीय वन अधिनियम 1927 के तहत एक आरक्षित वन घोषित है ,जिसमें कई प्रजातियों के पेड़ पौधों के अलावा कई प्रकार के वन्य प्राणी निवास करते है। वन विभाग के अधिकारियों ने वन क्षेत्र की सीमा की निशानदेही उपरांत वन भूमि पर बोई उपज को नष्ट कर दिया है। जिस क्षेत्र में गेहूं की बिजाई की गई थी।

निगम ने चार दिनों में की 61 बकायेदारों की संपत्ति सील

फरीदाबाद। नगर निगम फरीदाबाद की ओर से बकायेदारों के विरुद्ध मेगा सीलिंग ड्राइव के तहत लगातार सख्त कार्रवाई जारी है। निगम की अतिरिक्त आयुक्त सलोनी शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि 12 दिसंबर से 15 दिसंबर 2025 तक चलाए गए अभियान के दौरान नगर निगम के विभिन्न जोनों में निर्धारित लक्ष्यों के सापेक्ष सीलिंग की कार्रवाई की गई, जिन्हें पहले ही नोटिस दिए गए थे। निगम द्वारा एक लाख से ज्यादा के प्रॉपर्टी टैक्स वाले प्रॉपर्टी धारकों पर कार्रवाई जारी है। जबकि कुछ बकायादारों से निगम कि टीम द्वारा लगभग 29 लाख 31 हजार से ज्यादा की राशि निगम खाते में रिकवरी के रूप में जमा कराई है। जोनवार विवरण के अनुसार एनआईटी, ओल्ड जोन और बल्लभगढ़ जोन में कार्रवाई की गई है। निगम का उद्देश्य बकाया राजस्व की वसूली सुनिश्चित करना तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कदम उठाना है। अतिरिक्त आयुक्त सलोनी शर्मा ने स्पष्ट किया कि नगर निगम की यह कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी। उन्होंने संपत्ति मालिकों से अपील की कि वे समय रहते अपने बकाया करों का भुगतान करें, ताकि किसी भी प्रकार की सीलिंग या दंडात्मक कार्रवाई से बचा जा सके। नगर निगम फरीदाबाद शहर को व्यवस्थित, स्वच्छ और राजस्व के मामले में सुदृढ़ बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

महिला रोगी के शरीर से निकाला 15 किलो का फाइब्रॉइड ट्यूमर

फरीदाबाद। फरीदाबाद के चिकित्सा इतिहास में वरिष्ठ कैंसर सर्जन डॉ. अर्जुन और उनकी उच्च-विशेषज्ञता प्राप्त टीम ने एक युवा महिला रोगी के शरीर से सफलतापूर्वक 15.3 किलोग्राम वजन का एक दैत्याकार फाइब्रॉइड ट्यूमर निकालने में सफलता हासिल की है। यह ट्यूमर, था। इसे सबसे बड़े फाइब्रॉइड ट्यूमरों में से एक माना जा रहा है। यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह फरीदाबाद में इस तरह की पहली जटिल सर्जरी है और देश भर में की गई सबसे बड़ी फाइब्रॉइड सर्जरियों में से यह तीसरी है। क्रॉउड नाइन हस्पिटल के वरिष्ठ सर्जन डॉ. अर्जुन ने ऑपरेशन के बाद बताया, यह मामला अत्यंत जटिल और जोखिम भरा था। 15.3 किलोग्राम का फाइब्रॉइड रोगी के आंतरिक अंगों पर भारी दबाव डाल रहा था, जिससे जीवन को खतरा हो सकता था। इतने बड़े आकार और वजन के ट्यूमर को हटाते समय अत्यधिक रक्तस्राव और आस-पास के महत्वपूर्ण अंगों को क्षति पहुंचने की आशंका रहती है। हमारी टीम ने गहन योजना और अत्याधुनिक सर्जिकल तकनीकों का उपयोग करते हुए, बिना किसी बड़ी जटिलता के, इस विशाल द्रव्यमान को सफलतापूर्वक हटा दिया।

हांसी हरियाणा का 23वां जिला, विधानसभा सत्र से पहले कैबिनेट की मंजूरी

- हांसी और नारनौंद विधानसभा क्षेत्रों के 110 गांव होंगे शामिल
- जिले में 2 उपमंडल, 3 तहसील, 1 उप-तहसील और 3 ब्लॉक होंगे

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा कैबिनेट की आज यहां मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में रात हुई मंत्रिमंडल की बैठक में हांसी को नया जिला बनाने की मंजूरी प्रदान की गई। इस निर्णय के साथ ही हांसी हरियाणा राज्य का 23वां जिला होगा।

विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार की अध्यक्षता में गठित राज्य पुनर्गठन समिति ने 9 दिसंबर, 2025 को आयोजित अपनी बैठक में जिला हांसी के गठन को स्वीकृति देते हुए इसकी सिफारिश की थी, जिसे बाद में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा मंजूरी प्रदान की गई। प्रस्तावित जिला हांसी में हांसी और नारनौंद विधानसभा क्षेत्रों के कुल 110 गांव शामिल किए जाएंगे, जो वर्तमान में हिसार जिले का हिस्सा हैं। नए जिले में दो उपमंडल होंगे–हांसी

और नारनौंद–जिन्हें हिसार जिले से पृथक किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, प्रस्तावित जिले में तीन तहसीलें–हांसी, नारनौंद और बास–तथा एक उप-तहसील, खेड़ी जालब शामिल होगी। जिले में तीन ब्लॉक हांसी-1, हांसी-2 और नारनौंद भी होंगे। प्रस्तावित जिला हांसी का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल लगभग 1,34,976 हेक्टेयर होगा तथा इसकी अनुमानित जनसंख्या लगभग 5,40,994 होगी। जिला हांसी के गठन के साथ ही हरियाणा में जिलों की कुल संख्या बढ़कर 23 हो जाएगी।

एमडीयू में दो गुटो में खूनी संघर्ष,गाड़ी से युवकों को कुचलने का प्रयास

ज्योति दर्पण

रोहतक। एमडीयू में दो गुटो में जमकर विवाद हो गया और गाडी से भी कुछ युवकों को कुचलने का प्रयास किया गया, लेकिन युवक बाल बाल बच गए और बाद में युवकों द्वारा गाड़ी पर पथराव भी किया गया। गाड़ी चालक मौके से फरार हो गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ। एमडीयू में इस घटना को लेकर छात्रों की सुरक्षा पर भी सवाल उठ गए है। वहीं एमडीयू प्रशासन ने पूरे मामले की जांच के आदेश दिए है। साथ ही पुलिस भी मामले की जांच में जुटी है। इससे पहले भी एमडीयू में कई बार युवकों में आपस में झगडे हो चुके है और ज्यादातर युवक आउसाइटर मिलते है। एमडीयू में बाहरी युवकों का भी आना जाना लगा रहता है। छात्र संगठन कई बार विश्वविद्यालय में बाहरी युवकों के प्रवेश पर रोक लगाने की मांग को लेकर धरने प्रदर्शन भी कर चुके है। दरअसल सोशल मीडिया पर एक वीडियों तेजी से वायरल हो रहा है, जोकि महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के ब्यॉज हास्टल के बाहर का बताया जा रहा है। इस वीडियों में ब्लैक कलर की स्कार्पियों गाडी द्वारा कुछ

युवकों को कुचलने की कोशिश की गई, लेकिन युवक बाल बाल बच गए और बाद में युवकों ने गाड़ी पर पथराव किया और लाठी बरसाई। इसके बाद गाड़ी सवार फरार हो गए। बताया जा रहा है कि आपसी विवाद के चलते गाड़ी सवार युवकों ने यह हमला किया है। एमडीयू प्रशासन भी मामले की जांच में जुटा है। वहीं एमडीयू प्रशासन का कहना है कि छात्रों की सुरक्षा उनकी पहली प्राथमिकता है और सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए है। इस मामले की जांच करवाई जा रही है और जो भी दोषी मिलेगा उसके खिलाफ सख्त कारवाई अमल में लाई जाएगी।

पलवल के पातली खुर्द में बनेगा लुवास का पशु विज्ञान केंद्र

एजेंसी

हिसार। यहां के लाला लाजपत राय पशु-चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय की ओर से जिला पलवल के गांव पातली खुर्द में हरियाणा पशु विज्ञान केंद्र (एचपीवीके) की स्थापना की जाएगा। इस महत्वपूर्ण पहल के अंतर्गत ग्राम पंचायत पातली राष्ट्रीय समाचार खुर्द, खण्ड पृथला की ओर से 60 कनाल व 16 मरला भूमि लुवास को 33 वर्षों की अवधि के लिए लीज पर प्रदान की गई है।इस लीज प्रक्रिया को छात्र कल्याण निदेशक एवं सम्पदा अधिकारी डॉ. संदीप गुप्ता, ग्राम पंचायत पातली खुर्द की सरपंच श्रीमती रेखा, राजबीर नंबरदार तथा पशु विज्ञान केंद्र पलवल से डॉ. रेखा दहिया की उपस्थिति में विधिवत रूप से संपन्न किया गया।

ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं : प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली

एजेंसी

सोनीपत। राजकीय विद्यालय बड़ौली में वार्षिक उत्सव में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली ने बतौर मुख्य अतिथि कहा कि शिक्षा, खेल व संस्कारों से ही मजबूत होता है राष्ट्र का भविष्य है। विद्यार्थियों, अभिभावकों और ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी से विद्यालय परिसर उत्सवमय दिखाई दी। मुख्य अतिथि ने बड़ौली ने कहा कि बड़ौली गांव के बच्चे शिक्षा, खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों में निरंतर प्रगति कर रहे हैं, जो पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने यह भी कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, आवश्यकता केवल उचित मार्गदर्शन, अवसर और सकारात्मक वातावरण की होती है। प्रदेशाध्यक्ष ने विद्यार्थियों को मेहनत, अनुशासन और समर्पण का महत्व समझाते हुए कहा कि यही सफलता की वास्तविक कुंजी है। लक्ष्य के प्रति

ईमानदार प्रयास करने वाले युवा किसी भी चुनौती को पार कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा अपने प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के लिए देशभर में पहचान बना चुका है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार खेलों को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर ठोस कदम उठा रही है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, देशभक्ति गीत, नृत्य और रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिन्हें दर्शकों ने सराहा। इस अवसर पर मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष अशोक भारद्वाज, जिला महामंत्री तरुण देवीदास, नीरज ठरू, हरदीप सिंह, विद्यालय स्टाफ और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इसके अलावा इभाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने अपने पैतृक गांव बडौली में खेतों तक जाने वाले मार्गो का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि किसानों की सुविधा तथा ग्रामीण आधारभूत संरचना का सुदृढ़ीकरण नायब सिंह सैनी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

खेतों तक सुगम मार्गो के निर्माण से किसानों को आवागमन में सुविधा मिलेगी, कृषि कार्यों में समय व लागत की बचत होगी तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

सीएम ने किसानों को परेशान करने वाले पैक्स प्रबंधक के खिलाफ दिए जांच के आदेश

एजेंसी

गुरुग्राम। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जनसेवा को शासन की मूल भावना बताते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यालयों में शिकायत लेकर आने वाला हर नागरिक सम्मान और संतोष के साथ लौटे। जनसमस्याओं का त्वरित, पारदर्शी और संवेदनशील निवारण करना केवल प्रशासनिक दायित्व नहीं, बल्कि एक नैतिक जिम्मेदारी भी है, जिसे सर्वोच्च प्राथमिकता पर निभाया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री गुरुग्राम में जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में कुल 16 परिवाद रखे गए, जिनमें से मुख्यमंत्री ने 12 का मौके पर ही निपटारा किया, जबकि चार मामलों को आगामी बैठक तक लंबित रखने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन लंबित मामलों की स्टेटस रिपोर्ट अगली बैठक में प्रस्तुत करें। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पटौदी क्षेत्र के छिल्लरकी गांव एक शिकायत पर संज्ञान लेते हुए जाटौली मंडी

पैक्स के मैनेजर के खिलाफ जांच के निर्देश दिए। शिकायतकर्ता ने बताया कि मैनेजर की कार्यशैली के कारण किसानों को खाद प्राप्त करने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। किसानों के साथ उसका व्यवहार भी संतोषजनक नहीं है। इसके अलावा खाद वितरण में मनमानी किए जाने के आरोप भी लगाए गए। मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर रिपोर्ट जिला उपायुक्त के समक्ष शीघ्र प्रस्तुत की जाए। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री के समक्ष धनवापुर रेलवे अंडरपास में जल रिसाव एवं उससे उत्पन्न जलभराव के कारण राहगीरों को हो रही परेशानियों का मामला रखा गया। इस पर मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि अंडरपास का रिपेयर कार्य आगामी 15 दिनों के भीतर पूर्ण कर आमजन के लिए सुगम और सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि भविष्य में इस प्रकार की समस्या दोबारा उत्पन्न न हो, ताकि आम नागरिकों को किसी भी तरह की असुविधा का सामना न करना पड़े। मुख्यमंत्री ने नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहर में कहीं भी सीवर के ढक्कन टूटे हुए न हों और न ही किसी स्थान पर सीवर ओवरफ्लो की स्थिति बने। उन्होंने कहा कि सीवर प्रणाली की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए, ताकि आमजन को किसी भी प्रकार की असुविधा या दुर्घटना का सामना न करना पड़े। मुख्यमंत्री ने नगर निगम के अधिकारियों को शहर में स्वच्छता के स्तर को और बेहतर बनाने के लिए आवश्यक और प्रभावी कदम उठाने के निर्देश भी दिए।

किसानों ने विधायकों को सौंपे ज्ञापन

एजेंसी

सिरसा। भारतीय किसान एकता (बीकेई) ने हरियाणा किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा के आह्वान पर किसानों की मांगों को विधानसभा में उठाने लेकर कालांवाली के विधायक शीशपाल केहरवाला, रानियां के विधायक अर्जुन चौटाला व डबवाली के विधायक आदित्य देवीलाल को ज्ञापन सौंपा। बीकेई प्रधान लखविंद्र सिंह ने बताया कि हरियाणा किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा से जुड़ी हुई सभी किसान जत्थेबंदियों ने किसानों व मजदूरों की ज्वलंत मांगों का ज्ञापन सौंपा है। किसानों की विधायकों व हरियाणा सरकार से अपील है कि हमारी मांगों का हल किया जाए, अगर हमारी मांगों का कोई समाधान नहीं होता है तो मजबूरन मोर्चे को 23 फरवरी 2026 से कुरुक्षेत्र मुख्यमंत्री आवास पर पड़ाव डालना पड़ेगा। इसकी जिम्मेदार हरियाणा सरकार होगी। किसान मजदूर संपूर्ण

कर्जा माफी, एमएसपी पर फसलों की खरीद की गारंटी, स्वामीनाथन आयोग सी 2+50 के तहत फसलों के भाव, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में सुधार, खराब हुई फसलों का पूरा मुआवजा, क्योंकि खरीफ -2025 में खराब हुई फसलों का किसानों ने आवेदन किया था, जिसमें से मात्र 10 प्रतिशत किसानों को मुआवजा जारी किया गया है। सभी आवेदनकर्ताओं को तुरंत प्रभाव से मुआवजा जारी किया जाए, ट्रैक्टर की बढ़ी हुई रजिस्ट्रेशन फीस वापस ली जाए, गाडियों पर 10-12 साल वाला प्रतिबंध हटाया जाए इत्यादि मांगों को लेकर आज किसान लामबंद हुए और पूरे हरियाणा में अपने अपने विधानसभा क्षेत्र में विधायकों को मांग पत्र सौंपे।

हरियाणा सरकार ने नए डीजीपी के लिए यूपीएससी को भेजा पैनल

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में नए पुलिस महानिदेशक की तैनाती की प्रक्रिया शुरू हो गई है। हरियाणा सरकार ने पांच आईपीएस अधिकारियों के नाम यूपीएससी को भेजे हैं। हरियाणा सरकार द्वारा भेजे गए पैनल में शत्रुजीत कपूर, एसके जैन, आलोक मित्तल, अजय सिंघल और एएस चावला शामिल हैं। नियमानुसार यूपीएससी पैनल में से तीन अफसरों के नाम हरियाणा सरकार को भेजेगी। सरकार इन तीन अधिकारियों में से किसी एक को पुलिस महानिदेशक की जिम्मेदारी देगी। इस संबंध में निर्णय के लिए अगले सप्ताह यूपीएससी बैठक बुला सकता है। बैठक में सरकार के मुख्य सचिव व गृह सचिव भी शामिल होंगी। यह दूसरा अवसर पर है जब सरकार की तरफ से डीजीपी के पैनल को भेजा गया है। इस महीने की शुरुआत में सरकार ने यूपीएससी को पैनल भेजा था मगर यूपीएससी ने पैनल को खारिज कर दिया था। यूपीएससी का कहना था कि हरियाणा में डीजीपी का पद खाली नहीं है। शत्रुजीत कपूर छुट्टी पर चल रहे हैं।

सरकार की गाइडलाइंस के मुताबिक लेवल 16 में आने वाले डीजीपी रैंक के सभी सदस्यों का

नाम पैनल में भेजना जरूरी होता है। सभी डीजीपी रैंक वालों से पूछा गया था कि क्या उनका नाम पैनल भेजा जाए तो सभी ने हामी भरी। यदि डीजीपी रैंक का कोई अफसर नहीं है तो फिर एडीजीपी रैंक के अफसरों का नाम पैनल में भेजा जाता है। यूपीएससी की आपत्ति के बाद सरकार ने शत्रुजीत कपूर को कार्य मुक्त किया और उसके बाद नई तैनाती के लिए दोबारा प्रक्रिया शुरू की है। शत्रुजीत कपूर को पद से हटाने के बाद कार्यवाही पुलिस महानिदेशक बनाए गए ओपी सिंह का कार्यकाल 31 दिसंबर को समाप्त हो रहा है। सरकार द्वारा यूपीएससी को पैनल भेजने के बाद साफ हो गया है कि अब सरकार उन्हें तीन माह की एक्सटेंशन नहीं देगी। प्रदेश में एक जनवरी को नए पुलिस महानिदेशक की तैनाती हो जाएगी।

हरियाणा में 50 हजार ने कराई पेपरलैस रजिस्ट्री

वित्तायुक्त ने पंचकूला तहसील का किया औचक निरीक्षण

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा की राजस्व और आपदा प्रबंधन वित्त आयुक्त डॉ. सुमिता मिश्रा ने कहा कि प्रदेश की कागज रहित पंजीकरण प्रणाली के माध्यम से लगभग 50,000 संपत्ति पंजीकरण सफलतापूर्वक पूरे किए गए हैं, जो छह दशक पुरानी राजस्व प्रक्रियाओं में ऐतिहासिक परिवर्तन का प्रतीक बन रही है। पंचकूला तहसील कार्यालय के औचक निरीक्षण के दौरान डॉ. मिश्रा ने कहा कि भूमि अभिलेखों में पारदर्शिता और प्रामाणिकता को और मजबूत करने के लिए संपत्ति पंजीकरण हेतु जल्द ही सुरक्षा-युक्त कागज़ का प्रयोग शुरू किया जाएगा। इसके अतिरिक्त आगामी दिनों में एक स्वचालित उत्परिवर्तन सुविधा शुरू की जाएगी, जो पंजीकरण के तुरंत बाद राजस्व अभिलेखों को स्वचालित रूप से अद्यतन कर देगी, जिससे देरी में काफी कमी आएगी और मैन्युअल हस्तक्षेप की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी। उन्होंने राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिया कि आवेदकों के अनुरोध पर उन्हें मौके पर ही ई-हस्ताक्षरित प्रतियां उपलब्ध कराई जाएं ताकि उन्हें बार-बार कार्यालय न आना पड़े। उन्होंने कहा कि नागरिकों से प्राप्त प्रतिक्रियाओं की जांच की जाएगी और प्रक्रिया को और बेहतर बनाने के लिए उन्हें शामिल किया जाएगा। उन्होंने प्रदेश के सभी उपायुक्तों को हेल्प डेस्क से संबंधित रिपोर्ट भेजने का भी निर्देश दिया। डॉ. मिश्रा ने बताया कि हरियाणा सरकार ओटीपी आधारित आधार प्रमाणीकरण प्रक्रिया के माध्यम से किसान रजिस्ट्री (एग्रीस्टैक) के तहत 1.38 करोड़ किसानों का पंजीकरण करने जा रही है, जो सीधे पीएम-किसान योजना और अन्य लाभार्थी योजनाओं से जुड़ी होगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पंजीकरण लक्ष्य निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा किया जाना चाहिए।

सडक़ों पर लगाई जाए सफेद पट्टी: एडीसी

एजेंसी

सिरसा। सिरसा के एडीसी वीरेंद्र सिंह सहरावत ने कहा कि धुंध के मौसम को देखते हुए सभी सडक़ों पर सफेद पट्टी अनिवार्य रूप से लगाई जाए। घने कोहरे में सफेद पट्टी बहुत अधिक उपयोग होती है। इसलिए सडक़ से जुड़ी संबंधित एजेंसियां जल्द इस पर कार्रवाई करें। एडीसी जिला सडक़ सुरक्षा व सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे।

अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा कि कोहरे के मौसम को देखते हुए दुर्घटनाओं से बचाव के लिए अधिकारी सजग होकर कार्य करें। रोड सेफ्टी के सभी नियमों का पालन किया जाए और वरिष्ठ अधिकारी भी फील्ड में उतर कर निरीक्षण करें ताकि कहीं पर कोई खामी न रहे। उन्होंने कहा कि पूरे जिले मे सिंचाई विभाग सुनिश्चित करे कि सडक़ के किनारे कोई भी पुलिया टूटी न हो और उस पर रिफ्लेक्टर इत्यादि लगे होने चाहिए। जहां भी क्षतिग्रस्त रेलिंग या पुलिया है, तो उसे तत्काल ठीक करें। उन्होंने कहा कि दुर्घटना संभावित क्षेत्र पर साइन बोर्ड लगाए जाएं ताकि वाहन चालक पहले से ही सचेत हो और दुर्घटना को रोका जा सके। बैठक में फुटपाथ पर जगह-

जगह कट बना लेने के मामले में अतिरिक्त उपायुक्त ने निर्देश दिए कि पीडब्ल्यूडी (बीएंडआर) के एसडीओ, नगर परिषद के एमई तथा एसएचओ ट्रैफिक की अध्यक्षता में कमेटी बनाई जाए, जो रोड पर बनाए गए कट का निरीक्षण करेगी और जो कट यातायात की दृष्टि से सही नहीं पाए गए उन्हें बंद करने की सिफारिश करेगी। बैठक में लोक निर्माण विभाग के कार्यकारी अभियंता कमलदीप सिंह, बिजली निगम के कार्यकारी अभियंता धीरज, एनएचआई से प्रोजेक्ट डायरेक्टर विपिन मंगला, मार्केटिंग बोर्ड से कार्यकारी अभियंता तरुण सिहाग, शिक्षा विभाग से डीपीसी सुभाष चंद्र, डिप्टी सीएमओ डा. संदीप सिंह, सचिव रेडक्रॉस लाल बहादुर बैनीवाल, एसएचओ ट्रैफिक सुखदेव सिंह, रोडवेज के टीएम सुधीर कुमार, सिरसा नगर परिषद के एमई प्रवेश सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

फतेहाबाद में जमीन नीलामी का विरोध,तहसीलदार को बनाया बंधक

एजेंसी

फतेहाबाद। जिले के जाखल खंड के गांव नडैल में एक किसान की जमीन नीलामी का किसानों ने जमकर बवाल किया। नडैल पहुंचे कई गांवों के किसानों ने सरकार व प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। नीलामी के लिए पहुंचे नायब तहसीलदार रसविन्द्र सिंह को किसानों ने करीब डेढ़ घंटे तक बंधक बनाए रखा। किसानों के आंदोलन की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई और किसानों से बातचीत कर उन्हें शांत करवाया। किसानों के प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे भारतीय किसान यूनियन (एकता उग्राहा) के जिला सचिव निर्भय रतिया ने बताया कि नडैल गांव के एक किसान ने जाखल मंडी के एक आढ़ती से करीब 7 लाख रुपए का कर्ज लिया था, जो ब्याज सहित अब बढ़कर लगभग 27 लाख रुपए हो गया है। कोर्ट ने इस कर्ज की वसूली के लिए किसान की लगभग 4 करोड़ रुपए मूल्य की जमीन नीलाम करने का आदेश दिया है। किसान इस आदेश को अन्यायपूर्ण बताते हुए विरोध कर रहे हैं। किसानों ने सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक धरना प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि वे इस विवाद को पंचायत में बैठकर सुलझाने के लिए तैयार हैं, लेकिन किसी भी तरह की जबरदस्ती या 'धक्केशाही' बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कोर्ट के आदेशों का पालन कराने के लिए नायब तहसीलदार रसविन्द्र सिंह गांव पहुंचे थे। उन्होंने कोर्ट की प्रक्रिया शुरू करने की कोशिश की, लेकिन जब कोई पक्ष उपस्थित नहीं हुआ तो वे लौटने लगे। इसी दौरान किसानों ने उन्हें रोक लिया और करीब डेढ़ घंटे तक बंधक बनाए रखा। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जाखल थाना प्रभारी ने नायब तहसीलदार को किसानों के कब्जे से छुड़ाकर सुरक्षित उनके कार्यालय पहुंचाया। आढ़ती जगदीश राय ने बताया कि उन्होंने बकाया राशि की वसूली के लिए कोर्ट में याचिका दायर की थी। कोर्ट ने जमीन नीलाम करने का आदेश दिया है और उनका कहना है कि कोर्ट का फैसला सर्वोपरि है, जिसका पालन होना चाहिए। नायब तहसीलदार रसविन्द्र सिंह ने बताया कि उन्होंने गांव के पंचायत घर में प्रतिष्ठित व्यक्तियों के साथ बैठक की थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी तरह की नीलामी नहीं हुई है और प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

अमेरिका में जेनेरिक दवाओं पर विदेशी निर्भरता, स्वास्थ्य और सुरक्षा पर चिंता

- चीन में बनते हैं एंटीबायोटिक दवाओं में इस्तेमाल होने वाले 90 प्रतिशत एपीआई

वाशिंगटन।

अमेरिका में इस्तेमाल होने वाली जेनेरिक दवाओं और उनके एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रीडिएंट्स (एपीआई) का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा विदेशों से आता है। सीनेटर रिक स्कॉट ने चेतावनी दी है कि यह स्थिति अमेरिकी परिवारों के लिए स्वास्थ्य और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से गंभीर खतरा है। 2002 में अमेरिका अपनी जरूरत की 83 प्रतिशत दवाएं खुद बनाता था, जो 2024 में घटकर केवल 37 प्रतिशत रह गई है। एंटीबायोटिक दवाओं में इस्तेमाल होने वाले लगभग 90 प्रतिशत एपीआई चीन में बनते हैं। अमेरिका में इस्तेमाल होने वाली शीर्ष 100 जेनेरिक दवाओं में से 83 प्रतिशत के एपीआई का कोई भी स्रोत अमेरिका में नहीं है। भारत से अमेरिका में लगभग 50 प्रतिशत जेनेरिक दवाएं आती हैं, लेकिन भारत खुद अपने 80 प्रतिशत एपीआई के लिए चीन पर निर्भर है। विदेशी फैक्ट्रियों में अक्सर निरीक्षण कम होता है, जिससे दवाओं की गुणवत्ता और सुरक्षा पर सवाल उठते हैं। 2025 के एक अध्ययन में पाया गया कि भारत में बनी जेनेरिक दवाओं से जुड़े गंभीर दुष्प्रभाव अमेरिका में बनी समान दवाओं की तुलना में 54 प्रतिशत अधिक हैं। इनमें स्थायी विकलांगता और मौत जैसे गंभीर परिणाम शामिल हैं। सीनेटर स्कॉट ने कहा कि चीन कभी भी दवाओं की आपूर्ति रोक सकता है, जिससे बुजुर्ग, सेना के जवान और आम

नागरिक प्रभावित होंगे। अमेरिकी एफडीए घरेलू फैक्ट्रियों की तुलना में विदेशों में कड़े निरीक्षण नहीं कर पाता और कई बार नियमों के उल्लंघन को छूट भी दे देता है। सीनेटर रिक स्कॉट और सीनेटर किर्स्टन गिलिब्रैंड ने ड्रग सप्लाई चेन की कमजोरियों को उजागर करने के लिए जांच और सुनवाई शुरू की हैं। उनका उद्देश्य अमेरिकी परिवारों को यह जानने का अधिकार देना है कि उनकी दवाओं में कौन-कौन से इंग्रीडिएंट्स इस्तेमाल हो रहे हैं।

नई देसी कैब सेवा जनवरी से दिल्ली में होगी शुरू

- 30 रुपए में 4 किमी सफर, ओला-उबर की बढ़ी टेंशन!

नई दिल्ली।

नई देसी कैब सेवा भारत टैक्सी जल्द ही दिल्ली में शुरू होने जा रही है। फिलहाल इसका ट्रायल दिल्ली और गुजरात के सौराष्ट्र इलाके में चल रहा है। यह सेवा जनवरी में औपचारिक रूप से लॉन्च की जाएगी। भारत टैक्सी का संचालन सहकार टैक्सी कोऑपरेटिव लिमिटेड कर रही है। यह पूरी तरह ड्राइवर-स्वामित्व वाला मॉडल है, यानी ड्राइवर ही कंपनी के मालिक हैं। कंपनी का दावा है कि यह दुनिया की सबसे बड़ी ड्राइवर-मालिकाना टैक्सी सेवा है। अब तक 1 लाख से अधिक ड्राइवर प्लेटफॉर्म से जुड़े हैं, जिनमें कार, ऑटो-रिक्शा और बाइक टैक्सी चालक शामिल हैं। शुरुआत में ड्राइवर को 100 फीसदी किराया मिलेगा। भविष्य में 20 फीसदी शुल्क लागू हो सकता है, लेकिन यह राशि ड्राइवरों को इंसेंटिव के रूप में वापस दी जाएगी। इस मॉडल का उद्देश्य ड्राइवरों को अधिक लाभ और पारदर्शिता देना है।

भारत टैक्सी का किराया अन्य कैब सेवाओं से सस्ता रखा गया है-

* 0-4 किमी- 30 रुपये
* 4-12 किमी- प्रति किमी 23 रुपये
* 12+ किमी- प्रति किमी 18 रुपये

सवारी के विकल्पों में एसी, बिना एसी, बड़ी गाड़ी और प्रीमियम टैक्सी शामिल हैं। बुकिंग के दो मिनट में टैक्सी उपलब्ध होगी। भारत टैक्सी ऐप एंड्रायड और आईओएस दोनों पर उपलब्ध है और अब तक 75,000 से अधिक डाउनलोड हो चुके हैं। ऐप में रियल-टाइम गाड़ी ट्रैकिंग, 24 घंटे ग्राहक सहायता, कई भाषाओं में सपोर्ट और सुरक्षा जांच जैसी सुविधाएँ हैं। कंपनी ओला और उबर जैसी सेवाओं को चुनौती दे रही है।

ड्राइवर एक साथ तीनों प्लेटफॉर्म पर काम कर सकते हैं। एयरपोर्ट और अन्य प्रमुख स्थानों पर अलग स्टैंड की योजना है।

सीएएफई-3 मानकों पर छोटी कारों को राहत का प्रस्ताव, विवाद पहुंचा पीएमओ तक

- वजन आधारित छूट पर ऑटो उद्योग में गहराया मतभेद

नई दिल्ली।

आगामी कॉरपोरेट एवरेज फ्यूल एफिशिएंसी (सीएएफई-3) उत्सर्जन मानकों के तहत छोटी कारों को राहत देने के प्रस्ताव को लेकर ऑटोमोबाइल उद्योग में लंबे समय से चला आ रहा विवाद अब प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) तक पहुंच गया है। जानकारी के अनुसार जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर और टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स (टीएमपीवी) ने इस मुद्दे पर पीएमओ को अलग-अलग पत्र लिखकर अपनी आपत्तियां दर्ज कराई हैं। इस सप्ताह की शुरुआत में भेजे गए पत्रों में दोनों कंपनियों ने कहा कि पेट्रोल से चलने वाली छोटी कारों के लिए वजन के आधार पर नई उप-श्रेणी बनाकर छूट देना देश के इलेक्ट्रिक वाहन अपनाने के राष्ट्रीय लक्ष्य को कमजोर करेगा। कंपनियों का तर्क है कि इससे सड़क सुरक्षा पर भी प्रतिकूल असर पड़ सकता है और उन वाहन निर्माताओं के साथ अन्याय होगा जिन्होंने लंबे समय से मौजूदा परिभाषा के अनुरूप निवेश किया है। उन्होंने यह भी दावा किया कि प्रस्तावित बदलाव से व्यावहारिक रूप से केवल एक ही कार निर्माता को लाभ मिलेगा। फिलहाल नीति के अनुसार, छोटी कारें वे मानी जाती हैं जिनकी लंबाई चार मीटर से कम और पेट्रोल इंजन क्षमता 1,200 सीसी से कम होती है। इसी परिभाषा के आधार पर उद्योग ने अब तक अपने उत्पाद और निवेश योजनाएं तैयार की हैं। सीएएफई फ्रेमवर्क के तहत वाहन निर्माताओं के पूरे फ्लीट के लिए कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन की सीमा (ग्राम प्रति किलोमीटर) तय की जाती है। नियमों के उल्लंघन पर ऊर्जा दक्षता ब्यूरो जुर्माना लगा सकता है। मारुति सुजुकी ने अलग से वजन आधारित राहत की मांग की है। इसे लेकर मतभेद गहराए और सितंबर 2025 में जारी संशोधित ड्राफ्ट में पहली बार 909 किलोग्राम से कम वजन वाली पेट्रोल कारों के लिए 3 ग्राम/किमी अतिरिक्त छूट का प्रस्ताव शामिल किया गया, जिसने विवाद को और तेज कर दिया।

लोधा डेवलपर्स पर ब्रोकरेज का भरोसा, 77 फीसदी तक रिटर्न की उम्मीद

- आने वाले वर्षों में कंपनी की बिक्री और मुनाफे में बढ़ोतरी की संभावना

नई दिल्ली।

रियल एस्टेट कंपनी लोधा डेवलपर्स को लेकर देश की दो बड़ी ब्रोकरेज कंपनियों मोतीलाल ओसवाल और नुवामा इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज ने सकारात्मक रुख अपनाया है। ब्रोकरेज फर्मों का मानना है कि आने वाले वर्षों में कंपनी की बिक्री और मुनाफे में मजबूत बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। फिलहाल कंपनी का शेयर बाजार में करीब 1,060-1,080 रुपए के दायरे में कारोबार कर रहा है, लेकिन ब्रोकरेज का कहना है कि इसमें आगे अच्छी तेजी की संभावना बनी हुई है। मोतीलाल ओसवाल की रिपोर्ट के अनुसार, लोधा डेवलपर्स आने वाले समय में ज्यादा घरों की बिक्री करने की स्थिति में है। कंपनी का कैश फ्लो मजबूत है और ग्राहकों से समय पर भुगतान मिल रहा है। इसके साथ ही कंपनी का कर्ज स्तर भी नियंत्रण में है, जिससे उसकी वित्तीय स्थिति सुरक्षित बनी हुई है। लोधा अब केवल मुंबई क्षेत्र तक सीमित नहीं रहना चाहती। कंपनी पुणे, बैंगलुरु और एनसीआर जैसे बड़े रियल एस्टेट बाजारों में अपने कारोबार का विस्तार कर रही है। पुणे में लोधा की बिक्री तेजी से बढ़ रही है और इस वित्त वर्ष में वहां अच्छा प्रदर्शन रहने की उम्मीद है। बैंगलरु में शुरुआती

तैयारियां पूरी हो चुकी हैं और अब नए प्रोजेक्ट्स लॉन्च करने की योजना है।

वहीं एनसीआर में भी कंपनी छोटे स्तर पर एंट्री कर भविष्य के अवसर तलाश रही है।

2026 में नई हुंडई वरना ज्यादा मॉडर्न लुक के साथ हो सकती है लॉन्च

नई दिल्ली।

नई हुंडई वरना को कंपनी और ज्यादा आकर्षक बनाने की तैयारी में है। कंपनी द्वारा नए साल 2026 में वरना का फेसलिफ्ट वर्जन लॉन्च किया जा सकता है। हाल ही में विदेश में इसका टेस्ट म्यूल देखा गया है, जिससे इसके संभावित बदलावों को लेकर संकेत मिले हैं।

टेस्टिंग के दौरान कार पूरी तरह कैमोफ्लाज में थी, लेकिन फ्रंट और रियर हिस्से को खासतौर पर ढका गया था। इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि इन्हीं हिस्सों में बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे। नई वरना में री-डिजाइन्ड ग्रिल, नया बंपर और ज्यादा शार्प फ्रंट प्रोफाइल मिलने की उम्मीद है, जिससे कार को प्रीमियम और स्पोर्टी लुक मिलेगा। कार का ओवरऑल सिलुएट मौजूदा मॉडल जैसा ही रखा जाएगा, ताकि इसकी पहचान बनी रहे।

हालांकि, नए अलॉय व्हील्स और पीछे की तरफ अपडेटेड बंपर व टेललैंप डिजाइन से लुक में फ्रेशनेस जोड़ी जा सकती है। केबिन में बड़े बदलाव की बजाय फीचर्स और फिनिश पर फोकस किया जा सकता है। डुअल-स्क्रीन

डैशबोर्ड सेटअप जारी रहने की संभावना है, लेकिन नए कम्फर्ट और सेफ्टी फीचर्स जोड़े जा सकते हैं। पावरट्रेन के मामले में किसी बड़े बदलाव की उम्मीद नहीं है और मौजूदा इंजन ऑप्शन्स ही जारी रह सकते हैं।

रुपया तेजी के साथ बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया गुरुवार को 10 पैसे की तेजी के साथ ही 90.27 पर बंद हुआ। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में गुरुवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.35 पर खुला। कारोबार के दौरान इसमें हल्की मजबूती देखी गई और यह 90.32 प्रति डॉलर तक पहुंच गया। हालांकि शुरुआती सत्र में रुपये में कमजोरी भी दर्ज की गई और यह 90.38 के स्तर तक फिसल गया। बुधवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.38 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 फीसदी की बढ़त के साथ 98.41 पर रहा, जिससे उभरती मुद्राओं पर दबाव बना रहा।

एक्मे सोलर ने 4,725 करोड़ का वित्तपोषण किया हासिल

वित्तपोषण से कंपनी को नई परियोजनाओं का विस्तार करने में मदद मिलेगी

नई दिल्ली। नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादक कंपनी एक्मे सोलर होल्डिंग्स लिमिटेड ने अपनी अनुषंगी कंपनियों के माध्यम से नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए प्रमुख भारतीय वित्तीय संस्थानों से कुल 4,725 करोड़ रुपये का ऋण हासिल किया। इस वित्तपोषण का लक्ष्य परियोजनाओं की पूंजी संरचना को अनुकूलित करना और वित्तपोषण लागत को कम करना है। नई परियोजनाओं के लिए पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने 2,716 करोड़ रुपये और नेशनल बैंक फॉर फाइनेंसिंग इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट ने 800 करोड़ रुपये प्रदान किए। मौजूदा 300 मेगावाट एक्मे सीकर सोलर परियोजना के लिए यस बैंक ने 1,209 करोड़ रुपये का पुनर्वित्तपोषण किया। इससे ऋण लागत में प्रारंभिक 1.70 प्रतिशत और अंततः 1.95 प्रतिशत की कमी संभव हुई। यह यस बैंक द्वारा एक्मे सोलर के लिए पहला दीर्घकालिक पुनर्वित्तपोषण है। इस वित्तपोषण से कंपनी को नई परियोजनाओं का विस्तार करने और पूंजी संरचना मजबूत करने में मदद मिलेगी, साथ ही वित्तीय लागत कम होगी, जो एक्मे सोलर के लिए दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करेगा।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर जनवरी से वाहनों की कीमत बढ़ाएगी

नई दिल्ली। कच्चे माल की लागत और व्यापक आर्थिक कारणों के चलते कंपनी ने जनवरी 2026 से अपने वाहनों की कीमतों में 2 फीसदी तक बढ़ोतरी की घोषणा की। बढ़ोतरी सभी मॉडलों और संस्करणों पर समान नहीं होगी; प्रत्येक वाहन के लिए अलग रेट तय होगा। मर्सिडीज-बेंज इंडिया और बीएमडब्ल्यू ने भी जनवरी से कीमतें बढ़ाने की घोषणा की है।

पेटीएम को आरबीआई से ऑफलाइन पेमेंट एग्रीगेटर का लाइसेंस मिला

- ऑनलाइन भुगतान की पहले मिल चुकी थी अनुमति

नई दिल्ली। वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी पेटीएम पेमेंट्स सर्विसेज लिमिटेड (पीपीएसएल) को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से ऑफलाइन भुगतान और सीमा-पार लेनदेन के लिए पेमेंट एग्रीगेटर के रूप में संचालन की अनुमति प्राप्त हुई है। इससे पहले, 26 नवंबर 2025 को पीपीएसएलएल को ऑनलाइन भुगतान एग्रीगेटर के तौर पर काम करने की मंजूरी दी गई थी। आरबीआई की अनुमति के बाद अब पेटीएम ऑनलाइन, ऑफलाइन और सीमा-पार सभी प्रकार के भुगतान लेनदेन संभाल सकता है। यह अनुमति भुगतान और निपटान प्रणाली अधिनियम, 2007 के तहत दी गई है। इस नए लाइसेंस से पेटीएम को अपने डिजिटल पेमेंट प्लेटफॉर्म के जरिए घरेलू और अंतरराष्ट्रीय लेनदेन को आसान और तेज़ बनाने में मदद मिलेगी। विशेषज्ञों के अनुसार, इससे कंपनी का कारोबार क्षेत्र और ग्राहकों तक पहुँच दोनों बढ़ेंगे।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली के दबाव के कारण आई। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 84,481.81 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई 25,815.55 पर बंद हुआ। आज दिन भर बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रहा, जिससे निवेशक सतर्क दिखे और आई शेयरों में कुछ खरीदारी हुई। इससे भी बाजार पर दबाव पड़ा। इससे पहले आज सुबह

एशियाई बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बीच भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट के साथ खुले। वैश्विक बाजारों में जारी दबाव का असर घरेलू शेयर बाजारों पर देखने को मिला। कारोबार की शुरुआत से ही सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों में कमजोरी बनी रही, जिससे निवेशकों की धारणा सतर्क नजर आई। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स मामूली गिरावट के साथ 84,518 अंक पर खुला। हालांकि, खुलते ही इसमें बिकवाली बढ़ गई। सुबह शुरुआत के बाद सेंसेक्स 160.74 अंक की गिरावट के साथ 84,398.91 अंक पर कारोबार कर रहा था। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी कमजोरी के साथ 25,764 अंक पर खुला। सुबह की शुरुआत के बाद 53.85 अंक गिरकर 25,789 अंक पर ट्रेड करता दिखा। बाजार के जानकारों ने कहा कि अमेरिकी बाजारों में आई तेज गिरावट के बाद एशियाई बाजारों में कमजोरी देखने को मिली, जिसका असर घरेलू शेयर बाजारों पर पड़ा। उन्होंने बताया कि तकनीकी रूप से निफ्टी का निकट-कालिक रुझान कमजोर बना हुआ है और यह अपने ऑल टाइम हाई स्तर 26,326 से नीचे ही घूम रहा है। हर छोटी तेजी पर बिकवाली हावी हो रही है, जिससे बाजार में बियर्स की पकड़ बनी हुई है। उनके अनुसार निफ्टी के लिए 25,693 का स्तर अहम सपोर्ट है। यदि निफ्टी इस स्तर के नीचे फिसलता है तो गिरावट और तेज हो सकती है। हालांकि, उन्होंने यह भी बताया कि पिछली ट्रेडिंग में एफआईआई ने नेट खरीदारी की थी और आरबीआई के समर्थन से रुपये में मजबूती आई है। इसके बावजूद मौजूदा हालात को देखते हुए निवेशकों को फिलहाल सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

ऐ शियाई बाजार में गिरावट- वैश्विक बाजारों में एशियाई शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट के साथ कारोबार करते दिखे। इसकी वजह यह रही कि वॉल स्ट्रीट के निवेशक लगातार टेक्नोलॉजी शेयरों से दूरी बना रहे हैं और उनका ध्यान अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड

ट्रंप के आगामी संबोधन पर टिका हुआ है। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 1.53 फीसदी गिरा, दक्षिण कोरिया का कोस्पी 1.36 फीसदी नीचे आया, जबकि ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी, एएसएक्स 200 0.3 फीसदी की हल्की गिरावट के साथ बंद हुआ।

अमे रिकी बाजार कमजोरी के साथ बंद- अमेरिका में भी वॉल स्ट्रीट के प्रमुख इंडेक्स लाल निशान में बंद हुए। एसएंडपी 500 में 1.16 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, जबकि नैस्डैक कंपोजिट सबसे ज्यादा टूटा और इसमें 1.81 फीसदी की गिरावट आई। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़े कारोबार को लेकर बनी चिंताओं के चलते टेक्नोलॉजी शेयरों पर दबाव बना रहा। वहीं, डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज भी 0.47 फीसदी फिसल गया।

सीएनजी-पीएनजी की कीमत में राहत, 2026 से नई टैरिफ नीति लागू

- उपभोक्ताओं को प्रति यूनिट 2-3 रुपए की बचत होगी

नई दिल्ली। देशभर में सीएनजी और घरेलू पीएनजी उपभोक्ताओं के लिए बड़ी राहत है। पेट्रोलियम और नेचुरल गैस रेगुलेटरी बोर्ड (पीएनजीआरबी) ने नई टैरिफ रैशनलाइजेशन नीति लागू करने का ऐलान किया है, जो 1 जनवरी 2026 से प्रभावी होगी। इससे उपभोक्ताओं को प्रति यूनिट 2-3 रुपये की बचत होगी। पीएनजीआरबी के एक सदस्य के अनुसार यह बदलाव ट्रांसपोर्ट और घरेलू उपयोग दोनों में लाभ पहुंचाएगा। पुरानी प्रणाली में दूरी के आधार पर तीन जोन थे- 200 किलोमीटर तक 42 रुपये, 300-1,200 किलोमीटर 80 रुपये और 1,200 किलोमीटर से अधिक 107 रुपये। नई प्रणाली में इसे घटाकर दो जोन किया गया है। जोन-1 के लिए अब 54 रुपये प्रति यूनिट तय किए गए हैं, जिससे शहरों के उपभोक्ताओं को सबसे अधिक लाभ होगा। नई टैरिफ नीति 312 क्षेत्रों और 40 सीजीडी कंपनियों पर लागू होगी। ट्रांसपोर्ट सेक्टर में सीएनजी और घरों में पीएनजी इस्तेमाल करने वाले परिवार सीधे लाभान्वित होंगे। पीएनजीआरबी निगरानी सुनिश्चित करेगा कि कम दर का लाभ आम उपभोक्ताओं तक पहुंचे। यह पहल प्राकृतिक गैस के व्यापक और सब्सिडाइज्ड उपयोग को बढ़ावा देगी।

भारत का होम लोन बाजार.....2035 तक 150 लाख करोड़ तक पहुंच सकता

मुंबई।

भारत के होम लोन मार्केट में तेजी से बदलाव दिख रहा है। अगले एक दशक यानी 2035 तक होम लोन का वितरण 150 लाख करोड़ तक पहुंच सकता है। इसकी जानकारी गुरुवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

एक रिपोर्ट के अनुसार, जनसांख्यिकी, शहरीकरण, इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश और नीतिगत समर्थन जैसे शक्तिशाली कारक मिलकर भारत के वित्तीय सेवा परिदृश्य में सबसे स्थायी संरचनात्मक ऋण मौकों में से एक की नींव रख रहे हैं। रिपोर्ट में इस बात का ज़िक्र किया गया है कि भारतीय बाजारों में चीजों को गिरवी रखकर लोन लेने की पहुंच मात्र जीडीपी के 11 प्रतिशत पर है, जो कि ग्लोबल बेंचमार्क से काफी कम है। इसके बाद भी भारत के लोन बाजारों में काफी सारे मौके मौजूद हैं।

एक अनुमान के मुताबिक, 2035 तक देश की शहरी आबादी 65 करोड़ से अधिक होगी और शहरीकरण की दर 43 प्रतिशत तक बढ़ेगी। इसकी वजह राजमार्गों, मेट्रो रेल नेटवर्क, लॉजिस्टिक्स कॉरिडोर और तेजी से उभरते सैटेलाइट टाउनशिप में निवेश होना है। इसके अलावा, सरकारी पहलें अफोर्डेबिलिटी को मजबूत कर रही हैं और सप्लाई बनाने में मदद कर रही हैं, जिसमें पीएमएवाई 2.0 का मकसद 30 मिलियन अतिरिक्त घरों के लिए फाइनेंसिंग को सपोर्ट करना है, एसडब्ल्यूएएमआईएच-2 का लक्ष्य 100,000 अटकी हुई मिड-इनकम हाउसिंग यूनिट्स को पूरा करना है, और 1 लाख करोड़ रुपए का

अर्बन चैलेंज फंड भारतीय शहरों को भविष्य के ग्रोथ हब में बदलने के लिए डिजाइन किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है, रेरा को लगातार लागू करने से रियल एस्टेट इकोसिस्टम में पारदर्शिता और खरीदारों का भरोसा भी बढ़ा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मजबूत बैलेंस शीट, बढ़ती अफोर्डेबिलिटी और कई सालों तक डिमांड दिखने की वजह से हाउसिंग फाइनेंस इंडस्ट्री भारत की आर्थिक ग्रोथ के अगले दौर का एक अहम हिस्सा बनने के लिए तैयार है।

गूगल पे और ए क्सिस बैंक ने पेश किया यूपीआई संचालित क्रेडिट कार्ड

नई दिल्ली। गूगल पे और ए क्सिस बैंक ने मिलकर गूगल पे फ्लेक्स ए क्सिस बैंक क्रेडिट कार्ड लॉन्च किया है। यह कार्ड विशेष रूप से उन उपयोगकर्ताओं के लिए है, जो यूपीआई भुगतान की सरलता के साथ क्रेडिट कार्ड की सुविधा एक ही मंच पर चाहते हैं। यह कार्ड पूरी तरह गूगल पे अनुप्रयोग में एकीकृत है, जिससे उपयोगकर्ताओं को भौतिक कार्ड रखने की आवश्यकता नहीं होगी। उपयोगकर्ता किसी भी दुकान पर लगे यूपीआई क्यूआर कोड को स्कैन करके क्रेडिट पर भुगतान कर सकते हैं। रूपे नेटवर्क पर आधारित होने के कारण यह कार्ड ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह स्वीकार किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य डिजिटल भुगतान को और आसान बनाना और उपयोगकर्ताओं को क्रेडिट कार्ड का अनुभव सरलता से प्रदान करना है।

विकसित देशों के सम्पन्न नागरिक भारत में बसने के बारे में कर रहे हैं गम्भीर विचार

प्रहलाद सबनानी

भारत की तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था, भारत में तुलनात्मक रूप से सस्ती दरों पर विभिन्न उत्पादों की पर्याप्त उपलब्धता, अति सस्ती दरों पर सेवा भावना के साथ उच्च स्तर की स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता एवं भारत की महान संस्कृति के साथ साथ साकार अवसर अमेरिका सहित विकसित देशों के नागरिकों को भारत की ओर आकर्षित कर रहे हैं। आज भारत का फलता फूलता तकनीकी उद्योग उच्च स्तर की तकनीकी सुविधाएं उपलब्ध करा रहा है जो किसी भी तरह विकसित देशों में उपलब्ध कराई जा जा रही तकनीकी सुविधाओं से कम नहीं हैं।

वैश्विक पटल पर अचानक परिस्थितियां बहुत तेजी के साथ बदलती हुई दिखाई दे रही हैं। अभी तक कुशल युवा भारतीय अपना सपना साकार करने के उद्देश्य से अमेरिका में रोजगार के अवसर तलाशने के लिए जाते रहे हैं। परंतु, अब कुछ अलग प्रकार का माहौल बनता हुआ दिखाई दे रहा है। अमेरिका सहित अन्य कई विकसित देशों में रहन सहन (जीवन निर्वहन) के खर्चे असहनीय स्तर पर पहुंच गए हैं क्योंकि मुद्रा स्फीति की समस्या इन देशों में लम्बे समय से चल रही है, और, इन देशों द्वारा इस संदर्भ में अथक प्रयास करने के बावजूद, इसका हल नहीं निकल पा रहा है। विशेष रूप से स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति बहुत ही भयावह स्थिति में पहुंच गई हैं। विकसित देशों में किसी भी नागरिक को स्वास्थ्य इंशोरेंस की सुविधा यदि उपलब्ध नहीं हैं तो उसके लिए इलाज करना असम्भव सा ही है। स्वास्थ्य सेवाओं की लागत इन देशों में इतनी बढ़ चुकी है कि आम नागरिक के लिए यहां अपना इलाज करना सम्भव ही नहीं हैं। अमेरिका से तो युवाओं के साथ साथ सेवानिवृत्त नागरिक भी अब भारत में बसने के बारे में गम्भीरता से विचार कर रहे हैं। अमेरिका के न्यूयॉर्क, टेकसास, वाशिंगटन, लासअंजेल्स, सिलिकन वेल्ली, आदि शहरों से इंजीनियर, सृजक (क्रीएटर), युवा उद्यम, बुजुर्ग नागरिक, आदि निकलकर भारत के मुंबई, पुणे, गोवा, हैदराबाद, बैंगलोर, केरल, पोंडिचेरी, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश आदि शहरों/राज्यों में आकर भारत में बसने के बारे में गम्भीरता से विचार कर रहे हैं।

भारत की तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था, भारत में तुलनात्मक रूप से सस्ती दरों पर विभिन्न उत्पादों की पर्याप्त उपलब्धता, अति सस्ती दरों पर सेवा भावना के साथ उच्च स्तर की स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता एवं भारत की महान संस्कृति के साथ साथ साकार अवसर अमेरिका सहित विकसित देशों के नागरिकों को भारत की ओर आकर्षित कर रहे हैं। आज भारत का फलता फूलता तकनीकी उद्योग उच्च स्तर की तकनीकी सुविधाएं उपलब्ध करा रहा है जो किसी भी तरह विकसित देशों में उपलब्ध कराई जा जा रही तकनीकी सुविधाओं से कम नहीं हैं। भारत में नागरिकों को मानसिक शांति उपलब्ध है क्योंकि भारतीय नागरिक, सनातन संस्कृति का अनुपालन करते हैं। जबकि विकसित देशों के नागरिकों में मानसिक शांति का पूर्णतः अभाव है। विकसित देशों के नागरिक पश्चिमी सभ्यता का अनुसरण करते हैं जिसके चलते संयुक्त परिवारों का पूर्णतः अभाव है। इन देशों में पश्चिमी संस्कृति का अनुसरण करते हुए परिवारों में बच्चे 18 वर्ष की आयु प्राप्त करते ही वे अपना अलग घर बसा लेते हैं और माता पिता अकेले रह जाते हैं। जिससे, माता पिता अकेलेपन का शिकार हो जाते हैं और इनकी देखभाल के लिए सरकार को व्यवस्था करनी होती है। इसके ठीक

विपरीत भारतीय संस्कृति नागरिकों को आपस में जोड़ती है एवं संयुक्त परिवार भारतीय समाज की विशेषता है। बुजुर्ग नागरिकों को अपने संयुक्त परिवार में ही रहना होता है। अतः भारत में बुजुर्गों की देखभाल के लिए सरकार को अलग से कोई व्यवस्था नहीं करनी होती है।

हाल ही के वर्षों में अमेरिकी नागरिकों द्वारा भारत के लिए वीजा प्राप्त करने वालों की संख्या वर्ष 2021 के बाद से दुगुनी हो गई है। अमेरिकी नागरिक अब भारत में शांति की तलाश में आ रहे हैं। अमेरिका सहित विकसित देशों में अधिकतम नागरिकों को मानसिक बीमारियों ने घेर रखा है। इन मानसिक बीमारियों से मुक्ति पाने के उद्देश्य से कई विदेशी नागरिक तो भारत के हिमाचल प्रदेश एवं उत्तराखंड जैसे राज्यों के हिमालय क्षेत्र में बस्ते जा रहे हैं। उन्हें वहां पर आध्यात्म का सुख प्राप्त हो रहा है। भारत की तेजी से बढ़ रही डिजिटल अर्थव्यवस्था से भी अमेरिका का पढ़ा लिखा वर्ग आकर्षित हो रहा है, क्योंकि उन्हें अमेरिका जैसी ही उच्चस्तरीय सुविधाएं भारत में भी उपलब्ध हो रही हैं। भारत का स्टार्टअप इको सिस्टम भी भारत में नित नए नवाचार उपलब्ध करा रहा है इससे अमेरिका में पूर्व से ही सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारियों को भी भारत में रोजगार के नए अवसर दिखाई दे रहे हैं।

साथ ही, भारत में प्रतिभावान इंजीनीयरों की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता है जिससे अमेरिका की कई कम्पनियां अब अपने तकनीकी कार्य को भारत में स्थानांतरित कर रही हैं। कई अमेरिकी कम्पनियां अब यह महसूस करने लगी हैं कि भारत में कम खर्चों में अधिक उत्पादकता मिल सकती है, क्योंकि भारत में उत्पादों की लागतें एवं कार्यबल की लागतें बहुत कम हैं, जिससे तुलनात्मक रूप से इन कम्पनियों की लाभप्रदता में सुधार दिखाई दे रहा है। अमेरिका में उत्पादों की लागतें बहुत ऊंचें स्तर पर पहुंच चुकी हैं, जो कम्पनियों की लाभप्रदता को विपरीत रूप से प्रभावित कर रही हैं। और फिर, भारतीय महानगरों में अमेरिकी महानगरों की तुलना में बेहतर एवं टक्कर की सुविधाएं उपलब्ध हैं। भारत में विश्व का सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार भी उपलब्ध है जिससे उपभोक्ता वस्तुओं के क्षेत्र में उत्पादन करने वाली विश्व की लगभग समस्त बड़ी कंपनियां अब भारत में अपनी विनिर्माण इकाईयों की स्थापना करने के बारे में गम्भीरता से विचार कर रही हैं। ये बहुराष्ट्रीय कम्पनियां भारत में सस्ती उत्पादन लागत पर उत्पादों का निर्माण कर भारत में ही इन उत्पादों को बेच सकती हैं क्योंकि स्थानीय स्तर पर ही इन उत्पादों के लिए विशाल बाजार उपलब्ध है। अन्य कई कम्पनियां तो भारत में स्थापित विनिर्माण इकाईयों में उत्पादों का निर्माण कर अन्य देशों को निर्यात भी करने लगी हैं।

भारत में आधुनिकतम तकनीकी उपलब्ध है, रहन सहन की लागतें बहुत कम हैं, युवा एवं प्रतिभावान कार्यबल सस्ती दरों पर उपलब्ध है, भारत में मुद्रा स्फीति की दर सबसे कम है, उत्पादों का बड़ा बाजार उपलब्ध है, इन उपलब्धियों की चलते अब विदेशी निवेशक भारत की ओर आकर्षित हो रहे हैं। अमेरिका सहित विकसित देशों में आज मुद्रा स्फीति की समस्या विकराल रूप धारण किए हुए है एवं इसका हल ये देश निकाल नहीं पा रहे हैं इससे इन देशों में पेंशन पाने वाले नागरिक इन देशों में रहन सहन की उच्च लागत को वहन नहीं कर पा रहे हैं। जबकि भारत में इन देशों के नागरिकों का गुजारा बहुत आसानी से हो सकता है। साथ ही, भारत में हाल ही के समय में स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धि में अकल्पनीय सुधार हुआ है। भारत में ही अब विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं तुलनात्मक रूप से बहुत ही सस्ती दरों पर उपलब्ध हैं। अन्य देशों की तुलना में केवल 25/30 प्रतिशत खर्च पर भारत में अत्याधुनिक तकनीकी आधारित स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। अतः आज न केवल विकसित देशों बल्कि अरब देशों से भी नागरिक भारत में अपना इलाज कराने के लिए बहुत बड़ी संख्या में आने लगे हैं।

भारतीय संस्कृति भी विदेशी नागरिकों को अपनी ओर आकर्षित करती हुई दिखाई दे रही है। मन की शांति तो भारत के आध्यात्म में अंतर्निहित है। 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना, 'सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय' एवं 'सर्वे भवंतु सुखिनः' जैसी भावना तो केवल और केवल भारत में ही पाई जाती है। भारत में योगा एवं आयुर्वेदिक जैसी सुविधाएं भी स्वास्थ्य को ठीक बनाए रखने में सहयोग करते हुए दिखाई दे रही हैं। पश्चिम के केवल 'मैं' के भाव से भी नागरिक अब ऊब चुके हैं एवं वहां पर छिन्न-भिन्न हुए सामाजिक ताने-बाने से भी बहुत परेशान हैं अतः वे आत्मिक सुख की तलाश में भारत के सामाजिक ताने बाने में रचना बसना चाह रहे हैं। अमेरिका एवं अन्य देशों के नागरिक महाकुम्भ के समय लाखों की संख्या में भारत में प्रयागराज में पवित्र त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाने के उद्देश्य से आए थे, यहां का धार्मिक माहौल देखकर ये लोग अब भारत में बसने के बारे में गम्भीरता से विचार कर रहे हैं। विकसित देशों की तुलना में भारत में उन्हें आत्मिक शांति प्राप्त होती हुई दिखाई दे रहे हैं। आज भारत पूरे मनोयोग एवं आत्म विश्वास के साथ अपने पैरों पर खड़ा है।

भारत में समाज बहुत लचीला है एवं अन्य देशों से भारत आ रहे नागरिकों का स्वागत करता हुआ दिखाई दे रहा हैं। अतः भारत में उनका हार्दिक स्वागत हो रहा है तथा भारत में इनकी स्वीकार्यता बढ़ रही है। इस प्रकार इन विदेशी नागरिकों को भारत में स्थापित होने में किसी भी प्रकार की परेशानी दिखाई नहीं दे रही है। भारतीय समाज उन्हें न केवल स्वीकार रहा है बल्कि समस्त प्रकार की सुविधाएं एवं सहयोग भी उपलब्ध करा रहा है।

भारत में बुजुर्गों को दिए जाने वाले आदर सत्कार से भी अमेरिका का बुजुर्ग नागरिक अत्यधिक प्रभावित हैं। अमेरिका में इस प्रकार का माहौल उन्हें नहीं मिलता है। वहां तो बुजुर्गों को सामान्यतः उनके हाल पर छोड़ दिया जाता है तथा इन बुजुर्गों की देखरेख सरकार को करनी होती है। आज अमेरिका में लगभग 6 लाख बुजुर्ग खुले में, पार्कों में, अपना जीवन जीने को मजबूर हैं। संयुक्त परिवार तो केवल भारत में सम्भव है अमेरिका में तो संयुक्त परिवार दिखाई ही नहीं देते हैं। भारत के केरल, गोवा, पोंडिचेरी, हिमाचल प्रदेश एवं उत्तराखंड राज्य अमेरिका में सेवानिवृत्त हुए नागरिकों के लिए किसी स्वर्ग से कम सिद्ध नहीं हो रहे हैं।

संपादकीय

मौत की धुंध

उस घटना की कल्पना करके भी रूह कांप जाती है, जिसमें मथुरा के निकट, मंगलवार तड़के घने कोहरे के चलते कई वाहनों के आपस में टकराने से तेरह लोग जिंदा जल गए। घने अंधेरे में बड़ी संख्या में लोग आग में झुलसे और घायल हुए। मरने वाले निर्दोष लोग अपने-अपने जरूरी कामों के लिए जल्दी पहुंचने की चाहत में रात के सफर पर निकले थे। लेकिन हालात उन्हें मौत के मुंह में ले गये। मंगलवार को अमंगल का यह सिलसिला पंजाब तक चला, जहां सुबह घने कोहरे के चलते पांच लोगों की मौत सड़क दुर्घटनाओं में हुई। बरनाला व तपामंडी में हुए दो सड़क हादसों में एक ही परिवार के तीन लोगों समेत पांच लोगों की मौत हुई। वजह वही, घने कोहरे के चलते दृश्यता में कमी और स्थिति का आकलन न कर पाने के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो जाना। वहीं तपामंडी के व्यापारी की पत्नी व बेटी की मौत रास्ते में खड़े ट्रक से उनकी कार के टकराने से हुई। इससे पहले रविवार सुबह कोहरे के कोहराम से 66 वाहनों के टकराने से एक छात्रा समेत चार लोगों की मौत हरियाणा में भी हुई। चरखी दादरी में एक स्कूल बस व रोडवेज की बस की आमने-सामने की टक्कर में एक ग्यारहवीं की छात्रा की मौत हो गई और तीस से अधिक छात्राएं व शिक्षक, बस चालक समेत घायल हो गए। वहीं तेज रफ्तार वाले नेशनल हाईवे 152-डी पर एक के बाद एक, अनेक वाहन दृश्यता की कमी के चलते दुर्घटनाग्रस्त हो गए, जिसमें तीन युवकों की मौत हो गई और 24 से अधिक लोग घायल हो गए। निश्चय ही निर्दोष लोगों का यूं असमय काल-कवलित होना बेहद दुखद ही है। आखिर हर साल जाड़े के दिनों में धुंध या कोहरे की वजह से होने वाले हादसों के लिए हम क्यों अभिशप्त हैं? आखिर इन दुर्घटनाओं को टालने की गंभीर कोशिश सरकार, समाज व वाहन चालकों की तरफ से क्यों नहीं की जाती? विडंबना है कि जब हमने चांद व मंगल ग्रह तक दस्तक दे दी है, तो राष्ट्रीय राजमार्गों व एक्सप्रेस-वे पर यात्रियों के जानमाल की रक्षा के लिए धुंध से मुक्ति की तकनीक क्यों नहीं लगा पा रहे हैं? निश्चय ही प्रकृति की लीला का मुकाबला कर पाना संभव नहीं, लेकिन कमोबेश दुर्घटनाओं की संख्या कम करके जान-माल का नुकसान कम करने का प्रयास तो करें। यह सजगता नागरिकों के स्तर पर भी जरूरी है। यात्रा के समय के चयन और धुंध के बीच वाहन चालन में अतिरिक्त सतर्कता की जरूरत होती है।

चिंतन-मनन

नदी और सागर

सुखदेव ऋषि के आश्रम में कई शिष्य रहते थे। उनमें अनुज नामक शिष्य काफी तेज था। धीरे-धीरे वह स्वयं को अन्य शिष्यों से श्रेष्ठ मानकर दूसरों को हीन समझने लगा। ऋषि उसके अंदर छिपे अहं को समझ गए और उसे एक दिन अपने साथ एक सागर के पास ले गए। विशालकाय सागर अत्यंत आकर्षक दिख रहा था। उसकी लहरें जब अठखेलियां करतीं तो मन प्रसन्न हो जाता। ऋषि ने अनुज से सागर का पानी पीने के लिए कहा। अनुज ने जैसे ही पानी मुंह में डाला, वैसे ही उसने बुरा सा मुंह बनाकर पानी बाहर निकाल दिया और बोला, गुरुजी, यह पानी तो खारा है। मेरा मुंह का स्वाद कसैला हो गया। ऋषि उसकी बात सुनकर मुस्कराए। वह उसे अपने साथ लेकर आगे बढ़ते रहे। आगे एक छोटी सी नदी आई। नदी का जल शांत था। ऋषि ने अनुज से नदी का जल पीने के लिए कहा। अनुज ने जैसे ही जल मुंह में डाला, वैसे ही उसके मन को अत्यंत तृप्ति मिली। वह बोला, गुरुजी, नदी के जल ने मुंह का स्वाद बढ़ा दिया है। इतना ठंडा और मीठा जल बहुत कम देखने को मिलता है, जबकि इतने बड़े सागर का पानी एकदम खारा था। उसके ऐसा ही कहते ही ऋषि बोले, पुत्र, देखा तुमने, छोटे-बडे से कुछ नहीं होता। हर व्यक्ति को अपने व्यवहार और सद्कार्यों से अपने लिए जगह बनानी पड़ती है। तुमने सागर के अहं को देखा। वह सब कुछ अपने में ही भरे रहता है। लेकिन इसका जल खारा होता है। जबकि छोटी सी नदी जो पाती है उसका अधिकांश बांटती है, इसलिए उसके जल में मिठास है। व्यक्ति को बड़े होने पर भी अहं को अपने पास नहीं फटकने देना चाहिए अन्यथा उसका हाल भी सागर की तरह ही होता है। मेरे विचार में तुम मेरी बातों का अर्थ अच्छी तरह समझ गए हो। अनुज को अपनी गलती का अहसास हो गया। उसने अपने भीतर से अपना अहं निकाल फेंका।

काकोरी शहीद दिवसः क्रांति की नींव रखने वाले काकोरी के शूरवीरों को नमन

योगेश कुमार गोयल

काकोरी कांडः आजादी के संघर्ष का अमर अध्याय...

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास केवल राजनीतिक आंदोलनों, प्रस्तावों और समझौतों का क्रम नहीं है बल्कि यह उन असंख्य क्रांतिकारियों की त्यागमयी गाथा भी है, जिन्होंने मातृभूमि की आजादी के लिए अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान दिया। इन बलिदानों ने गुलामी की जड़ों को भीतर से हिलाया और जनता के मन में यह विश्वास जगाया कि अंग्रेजी हुकूमत अजेय नहीं है। ऐसी ही एक ऐतिहासिक और निर्णायक घटना है काकोरी कांड, जिसने न केवल ब्रिटिश सत्ता को गहरी चुनौती दी बल्कि भारतीय क्रांतिकारी आंदोलन को एक नई दिशा और ऊर्जा प्रदान की। काकोरी कांड भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष का वह अध्याय है, जिसने यह सिद्ध कर दिया कि आजादी केवल याचिकाओं और प्रार्थनाओं से नहीं मिलेगी बल्कि उसके लिए साहस, संगठन और बलिदान की आवश्यकता होगी। यही कारण है कि काकोरी कांड में शामिल क्रांतिकारियों को केवल इतिहास के पात्र नहीं बल्कि क्रांति की नींव रखने वाले शूरवीर माना जाता है। उनकी शहादत की स्मृति में हर वर्ष 19 दिसम्बर को काकोरी शहीद दिवस मनाया जाता है, जो हमें स्वतंत्रता की कीमत और उसकी रक्षा की जिम्मेदारी का बोध कराता है।

बीसवीं सदी के प्रारंभिक दशकों में भारत का राजनीतिक परिदृश्य तीव्र परिवर्तन के दौर से गुजर रहा था। महात्मा गांधी के नेतृत्व में असहयोग आंदोलन ने देश में जन-जागरण की लहर पैदा की थी। 1920 में शुरू हुआ यह आंदोलन ब्रिटिश शासन के लिए एक गंभीर चुनौती बन गया था लेकिन फरवरी 1922 में चौरी-चौरा कांड के बाद गांधी जी द्वारा आंदोलन वापस लिए जाने से देश के एक बड़े वर्ग, विशेषकर युवा क्रांतिकारियों में गहरी निराशा फैल गई। वे मानते थे कि जब अंग्रेज दमन और हिंसा का सहारा ले रहे हैं, तब केवल अहिंसा के माध्यम से आजादी पाना कठिन है। यही वह ऐतिहासिक मोड़ था, जहां से संगठित क्रांतिकारी आंदोलन ने नई दिशा पकड़ी। निराश लेकिन दृढ़ निश्चयी युवाओं ने यह ठान लिया कि वे किसी भी कीमत पर स्वतंत्रता के लक्ष्य से पीछे नहीं हटेंगे। इसी सोच के परिणामस्वरूप 1923 में शचीन्द्रनाथ सान्याल के नेतृत्व में हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (एचआरए) की स्थापना हुई। इस संगठन का उद्देश्य केवल ब्रिटिश शासन का विरोध करना नहीं बल्कि एक ऐसे स्वतंत्र, गणराज्यात्मक भारत की स्थापना करना था, जहां शोषण और अन्याय का कोई स्थान न हो।

एचआरए के प्रमुख सदस्यों में राम प्रसाद बिस्मिल, योगेशचंद्र चटर्जी, शचीन्द्रनाथ बख्शी जैसे साहसी क्रांतिकारी शामिल थे। बाद में चंद्रशेखर आजाद और भगत सिंह जैसे तेजस्वी क्रांतिकारी भी इस विचारधारा से जुड़े। संगठन का स्पष्ट मत था कि क्रांति के लिए संसाधन चाहिए और संसाधनों के लिए धन। लेकिन चंदा मांगना न केवल संगठन की गोपनीयता को खतरे में डाल सकता था बल्कि अंग्रेजी खुफिया तंत्र को भी सतर्क कर सकता था। ऐसे में निर्णय लिया गया कि ब्रिटिश सरकार के ही खजाने को निशाना बनाया जाए। इस विचार को कार्यरूप देने की जिम्मेदारी संगठन के सेनापति पं. राम प्रसाद बिस्मिल को सौंपी गई। प्रारंभिक प्रयासों में क्रांतिकारियों ने कुछ धन जुटाने की कोशिश की, लेकिन वह हथियारों और क्रांतिकारी गतिविधियों के लिए पर्याप्त नहीं था। अंततः यह निर्णय लिया गया कि सीधे सरकारी खजाने पर हाथ डाला जाए। यह फैसला न केवल साहसिक था बल्कि अत्यंत जोखिम भरा भी, क्योंकि असफलता की स्थिति में इसका परिणाम मृत्यु या आजीवन कारावास हो सकता था।

8 अगस्त 1925 को बिस्मिल के घर एक गुप्त बैठक हुई, जिसमें ब्रिटिश सरकार के खजाने को लूटने की विस्तृत योजना बनाई गई। अगले ही दिन 9 अगस्त 1925 को एचआरए के दस क्रांतिकारी सहारनपुर-लखनऊ पैसेंजर ट्रेन में सवार हुए। इनमें राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खान, चंद्रशेखर आजाद, राजेंद्र लाहिड़ी, शचीन्द्रनाथ बख्शी, मन्मथनाथ गुप्त, मुरारी शर्मा, बनवारी लाल, केशव चक्रवर्ती और मुकुंदी लाल शामिल थे। लखनऊ के निकट काकोरी रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन की चेन खींचकर उसे रोका गया। योजना के अनुसार, राजेंद्र लाहिड़ी ने नेतृत्व संभाला और कुछ ही क्षणों में सरकारी खजाने को कब्जे में ले लिया गया। यह कार्रवाई इतनी सुनियोजित थी कि यात्रियों को अधिक नुकसान नहीं हुआ। हालांकि दुर्भाग्यवश एक आकस्मिक गोली चलने से एक यात्री की मृत्यु हो गई, जिसे बाद में ब्रिटिश सरकार ने पूरे मामले को और अधिक संगीन बनाने के लिए प्रमुख आधार बनाया।

इस लूट में कुल 4601 रुपये प्राप्त हुए, जो उस समय एक बड़ी राशि थी। अगले ही दिन यह खबर अखबारों के माध्यम से पूरे देश और विदेश में फैल गई। लंदन के हाउस ऑफ कॉमन्स तक में इस घटना की चर्चा हुई। ब्रिटिश सरकार हिल गई और उसने इसे अपनी सत्ता के लिए खुली चुनौती माना। इसके बाद जो दमनचक्र चला, वह भारतीय इतिहास के सबसे कठोर अभियानों में से एक था। ब्रिटिश सरकार ने एचआरए के लगभग 40 क्रांतिकारियों के खिलाफ मुकदमा चलाया। लंबी सुनवाई और कठोर पूछताछ के बाद अंग्रेजी अदालत ने चार क्रांतिकारियों को फांसी की सजा सुनाई। राजेंद्रनाथ लाहिड़ी को 17 दिसम्बर 1927 को गोंडा जेल में फांसी दी गई। इसके दो दिन बाद 19 दिसम्बर 1927 को राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खान और रोशन सिंह को अलग-अलग जेलों में फांसी दे दी गई। इन फांसियों ने पूरे देश को झकझोर दिया। हिंदू-मुस्लिम एकता की अद्भुत मिसाल बने बिस्मिल और अशफाक की मित्रता ने यह सिद्ध कर दिया कि स्वतंत्रता संग्राम किसी एक धर्म या समुदाय का नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र का संघर्ष था। उनकी शहादत ने असहयोग आंदोलन के बाद ठहर गई क्रांतिकारी चेतना को फिर से प्रज्वलित कर दिया।

काकोरी कांड का सबसे अनछुआ पहलू यह है कि यह केवल धन लूट की घटना नहीं थी बल्कि यह एक वैचारिक विद्रोह था, जिसका उद्देश्य अंग्रेजी शासन की नैतिक वैधता को चुनौती देना और यह संदेश देना था कि भारत अब दासता स्वीकार नहीं करेगा। इस घटना ने आगे चलकर भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद और सुभाष चंद्र बोस जैसे नेताओं को भी गहराई से प्रभावित किया। आज, जब हम काकोरी शहीद दिवस मनाते हैं तो यह केवल अतीत को स्मरण करने का अवसर नहीं है बल्कि वर्तमान और भविष्य के लिए प्रेरणा लेने का दिन है। काकोरी के शूरवीरों ने हमें सिखाया कि स्वतंत्रता केवल अधिकार नहीं बल्कि कर्त्तव्य भी है उसकी रक्षा का, उसकी गरिमा बनाए रखने का। काकोरी कांड के शहीदों का बलिदान भारतीय इतिहास में सदैव अमर रहेगा। उनका साहस, त्याग और राष्ट्रप्रेम आने वाली पीढ़ियों को यह याद दिलाता रहेगा कि भारत की आजादी यूं ही नहीं मिली बल्कि इसके पीछे अनगिनत वीरों का लहू बहा है। भारत आज भी उनका ऋणी है और सदैव रहेगा।

स्वतंत्र भारत के इतिहास में चुनाव आयोग की प्रतिष्ठा पर सबसे बड़ा संकट

निर्मल रानी

विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारतवर्ष में दुनिया की सबसे जटिल समझी जाने वाली चुनावी प्रक्रिया को अपनाने व इसे पूरा कराने को लेकर जिस केंद्रीय चुनाव आयोग की पीठ पूरी दुनिया थपथपाया करती थी व दुनिया के विभिन्न देशों के संसदीय प्रतिनिधिमंडल व चुनाव विशेषज्ञ जिस भारतीय चुनाव संचालन को देखने व समझने के लिये अब भी भारत आते रहते हैं वही चुनाव व चुनाव आयोग इन दिनों विपक्षी दलों के अति गंभीर आरोपों से जूझ रहा है। चुनाव आयोग व इस तरह के कई अन्य केंद्रीय संस्थानों पर सत्ता का पक्षपात करने के आरोप तो पहले भी लगते रहे हैं। परन्तु वर्तमान चुनाव आयोग जिसतरह सत्ता को फायदा पहुँचाने वाले नए नए चुनावी नियम बना रहा है,विपक्ष की प्रमाण सहित दी जाने वाली शिकयतों की अनसुनी कर रहा है,सत्ता द्वारा चुनाव आचार संहिता की धज्जियाँ उड़ाने के बावजूद आँखें मूंदे बैठा रहता है,और अब एस आई आर के बहाने कथित तौर पर जहाँ करोड़ों फर्जी मतों को जोड़ने की कोशिश की जा रही है वहीँ संभावित रूप से विपक्ष की ओर जाने वाले मतों को चिन्हित कर उन्हें किसी न किसी बहाने से मतदाता सूची से काटने का काम किया जा रहा है। यानी स्पष्ट रूप से लोकततंत्र में लोक के मताधिकार पर डाका डाला जा रहा है।

वैसे तो पूरा विपक्ष ही चुनाव आयोग को केवल संदेह नहीं बल्कि सत्ता से मिलकर संविधान के साथ विश्वासघात किये जाने की दृष्टि से देख रहा है। लोक सभा व राज्य सभा के सर्वोच्च सदनों में चुनाव आयोग को निशाना बनाया जा रहा है। परन्तु नेता विपक्ष राहुल गाँधी ने तो चुनाव आयोग द्वारा की और करायी जाने वाली धांधली पर तो बाकायदा शोध कर डाला है। और वे अपने इस चुनाव धांधली सम्बन्धी शोध परिणाम को प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रदर्शित करने से लेकर जनता जनार्दन के बीच सड़कों व गलियों तक पहुँच रहे हैं। इस संबंध वे अब तक 4 प्रेस कॉन्फ्रेंस कर वोट चोरी के पूरे सबूत पेश कर चुके हैं। इसके अतिरिक्त वे अगस्त-सितंबर 2025 के बीच बिहार में 16 दिनों की 1,300 किमी लंबी वोटर अधिकार यात्रा भी रक्फ़ के विरुद्ध निकाल चुके हैं। इसके अलावा 200 से अधिक सांसदों व विधायकों के साथ वे 11 अगस्त 2025 को दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त मुख्यालय तक एक दिवसीय विरोध प्रदर्शन रुपी पैदल मार्च भी कर चुके हैं। एक ओर तो राहुल चुनाव आयोग द्वारा उपलब्ध कराये गये डेटा के अनुसार ही आयोग द्वारा बरती गयी अनियमितताओं संबंधी साक्ष्य पेश करते हैं तो दूसरी ओर चुनाव आयोग कभी इन आरोपों को बेबुनियाद बता कर अपना पल्ला झाड़ लेता है तो कभी उल्टे राहुल से ही शपथ-पत्र मांगने लगता है।

परन्तु लगता है कि राहुल गांधी और उनकी कांग्रेस पार्टी ने तो गोया चुनाव आयोग को पूरी तरह बेनकाब करने का संकल्प ही कर लिया है। गत 14 दिसंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में कांग्रेस ने एक विशाल रैली आयोजित की। वोट चोर, गद्दी छोड़ के शीर्षक से किये गये इस आयोजन में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने देशभर से लाखों कार्यकर्ता जुटाये। इस रैली का भी मुख्य उद्देश्य हरियाणा, महाराष्ट्र और अन्य राज्यों में हाल के विधानसभा चुनावों में कथित वोट चोरी और मतदाता सूची में हेराफेरी के आरोप लगाना था। इस विशाल रैली में भी कांग्रेस ने भाजपा और चुनाव आयोग पर मिलीभगत का गंभीर आरोप लगाते हुए लोकतंत्र तथा संविधान की रक्षा का संकल्प लिया। इस तरह की किसी रैली में यह पहला मौका था जब कि सीधे तौर पर सबसे तीखा हमला मुख्य चुनाव आयुक्त और उसके दो आयुक्तों पर बोला गया। सांसद प्रियंका गाँधी ने एक बार और राहुल गांधी ने तो दो बार अपने भाषण में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार तथा चुनाव आयुक्तों सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी का नाम लेकर उनपर सीधे निशाना साधा। इन नेताओं ने उनका नाम लेते हुये आरोप लगाया कि चुनाव आयोग भाजपा सरकार के साथ मिलकर काम कर रहा है, वोट चोरी को संरक्षण दे रहा है तथा आयोग निष्पक्ष नहीं है। ये लोग नहीं भूलें कि वे देश के चुनाव आयुक्त हैं, नरेंद्र मोदी के नहीं।राहुल ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनाव आयुक्तों को कानूनी सुरक्षा (इम्यूनिटी) देने वाला कानून बदला है, ताकि उनके खिलाफ कोई कार्रवाई न हो सके। कांग्रेस सत्ता में आने पर इस कानून को बदलेगी और आयुक्तों के खिलाफ कार्रवाई करेगी। यहाँ भी राहुल ने दोहराया कि चुनाव आयोग असत्य के साथ खड़ा नजर आ रहा है। उन्होंने बताया कि कैसे हरियाणा में चुनाव चोरी हुआ, किस तरह कर्नाटक में लाखों वोट डिलीट हुए और महाराष्ट्र में फर्जी वोट जोड़े गए परन्तु चुनाव आयोग ने कोई जवाब नहीं दिया। यहाँ भी राहुल ने चुनावी धांधलियों के कई और उदाहरण पेश किये। यही नहीं बल्कि राहुल गांधी द्वारा देश भर से चुनाव आयोग के विरुद्ध लगभग 6 करोड़ हस्ताक्षर कराए गए हैं। यह अभियान कथित वोट चोरी के आरोपों के खिलाफ चलाया गया था, और इन हस्ताक्षरों को राष्ट्रपति को सौंपने की योजना है। इन 6 करोड़ हस्ताक्षर को भी 14 दिसंबर 2025 को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित वोट चोर गद्दी छोड़ रैली के दौरान प्रदर्शित किया गया।

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश के दूतावास में मनाया गया विजय दिवस, उच्चायुक्त बोले– भारत के साथ संबंध लाभकारी

ढाका, एजेंसी। दिल्ली में बांग्लादेश के दूतावास में विजय दिवस एक सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ मनाया गया। बांग्लादेशी उच्चायुक्त एम रियाज हमीदुल्लाह ने बांग्लादेश की जनता, खासकर युवाओं, की आकांक्षाओं को पूरा करने के प्रति देश की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। हमीदुल्लाह ने कहा कि बांग्लादेश और भारत का आपसी संबंध लाभकारी है, जो समृद्धि, शांति और क्षेत्रीय सुरक्षा पर केंद्रित है। उन्होंने दोनों देशों की साझेदारी को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, पूरा बांग्लादेश और हम सभी अपनी जनता, खासकर युवा पीढ़ी की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारी आबादी बहुत युवा है... हम मानते हैं कि भारत के साथ हमारा संबंध हमारे साझा हित में है। हमारे बीच आपसी निर्भरता है... हम क्षेत्र में समृद्धि, शांति और सुरक्षा पर पूरी तरह ध्यान केंद्रित किए हुए हैं। कार्यक्रम में बांग्लादेश की समृद्ध संस्कृति और विरासत को दिखाया गया और इसके स्वतंत्रता संग्राम और आजादी का जश्न मनाया गया।

गाजा में मूसलाधार बारिश जारी, विस्थापित परिवारों पर टूटा कहर

गाजा , एजेंसी। गाजा में कई दिनों तक हुई मूसलाधार बारिश के बाद हालात बेहद खराब हो गए हैं। भारी बारिश से विस्थापितों के शिविर जलमग्न हो गए, पहले से क्षतिग्रस्त इमारतें ढह गईं और कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में दो सप्ताह का एक नवजात भी शामिल है, जिसकी ठंड लगने से मौत हुई। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार बच्चे को कुछ दिन पहले अस्पताल लाया गया था और आईसीयू में भर्ती किया गया, लेकिन सोमवार को उसकी मौत हो गई। गाजा सिटी में एक और व्यक्ति की जान तब चली गई, जब बारिश के कारण इस्राइली हमलों में क्षतिग्रस्त एक घर गिर गया। बीते एक हफ्ते में कुछ इलाकों में 150 मिलीमीटर से ज्यादा बारिश दर्ज की गई, जिससे कच्चे रास्ते कीचड़ में बदल गए और तंबुओं में पानी भर गया। आपातकर्मियों ने लोगों से क्षतिग्रस्त इमारतों से दूर रहने की अपील की है, लेकिन गाजा में सुरक्षित ठिकानों की भारी कमी है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार लगभग 80 प्रतिशत इमारतें नष्ट या क्षतिग्रस्त हैं। दो महीने से जारी युद्धविराम के बावजूद राहत सामग्री पर्याप्त मात्रा में नहीं पहुंच पा रही है। अधिकतर लोग समुद्र तट के पास तंबुओं में या टूटी इमारतों के बीच रह रहे हैं, जहां जल निकासी की व्यवस्था नहीं है। इस्राइली एजेंसी कोगाट ने दावा किया कि लाखों टेंट और सर्दियों का सामान भेजा गया है, लेकिन राहत संगठनों का कहना है कि जरूरत के मुकाबले मदद बहुत कम है और ठंड से बचाव के साधन बेहद अपर्याप्त हैं।

पाकिस्तान के सिंध में बंदूकधारियों ने 18 बस यात्री अगवा कर लिए

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में अज्ञात बंदूकधारियों ने बस में क्वेटा जा रहा 18 यात्रियों को अगवा कर लिया। घटना सोमवार रात घोटकी के पास घटी, जब हमलावरों ने सिंध–पंजाब सीमा के करीब हाईवे लिंक रोड पर बस पर गोलियां चलाईं। गोलीबारी में चालक व कुछ यात्री घायल हो गए। एक महिला यात्री ने बताया कि घटनास्थल पर कुल 18 से 20 हमलावर मौजूद थे, सभी हथियारबंद थे और उनके चेहरे ढके हुए थे। उन्होंने महिला यात्रियों को कोई क्षति नहीं पहुंचाई।

पाकिस्तान में पोलियो टीम पर हमला, पुलिसकर्मी की हुई हत्या

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पोलियो टीकाकरण अभियान से जुड़े सुरक्षा कर्मियों पर एक और घातक हमला सामने आया है। मंगलवार को लक्की मरवत जिले के छवार खेल इलाके में अज्ञात बंदूकधारियों ने मोटरसाइकिल से आकर एक पुलिस कांस्टेबल और उसके भाई की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, कांस्टेबल पोलियो टीकाकरण टीम के साथ ड्यूटी पूरी करने के बाद अपने भाई के साथ गांव लौट रहा था, तभी रास्ते में हमलावरों ने फायरिंग कर दी। इस हमले में कांस्टेबल अमीर नवाज और उसके भाई अमीर मोहम्मद की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों पूर्व जिला पार्षद अली गुल के भाई बताए गए हैं। घटना के बाद इलाके में दहशत फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा और पूरे इलाके में तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया। शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय अस्पताल ले जाया गया। शाम को दोनों मृतकों की जनाजे की नमाज अदा की गई, जिसमें जिला पुलिस अधिकारी नजीर खान, डिप्टी कमिश्नर हमीदुल्लाह खान, एसपी जांच मुराद अली खान समेत कई वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे। इससे पहले इसी दिन बाजौर जिले में भी पोलियो ड्यूटी पर तैनात एक अन्य पुलिस कांस्टेबल और एक राहगीर की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। लगातार हो रहे इन हमलों ने पाकिस्तान में पोलियो टीकाकरण अभियान की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता खड़ी कर दी है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने 20 और देशों पर अमेरिकी यात्रा प्रतिबंध बढ़ाया

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यात्रा प्रतिबंधों को और सख्त करने का आदेश जारी किया है। इस आदेश के तहत 20 और देशों के साथ-साथ फिलिस्तीनी अथॉरिटी को भी प्रतिबंध सूची में जोड़ दिया गया है। इस कदम से अमेरिका आने या इमिग्रेट करने वालों पर लगाई गई सीमाएं काफी बढ़ गई हैं। अब कुल पांच देशों पर अमेरिका में प्रवेश का पूरी तरह प्रतिबंध है। वहीं 15 देशों के नागरिकों पर आंशिक रोक लगाई गई है। प्रशासन ने फिलिस्तीनी अथॉरिटी द्वारा जारी यात्रा दस्तावेजों का उपयोग करने वाले लोगों की यात्रा पर भी पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया है। व्हाइट हाउस ने कहा कि यह कदम अमेरिका में प्रवेश से जुड़े नियमों को और कड़ा करने के लिए उठाया गया है। सरकार का कहना है कि यह फैसला सुरक्षा चिंताओं से जुड़ा है। अधिकारियों ने हाल ही में व्हाइट हाउस के पास दो नेशनल गार्ड जवानों पर गोलीबारी के आरोपी एक अफगान नागरिक की गिरफ्तारी का भी हवाला दिया।हालांकि, इन प्रतिबंधों में कुछ छूट भी दी गई है। जिन लोगों के पास पहले से वैध

अमेरिकी वीजा है, उन पर यह रोक लागू नहीं होगी। स्थायी निवास की अनुमति वाले लोग, राजनयिक, खिलाड़ी और कुछ अन्य श्रेणियों के वीज़ा धारक भी इससे बाहर रखे गए हैं। अगर किसी व्यक्ति का प्रवेश अमेरिका के हित में माना गया, तो उसे अनुमति मिल सकती है। सरकार ने यह नहीं बताया है कि ये नए नियम कब से लागू होंगे।

ट्रंप ने पहली बार ऐसे यात्रा प्रतिबंध जून में लगाए थे। तब 12 देशों के नागरिकों को अमेरिका में प्रवेश से पूरी तरह रोका गया था और सात देशों पर आंशिक पाबंदी लगाई गई थी। यह नीति ट्रंप के पहले कार्यकाल की चर्चित नीति की याद दिलाती है। जून के प्रतिबंध में अफगानिस्तान, म्यांमार, चाड, कांगो गणराज्य, इक्वेटोरियल गिनी, इरिट्रिया, हैती, ईरान, लीबिया, सोमालिया, सूडान और यमन शामिल थे। बुरुंडी, क्यूबा, ??लाओस, सिएरा लियोन, टोगो, तुर्कमेनिस्तान और वेनेजुएला पर आंशिक प्रतिबंध लगाए गए थे। मंगलवार को, प्रशासन ने बुर्किना फासो, माली, नाइजर, दक्षिण सूडान और सीरिया को पूर्ण-प्रतिबंध सूची में जोड़ा। फ़िलिस्तीनी अथॉरिटी के दस्तावेजों पर भी पूरी रोक लगा दी गई है। दक्षिण सूडान पहले से ही कड़े प्रतिबंधों में था। आंशिक प्रतिबंध की सूची में 15 नए देश जोड़े गए हैं। इनमें अंगोला, एंटीगुआ और बारबुडा, बेनिन, आइवरी कोस्ट, डोमिनिका, गैबॉन, गाम्बिया, मलावी, मॉरिटानिया, नाइजीरिया, सेनेगल, तंज़ानिया, टोंगा, ज़ाम्बिया और जिम्बाब्वे शामिल हैं।

ये प्रतिबंध घूमने आने वाले लोगों और स्थायी रूप से बसने की कोशिश करने वालों, दोनों पर लागू होंगे।

अपने आदेश में ट्रंप ने कहा कि इन देशों में भ्रष्टाचार फैला हुआ है, सरकारी दस्तावेज अविश्वसनीय हैं और अपराध से जुड़े रिकॉर्ड ठीक से उपलब्ध नहीं हैं। इससे यात्रियों की सही जांच करना मुश्किल हो जाता है। सरकार ने यह भी कहा कि कई देशों के नागरिक वीजा अवधि खत्म होने के बाद भी अमेरिका में रुक जाते हैं और कुछ देश अपने नागरिकों को वापस लेने से इनकार कर देते हैं। सरकार ने यह भी कहा कि कुछ देशों में अस्थिरता और कमजोर शासन व्यवस्था है, जिससे सुरक्षा, विदेश नीति और आव्रजन से जुड़े खतरे बढ़ते हैं। इस बीच, लाओस और सिएरा लियोन को आंशिक रोक से हटाकर पूरी रोक वाले देशों में डाल दिया गया है। वहीं तुर्कमेनिस्तान पर लगाए गए प्रतिबंधों में कुछ ढील दी गई है, क्योंकि वहां सुधार बताए गए हैं। जून में घोषित बाकी सभी प्रावधान अभी भी लागू हैं। ट्रंप के पहले कार्यकाल में भी यात्रा प्रतिबंध बड़ा मुद्दा रहे थे, जिनके खिलाफ विरोध प्रदर्शन और कानूनी चुनौतियां शुरू हुई थी। बाद में अदालतों ने संशोधित नियमों को सही ठहराया। समर्थकों का कहना है कि इससे देश की सुरक्षा मजबूत होती है, जबकि आलोचकों का मानना है कि यह लोगों को उनके देश के आधार पर अनुचित रूप से निशाना बनाता है।

कनाडाई शिष्टमंडल के वेस्ट बैंक जाने पर रोक, इस्राइल का आरोप- आतंकी संगठन से संबंध

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल ने मंगलवार को कनाडा से आए एक निजी प्रतिनिधिमंडल को कब्जे वाले वेस्ट बैंक में प्रवेश करने से रोक दिया। इस दल में कनाडा की संसद के छह सदस्य (सांसद) शामिल थे। कनाडा में इस्राइल के दूतावास ने कहा कि इस समूह को इसलिए रोका गया क्योंकि इसके कुछ संबंध इस्लामिक रिलीफ वर्ल्डवाइड नाम की संस्था से बताए जा रहे हैं। इस्राइल इस संस्था को आतंकी संगठन मानता है। इस मामले पर कनाडा की विदेश मंत्री अनिता आनंद ने सोशल मीडिया पर कहा कि कनाडा सरकार ने अपने नागरिकों, खासकर सांसदों, के साथ हुए इस बर्ताव पर आपत्ति जताई है।

इतना ही नहीं कनाडा के पीएम मार्क कार्नी की लिबरल पार्टी की ओंटारियो से सांसद इकरा खालिद ने सीमा पर खड़े इस्राइली सुरक्षाकर्मियों पर धक्का-मुक्की का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि वह भी इस प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि इस्राइली सीमा अधिकारियों ने उन्हें कई बार धक्का दिया।

दावा- इस्राइली अधिकारियों ने सांसदों को दिया धक्का : मामले में इकरा खालिद ने कहा कि जब वह अपने दल के एक सदस्य की मदद के लिए आगे बढ़ीं, तब उन्हें धक्का दिया गया। यह घटना एलेनबी बॉर्डर क्रॉसिंग पर हुई, जो जॉर्डन और इस्राइल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक के

बीच स्थित है। उन्होंने यह भी कहा कि अधिकारियों को पता था कि वह सांसद हैं, क्योंकि उनके पास विशेष सरकारी पासपोर्ट था, जो आम कनाडाई पासपोर्ट से अलग दिखता है।

अब समझिए क्या है इस्राइल का पक्ष : वहीं इस घटना पर इस्राइली दूतावास ने बताया कि इस्राइल उन लोगों और संगठनों को देश में प्रवेश की अनुमति नहीं देगा, जिनका संबंध घोषित आतंकी संगठनों से है। इस प्रतिनिधिमंडल को 'कनाडाई-मुस्लिम वोट' नाम के संगठन ने प्रायोजित किया था। यह समूह वेस्ट बैंक में विस्थापित फलस्तीनियों से मिलने वाला था। इस्राइल का कहना है कि इस संगठन को ज्यादातर फंडिंग इस्लामिक रिलीफ कनाडा से मिलती है, जो इस्लामिक रिलीफ वर्ल्डवाइड से जुड़ा हुआ है। इस्राइल इस पूरी संस्था को आतंकी संगठन मानता है। वहीं इस मामले में कनाडा में नेशनल काउंसिल ऑफ कनाडियन मुसलिम्स ने कहा कि इस्राइल द्वारा कनाडा के सांसदों को प्रवेश न देने से पारदर्शिता और जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं।

मोजांबिक के राष्ट्रपति से मिली जॉर्जिया मेलोनी; हाइट में अंतर वाली तस्वीर वायरल

रोम, एजेंसी। इटली प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की मोजांबिक के राष्ट्रपति डेनियल फ्रांसिस्को चापो से पिछले हफ्ते रोम में हुई मुलाकात सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है। मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं के बीच हाइट के बड़े अंतर ने सबका ध्यान खींच लिया। मेलोनी राष्ट्रपति चापो से मिलने आगे बढ़ीं तो ऊपर देखकर थोड़ा हैरान हो गईं, फिर शरमाते हुए मुस्कुराईं और फोटो खिंचवाने के लिए पोज किया।

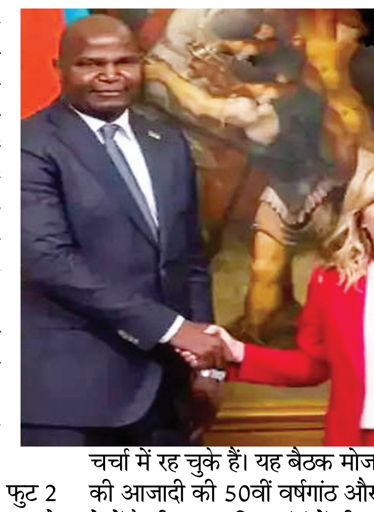

48 साल के राष्ट्रपति चापो की लंबाई करीब 6 फुट 8 इंच है, जबकि मेलोनी की लंबाई करीब 5 फुट 2 इंच है। इस बड़े अंतर की वजह से फोटोग्राफर्स को दोनों को एक ही फ्रेम में कैद करने में काफी मुश्किल हुई, कई फोटोग्राफर्स झुक गए, तो कुछ जमीन पर लेटकर तस्वीरें लेने लगे।

राष्ट्रपति चापो बास्केटबॉल के शौकीन हैं और पहले भी अन्य विश्व नेताओं के साथ तस्वीरों में अपनी लंबाई की वजह से चर्चा में रह चुके हैं। यह बैठक मोजांबिक की आजादी की 50वीं वर्षगांठ और दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 50वीं वर्षगांठ के मौके पर हुई। दोनों नेताओं ने ऊर्जा, व्यापार और विकास जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग पर बात की। इस प्लान में ऊर्जा तक पहुंच, सतत कृषि, व्यावसायिक प्रशिक्षण, डिजिटलीकरण और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने जैसे कई संयुक्त प्रोजेक्ट शामिल हैं।

नीरव मोदी के प्रत्यर्पण पर फिर टला लंदन कोर्ट का फैसला, मार्च 2026 में होगी अगली सुनवाई

लंदन, एजेंसी। पंजाब नेशनल बैंक से जुड़े करीब 2 अरब डॉलर के धोखाधड़ी मामले के मुख्य आरोपी भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी के भारत प्रत्यर्पण की प्रक्रिया में एक बार फिर देरी हो गई है. लंदन हाई कोर्ट ने नीरव मोदी की उस अर्जी पर सुनवाई मार्च 2026 तक के लिए टाल दी है, जिसमें उसने अपने प्रत्यर्पण के खिलाफ अपील को दोबारा खोलने की अनुमति मांगी थी. सुनवाई के दौरान कोर्ट में यह बात सामने आई कि नीरव मोदी द्वारा प्रत्यर्पण रोकने के लिए अपनाया गया कोई 'गोपनीय कानूनी रास्ता' (संभवतः शरण की अर्जी) अगस्त में विफल हो गया है. इसके तुरंत बाद उसने अपनी अपील को दोबारा खोलने की यह नई याचिका दायर की. भारत की 'मजबूत गारंटी' और कोर्ट का

रुख लंदन के रॉयल कोर्ट्स ऑफ जस्टिस में जस्टिस जेरेमी स्टुअर्ट-स्मिथ और जस्टिस रॉबर्ट जे की पीठ ने सुनवाई की. भारतीय अधिकारियों (सीबीआई और ईडी) ने नीरव मोदी को मुंबई की आर्थर रोड जेल में रखने और उससे पूछताछ को लेकर 'पुख्ता संप्रभु आश्वासन' पेश किए.

मार्च 2026 में होगी अगली सुनवाई : हालांकि, नीरव के वकीलों ने दावा किया कि ये आश्वासन पर्याप्त नहीं हैं और भारत में उनके मुवक्किल के साथ 'अमानवीय व्यवहार' का खतरा है. अदालत ने नीरव के वकीलों को इन आश्वासनों का जवाब देने के लिए समय देते हुए अगली सुनवाई मार्च 2026 तक टाल दी.

जज ने इस देरी पर टिप्पणी करते हुए इसे 'बेहद निराशाजनक' बताया. अगर मार्च-अप्रैल 2026 में होने वाली दो दिवसीय सुनवाई में नीरव की अर्जी खारिज हो जाती है, तो उसके प्रत्यर्पण का रास्ता पूरी तरह साफ हो जाएगा. नीरव मोदी, जो इस समय उत्तरी लंदन की पेंटनविल जेल में बंद है, वीडियो लिंक के जरिए अदालत में पेश हुआ. कोर्ट ने तय किया कि अब यह मामला 'रोल्ड-अप हियरिंग' के तौर पर सुना जाएगा, जिसमें यह तय होगा कि अपील दोबारा खोलने की अनुमति दी जाए या नहीं. नीरव मोदी के वकीलों ने संजय भंडारी केस का हवाला देते हुए दावा किया कि भारत में उसे अमानवीय व्यवहार का खतरा है. हालांकि, भारतीय पक्ष ने इस तुलना को पूरी तरह खारिज करते हुए कहा कि नीरव मोदी के मामले में पहले से ही पर्याप्त और विश्वसनीय आश्वासन दिए जा चुके हैं. आपको बता दें कि नीरव मोदी पर भारत में तीन बड़े आपराधिक मामले चल रहे हैं- पीएनबी बैंक घोटाला, मनी लॉन्ड्रिंग और सबूतों से छेड़छाड़. साल 2019 में गिरफ्तारी के बाद से वह लगातार कानूनी रास्तों से प्रत्यर्पण टालने की कोशिश करता रहा है.

वॉट्सऐप का विकल्प लाया पाकिस्तान, सरकारी कर्मचारी अब करेंगे 'बीप'; चीन से क्या कनेक्शन

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने सुरक्षा और खुफिया चिंताओं के चलते वॉट्सऐप का विकल्प तैयार कर लिया है। पाकिस्तानी सरकार का कहना है कि वॉट्सऐप पर मेसेज भेजने और जरूरी दस्तावेजों को शेयर करने से खुफिया खतरे हैं। ऐसी स्थिति में हम एक स्थानीय स्तर पर तैयार ऐप 'बीप' लेकर आ रहे हैं। यह प्लेटफॉर्म अगले दो महीने में ही लॉन्च हो सकता है। पाकिस्तान की नेशनल असेंबली की स्टैंडिंग कमेटी का कहना है कि जून, 2026 तक यह ऐप पूरे देश के कर्मचारियों तक पहुंच जाएगा। इस ऐप को चीन के वीचैट ऐप की तर्ज पर तैयार किया गया है। पाकिस्तान के नेशनल इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी बोर्ड की ओर से इसे स्थानीय स्तर पर ही तैयार किया गया है।

इसे आधिकारिक इस्तेमाल के लिए तैयार किया जा रहा है। कमेटी के चेयरमैन सैयद अमिनुल हक का कहना है कि इस ऐप से सरकारी कर्मचारियों की सूचनाओं को सुरक्षा मिलेगी। किसी दूसरे देश तक हमारी संवेदनशील जानकारियां नहीं पहुंच सकेंगी। उन्होंने कहा कि क्ष्श्वक्षको तैयार करने की वजह यह है कि वॉट्सऐप का सर्वर दूसरे देश में स्थित है। ऐसे में जानकारी लीक होने और जासूसी के खतरे बने रहते हैं। ऐसी स्थिति में एक स्थानीय ऐप हर तरह से सुरक्षा प्रदान करेगा। चीन तो सालों से ऐसी ही नीति पर काम कर रहा है। पाकिस्तान सरकार का कहना है कि इस ऐप को चरणबद्ध तरीके से अलग-अलग विभागों में लागू किया जाएगा।

मेटा के मालिकाना हक वाले वॉट्सऐप को लेकर दुनिया भर में चिंताएं जताई जाती रही हैं। पाकिस्तान का कहना है कि वॉट्सऐप पर सरकारी संस्थानों के लोग वॉइस कॉल करते हैं। वीडियो कॉल किए जाते हैं और मीडिया शेयरिंग भी होती है। लेकिन इसके डेटा सर्वर देश से बाहर हैं। बीप के सर्वर पाकिस्तान में होंगे। इसलिए उसकी सुरक्षा तय हो सकेगी। पाकिस्तान सरकार का स्पष्ट कहना है कि इस ऐप को हमने चीन के वीचेट की तर्ज पर तैयार किया है। सरकारी कर्मचारियों के बीच बेहतर समन्वय और सूचनाओं के सुरक्षित आदान-प्रदान के लिए इस ऐप को अहम माना जा रहा है।

'ड्रग्स लेते थे मस्क, हर घटना के पीछे साजिश देखते हैं वेंस', अमेरिकी अफसर का दावा

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। व्हाइट हाउस की वरिष्ठ अधिकारी सूसी वाइल्स ने एक पत्रिका को दिए इंटरव्यू में चौंकाने वाले खुलासे किए। उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीब लोगों के बारे में स्पष्ट और आलोचनात्मक टिप्पणियां कीं। उन्होंने यह भी कहा कि टेस्ला के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एलन मस्क केटामाइन (ड्रग) का सेवन करते थे। उन्होंने उप राष्ट्रपति जेडी वेंस को 'बिना सबूतों के हर बड़ी घटना के पीछे गोपनीय साजिश मानने वाला व्यक्ति' और बजट प्रमुख रस वॉट को 'कट्टर दक्षिणपंथी' बताया। उन्होंने जेफरी एपस्टीन से जुड़े दस्तावेजों को संभालने के तरीके को लेकर अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी की भी आलोचना की। इस इंटरव्यू के सामने आने के व्हाइट हाउस ने उनके बयानों को ज्यादा गंभीरता से नहीं लिया। हालांकि, सूसी वाइल्स ने सोशल मीडिया पर लिखा कि इस खबर में जरूरी संदर्भों को नजरअंदाज किया गया और इसे जानबूझकर गलत तरीके से पेश किया गया। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट ने सूसी वाइल्स का समर्थन करते हुए कहा कि ट्रंप के पास सूसी से बड़ा या उनसे ज्यादा वफादार सलाहकार कोई नहीं है। लीविट ने एक्स पर कहा, 'पूरा प्रशासन उनके स्थिर नेतृत्व के लिए आभारी है और पूरी तरह उनके साथ खड़ा है।' लेकिन यह इंटरव्यू फिर से राष्ट्रपति और उनकी नीतियों पर सवाल खड़े कर सकता है और पुराने मतभेद, खासकर मस्क के साथ फिर से टकराव पैदा कर सकता है। वाइल्स ने मस्क के बारे में कहा, वह पूरी तरह अकेले काम करने वाले व्यक्ति हैं। एलन के साथ चुनौती यह है कि उनकी गति के साथ कदम मिलाना मुश्किल है। जब उनसे पूछा गया कि मस्क ने एक्स पर जो पोस्ट शेयर की थी, जिसमें कहा गया था कि सरकारी कर्मचारी एडॉल्फ हिटलर, जोसेफ स्टालिन और माओ जेदोंग के समय लाखों मौतों के लिए जिम्मेदार थे, इसके बारे में उनका क्या विचार है, तो वाइल्स ने कहा, मुझे लगता है उस समय वह हल्का ड्रग (माइक्रोडोजिंग) का इस्तेमाल कर रहे थे।

नेतन्याहू से मिले एस जयशंकर, भारत और इस्राइल की साझेदारी को नई ऊंचाई देने पर जोर

तेल अवीव, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर इन दिनों इस्राइल के दौरे पर हैं। उनका ये दौरा भारत और इस्राइल के रिश्तों को और मजबूती देने की दिशा में बड़ा कूटनीतिक कदम माना जा रहा है। इस दौरान भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात की और दोनों देशों के बीच कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। जयशंकर ने कहा कि भारत और इस्राइल की रणनीतिक साझेदारी आगे और मजबूत होगी। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि उन्होंने नेतन्याहू को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शुभकामनाएं भी दीं है। जयशंकर और नेतन्याहू ने तकनीक, आर्थिक क्षेत्र, कौशल और प्रतिभा, कनेक्टिविटी और सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। नेतन्याहू ने भी जयशंकर से मुलाकात के बाद सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि दोनों देशों के बीच साझेदारी को और मजबूत करने की दिशा में काम जारी रहेगा।

निर बरकास से की मुलाकात : पीएम के बाद विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मंगलवार को यरूशलम में इस्राइल के अर्थव्यवस्था और उद्योग मंत्री निर बरकात से मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के बीच निवेश, नवाचार और व्यापारिक सहयोग को आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई। जयशंकर ने भरोसा जताया कि भारत-इस्राइल मुक्त व्यापार समझौता जल्द पूरा होगा, जिससे आर्थिक साझेदारी को नई गति मिलेगी। दो दिन के इस्राइल दौरे पर पहुंचे जयशंकर ने देश के शीर्ष नेतृत्व से भी बातचीत की। उन्होंने इस्राइल के विदेश मंत्री गिडियन साअर, राष्ट्रपति इसहाक हरजोग और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात की। यह यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब प्रधानमंत्री नेतन्याहू के प्रस्तावित भारत दौरे की तैयारियां चल रही हैं। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेतन्याहू के बीच फोन पर बातचीत हुई थी, जिसके बाद इस्राइली प्रधानमंत्री ने जल्द

मुलाकात का संकेत दिया था।

एफटीए से निवेश और नवाचार को बढ़ावा : जयशंकर ने निर बरकात के साथ बैठक के बाद कहा कि दोनों देशों ने निवेश और नवाचार सहयोग को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई है। उन्होंने कहा कि भारत-इस्राइल मुक्त व्यापार समझौता जल्द पूरा होने से आर्थिक साझेदारी को बड़ा लाभ मिलेगा। दोनों देश तकनीक, स्टार्टअप, उद्योग और व्यापार के क्षेत्र में एक-दूसरे के पूरक हैं और इसका लाभ उठाने की जरूरत है।

आतंकवाद पर भारत-इस्राइल की सख्त नीति : जयशंकर ने सिडनी के बॉन्डी बीच पर हनुक्का समारोह के दौरान हुए आतंकी हमले की कड़े शब्दों में निंदा की। उन्होंने कहा कि भारत और इस्राइल दोनों ही आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर चलते हैं। जयशंकर ने इस्राइल को भारत के आतंकवाद विरोधी संघर्ष में लगातार समर्थन देने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के हर रूप और स्वरूप के खिलाफ दोनों देश एकजुट हैं।

रणनीतिक साझेदारी और क्षेत्रीय शांति : विदेश मंत्री ने कहा कि पिछले एक दशक में भारत-इस्राइल रणनीतिक साझेदारी काफी मजबूत हुई है। इसमें सरकार से सरकार, कारोबार से कारोबार और लोगों से लोगों के बीच संपर्क शामिल है। जयशंकर ने गाजा शांति योजना के प्रति भारत के समर्थन को दोहराया और उम्मीद जताई कि इससे क्षेत्र में स्थायी और टिकाऊ शांति का रास्ता खुलेगा। उच्चस्तरीय दौरे और बढ़ता सहयोग जयशंकर का यह दौरा ऐसे समय हो रहा है, जब दोनों देशों के बीच लगातार उच्चस्तरीय आदान-प्रदान हो रहा है। इस साल इस्राइल के कई मंत्री भारत आ चुके हैं। हाल ही में दोनों देशों ने द्विपक्षीय निवेश संधि पर हस्ताक्षर किए और प्रस्तावित एफटीए के लिए नियम तय किए गए। रक्षा क्षेत्र में भी दोनों देशों ने उन्नत तकनीक साझा करने और सह-विकास पर अहम समझौता किया है। जयशंकर इससे पहले अबू धाबी में सर बनी यास फोरम में शामिल हुए थे और भारत-यूएई संयुक्त आयोग की बैठक में भी भाग लिया था। इस्राइल दौरे के बाद उनके कार्यक्रम से साफ है कि भारत पश्चिम एशिया में अपने रणनीतिक और आर्थिक रिश्तों को और गहराई देना चाहता है। भारत-इस्राइल साझेदारी आने वाले समय में व्यापार, सुरक्षा और तकनीक के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक पहुंचने की दिशा में बढ़ रही है।

जानकारी

हाथ धोने के लिए पानी ठंडा हो या गर्म

जानें बैक्टीरिया मारने में कौन सबसे ज्यादा असरदार

हाथ धोने का महत्व आज ज्यादातर लोग समझ चुके हैं। जो लोग अब भी गंदे हाथों से खाना-पीना करते हैं, उनके लिए 1 से 7 दिसंबर तक हैंडवॉशिंग अवेयरनेस वीक यानी हाथ धो कर साफ रखने के लिए जागरूकता सप्ताह मनाया जा रहा है। ठंड के मौसम में इस तरह की सफाई का ख्याल रखना और जरूरी हो जाता है, क्योंकि ठंडे पानी से हर कोई दूर रहना चाहता है। कई लोग यह दलील देते हैं कि गर्म पानी से हाथ धोना फायदेमंद होता है और इससे बैक्टीरिया ज्यादा मरते हैं। लेकिन क्या यह बात सच है? ताजा वैज्ञानिक अध्ययन में इस बात का जवाब दिया गया है कि क्या गर्म पानी और ठंडे पानी से हाथ धोने में कोई फर्क है?

जर्नल ऑफ फूड प्रोटेक्शन में प्रकाशित ताजा रिसर्च के अनुसार, हाथ गर्म पानी से धोए जाएं या ठंडे से, कोई फर्क नहीं पड़ता है। खतरनाक बैक्टीरिया का सफाया करने में दोनों समान रूप से कारगर हैं। इतना जरूर है कि गर्म पानी में साबुन अच्छी तरह पिघल जाता है। इससे भी कई लोगों को लगता है कि गर्म पानी ज्यादा आसानी से बैक्टीरिया मारता है, लेकिन अब यह बात गलत साबित हुई है।

नए अध्ययन में विभिन्न पहलुओं से गर्म और ठंडे पानी के असर की जांच की गई, जैसे साबुन की मात्रा, पानी का तापमान, हाथ धोने में लगाया गया समय और साबुन कितना असरदार है।

10 सेकंड तक धोएं हाथ, पानी गर्म हो या ठंडा

अध्ययन में पाया गया कि पानी के तापमान का बैक्टीरिया को कम करने पर महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ा। चाहे यह 38 डिग्री सेल्सियस या 16 डिग्री सेल्सियस था, शोधकर्ताओं ने बैक्टीरिया में कमी में कोई अंतर नहीं पाया। इसके अलावा, अध्ययन से पता चला कि कीटाणुओं को दूर करने के लिए 10 सेकंड तक हाथ धोना काफी प्रभावी होता है।

ठंड में बरतें यह सावधानी

ठंड में कई लोगों को सुखी त्वचा की समस्या से जूझना पड़ता है, खासतौर पर ऐसा हाथों में अधिक होता है। अक्सर साबुन में पाए जाने वाले रसायन हाथों की त्वचा को ड्राय बना देते हैं। ऐसे लोगों को साबुन से हाथ धोने से बचना चाहिए। जो लोग पानी के संपर्क में बहुत समय बिताते हैं, उन्हें रबर के दास्ताने पहनकर काम करना चाहिए। लंबे समय तक पानी के संपर्क में रहने से हाथ ड्राय हो सकते हैं क्योंकि यह त्वचा में मौजूद प्राकृतिक ऑयल को धो देता है।

पानी का काम नहीं कर सकता हैंड सैनिटाइजर

डॉ. दीप्शा अग्रवाल के अनुसार, हैंड सैनिटाइजर का उपयोग हाथ साफ करने के लिए किया जाता है, लेकिन साबुन से हाथ धोने से अच्छा कुछ भी नहीं है। इससे ही हमारे हाथों पर जमे कीटाणु 100 फीसदी तक खत्म हो सकते हैं। इसलिए हैंड सैनिटाइजर का उपयोग वहीं करना चाहिए, वहां पानी से हाथ धोने की सुविधा नहीं है। हैंड सैनिटाइजर खरीदते समय ध्यान रखें कि कहीं उसमें ट्राइक्लोसेन या थाइलेड्स कैमिकल तो नहीं हैं। ये दोनों कैमिकल हानिकारक होते हैं। खासतौर पर थाइलेड्स त्वचा के जरिए ब्लड में जा सकता है और बहुत नुकसान पहुंचा सकता है।

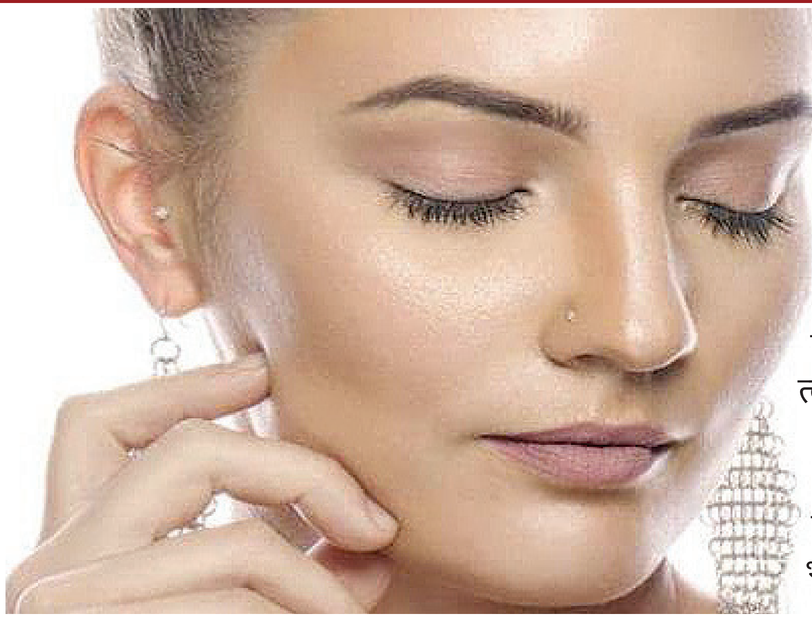

ड्राई स्किन या सूखी त्वचा असल में बड़ी समस्या नहीं है, लेकिन ध्यान न दिए जाने पर यह एक्जिमा (लाल चकत्ते) या घावों से खून के रिसाव की वजह बनती हैं। एक अन्य संभावित परेशानी सेकंडरी बैक्टीरियल इन्फेक्शन (लाल त्वचा, सूजन, पस) होता है जिसमें एंटीबायोटिक्स लेने की जरूरत पड़ जाती है। बहुत कम मामलों में ही सही, सूखी त्वचा का एलर्जी से भी संबंध पाया जाता है।

सर्दियों में ड्राई स्किन से हैं परेशान

आजमाएं ये घरेलू नुस्खे झट से मिलेगा आराम

त्वचा में नमी रखें

त्वचा को सूखने से बचाने का सबसे आसान उपाय उसे नम रखना है। स्किन मॉइस्चराइजर इस काम में आपकी बहुत ज्यादा मदद कर सकते हैं। खास बात यह है कि मॉइस्चराइजर जितना ज्यादा गाढ़ा और चिकना होगा, उतना ही ज्यादा प्रभावी होगा। इसमें तीन तरह की मुख्य वस्तुएं होती हैं-

1- ह्यूमेक्टेंट्स जो नमी को आकर्षित करते हैं और इसमें सेरेमाइड्स, ग्लिसरीन, सॉर्बिटॉल, हायएल्यूरोनिक एसिड और लेसिथिन होते हैं।

2- दूसरा समूह होता है पेट्रोलेटम (पेट्रोलियम जेली), सिलिकॉन, लेनोलिन और मिनरल ऑइल का। यह नमी को त्वचा में ही कायम रखने में मदद करते हैं।

3- लिनोलेइक, लिनोलेनिक और लॉरिक एसिड्स जैसे एमोलिएंट्स। यह त्वचा के सेल्स के बीच की जगहों को भरकर उसे मुलायम बनाए रखते हैं।

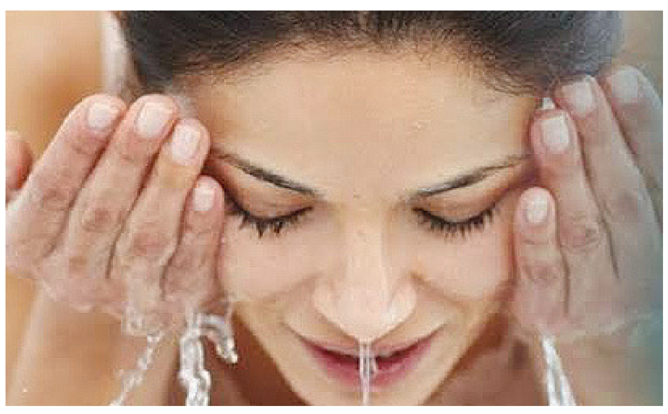

कुल मिलाकर सबसे प्रभावी (और सबसे किफायती) की श्रेणी में पेट्रोलियम जैली और मॉइस्चराइजिंग ऑइल (जैसे मिनरल ऑइल) को रखा जा सकता है। दरअसल, इनमें पानी का अंश नहीं होता और नहाने के बाद त्वचा को नम रखने में यह सहायक होते हैं। कम चिकने मॉइस्चराइजर ज्यादा आकर्षक मगर कम प्रभावी होते हैं।

सूखी त्वचा से कैसे बचें?

- गर्म पानी से नहाने या शॉवर करने की अवधि को 5 से 10 मिनट तक ही सीमित कर दें। जितना ज्यादा नहाएंगे त्वचा की तैलीय परत कम होती जाएगी।
- नहाने के लिए बहुत गर्म पानी की बजाय कुनकुना (गुनगुना) पानी इस्तेमाल करें।
- साबुन का इस्तेमाल कम से कम करें।
- सेटाफिल, ऑइलटम-एडी, एक्वेनिल जैसे सोप-फ्री क्लीन्सर्स का इस्तेमाल करें।
- खुशबूदार साबुन, अल्कोहल से दूरी बनाएं।
- बाथ स्पंज, स्क्रब ब्रश और कपड़े धोने को टालें।
- नहाने के बाद शरीर को सूखाने के दौरान टॉवेल को जोर से न रगड़ें।
- नहाने या हाथ धोने के तत्काल बाद मॉइस्चराइजर लगाएं।
- पेट्रोलियम जैली और गाढ़े क्रीम्स का चिपचिपापन टालने के लिए पहले उसे कुछ देर हाथ में मलें फिर शरीर के प्रभावित हिस्से पर लगाएं।
- त्वचा पर कभी न खुजाएं। मॉइस्चराइजर लगाने पर वैसे इसकी जरूरत ही नहीं पड़ेगी।
- खुजली वाले हिस्से पर कोल्ड पैक से भी राहत मिल सकती है।
- खुजली पैदा करने वाले वूलन स्वेटर, जैकेट सीधे शरीर पर न पहनें। पहले कॉटन का कपड़ा पहनें, उसके ऊपर ऊनी कपड़े पहनें।

कब मिलें डॉक्टर से

मौसम में बदलाव या उम्र बढ़ना आपकी त्वचा के सूखने की वजह न हो तो डॉक्टर से मिलना ही बेहतर विकल्प होगा। हो सकता है त्वचा का कोई और रोग हो। घरेलू उपचार या बाजार से लाए गए मॉइश्चराइजर त्वचा के सूखने की समस्या को और अधिक ना बढ़ा दें।

सेहत

आपकी त्वचा को कैसे प्रभावित करती है डायबिटीज

इसके लक्षण और बचाव

वर्तमान समय में डायबिटीज एक गंभीर समस्या बनती जा रही है, आज इससे पूरी दुनिया प्रभावित है। डायबिटीज को शुरुआती निदान और उपचार के माध्यम से समय पर बीमारियों को नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है। चूंकि अनियंत्रित रक्त शर्करा का स्तर कई गंभीर जटिलताओं से जुड़ा होता है, इसलिए समय पर बीमारी को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक सावधानी बरतने की जरूरत होती है। डायबिटीज के शुरुआती चरण में आपको बार-बार पेशाब आना, भूख बढ़ जाना, धुंधली दृष्टि, थकान, प्यास बढ़ जाना, हाथ-पैरों में झुनझुनी, यीस्ट संक्रमण और घावों का धीमी गति में सही होना जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। डायबिटीज के लक्षण त्वचा पर भी दिखाई देते हैं। अनियंत्रित रक्त शर्करा का स्तर भी रोगी की त्वचा को प्रभावित करता है। यहां हम आपको त्वचा पर दिखने वाले डायबिटीज के कुछ सामान्य लक्षणों के बारे में बता रहे हैं।

त्वचा पर दिखने वाले डायबिटीज के लक्षण क्या हैं

शुरुआती चरण के दौरान एक डायबिटीज रोगी की त्वचा पर पैच दिखाई दे सकते हैं। डार्क स्किन के ये पैच गर्दन या बगल (कांख) पर दिखाई दे सकते हैं। यह पैच सॉफ्ट हो सकता है। कुछ मामलों में व्यक्ति को रूखी त्वचा का अनुभव हो सकता है।

डायबिटीज और त्वचा संबंधी समस्याओं के बीच क्या संबंध है?

अनियंत्रित ब्लड शुगर लेवल मुख्य रूप से त्वचा संबंधी समस्याओं को जन्म देता है। विशेषज्ञों की मानें तो मधुमेह और त्वचा के संबंधी समस्याओं के बीच एक गहरा संबंध है, जिसे नकारा नहीं जा सकता है। त्वचा संबंधी ऐसी कई समस्याएं हैं जो मधुमेह के कारण हो सकती हैं। हालांकि, इन त्वचा संबंधी समस्याओं को डायबिटीज को नियंत्रित कर रोका जा सकता है। डायबेटिक डर्मोपैथी एक शब्द है जिसका उपयोग विशेष रूप से पैरों के सामने की त्वचा पर छोटे, भूरे धब्बों का वर्णन करने के लिए किया जाता है। रोगी आमतौर पर इन त्वचा के धब्बों के कारण कोई लक्षण विकसित नहीं करते हैं और ये डायबिटीज के ज्यादातर रोगियों में होते हैं। यह लंबे समय से डायबिटीज वाले पुराने रोगियों में अधिक आम है। त्वचा में ये बदलाव डायबिटीज के कारण त्वचा में रक्त परिसंचरण में कमी के कारण होते हैं।

उपचार के क्या विकल्प हैं

हालांकि, अपने आप में इस स्थिति को किसी विशिष्ट उपचार की आवश्यकता नहीं है, यह अच्छी तरह से डायबिटीज की अधिक गंभीर जटिलताओं की उपस्थिति का संकेत दे सकता है जैसे रेटिनोपैथी (आंख को नुकसान), नेफ्रोपैथी (गुर्दे की क्षति) और न्यूरोपैथी (तंत्रिका क्षति)। कॉस्मेटिक छलावरण शायद आवश्यकता होने पर त्वचा के धब्बों की उपस्थिति को छिपाने के लिए उपयोग किया जाता है। डायबिटीज रोगियों में इस तरह के धब्बों का पता चलने पर तुरंत अपने ब्लड शुगर की जांच कराने की आवश्यकता है। डायबिटीज डर्मोपैथी के रोगियों में डायबिटीज का नियंत्रण अन्य जटिलताओं के जोखिम को कम कर सकता है।

अन्य त्वचा संबंधी समस्याएं

– डायबिटीज के मरीजों में बुलोसिस डायबिटिकोरम भी एक समस्या है, जहां त्वचा में फफोले विकसित होते हैं।

– टाइप 1 डायबिटीज वाले कई मरीज त्वचा की कठोरता का विकास करते हैं जिसे डायबिटिक चीयरोएथ्रोपैथी के नाम से जाना जाता है।

– नेक्रोबायोसिस लिपोइडिका एक ऐसी स्थिति है जिसमें पैरों के सामने की त्वचा में पीले, मोमी धब्बे दिखाई देते हैं।

– डायबिटीज रोगी, खासकर मोटापे के कारण, त्वचा की सिलवटों का कालापन और गाढ़ा हो जाना, इंसुलिन प्रतिरोध के कारण हो सकता है। इस स्थिति को एसेंथोसिस निग्रिकंस कहा जाता है। इनके अलावा, डायबिटीज के रोगियों को विशेष रूप से प्राइवेट पार्ट के आसपास फंगल इंफेक्शन विकसित होने का खतरा होता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-5-6-9

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-2-6-8

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा
यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान की कोशिश करेगा। शुभांक-4-7-9

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-1-3-5

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। शुभांक-2-6-8

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
विवाद समाप्त होंगे। शुभ संदेशों से मन खिला-खिला रहेगा। परेशानीयां स्वत: ही दूर होती प्रतीत होगी। अध्ययन में रुचि पैदा होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करे। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-3-7-8

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। विपरीत परीस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-5-6-8

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-6-8

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-7

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-3-5-8

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
जीवनसाथी अथवा दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-2-5-7

काकुरो पहेली - 2681

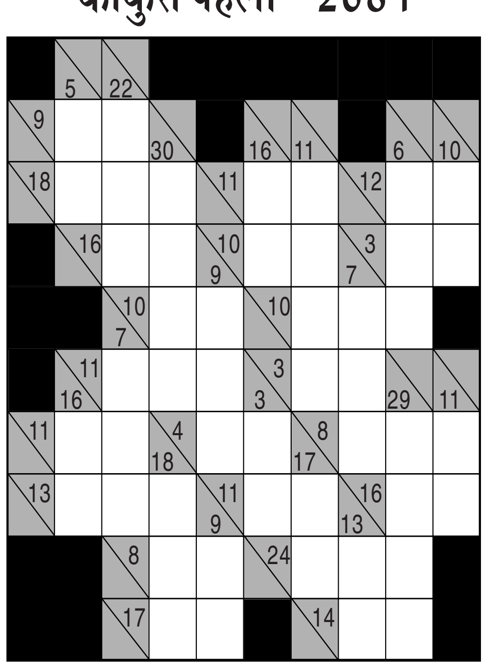

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः:

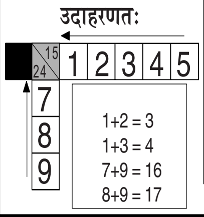

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो -2680 का हल

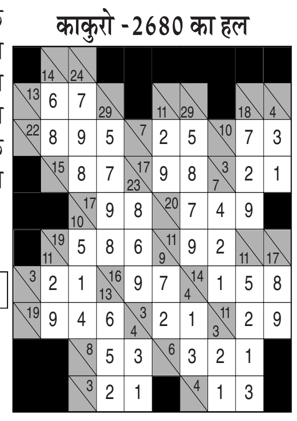

हंसी के फूव्वारें

एक सज्जन ने अपने मित्र को बतलाया, 'यह सोने का कप मैंने दौड़ में फर्स्ट आने के कारण प्राप्त किया है.'

'बहुत खूब, तुम्हारे पीछे कितने लोग थे?' मित्र ने पूछा.

'तीन.....एक कप का मालिक और दो सिपाही.' उन सज्जन ने उत्तर दिया.

□ □ □

एक पोस्टमैन रिटायर हुआ तो उसकी विदाई के मौके पर सबने उससे खास अनुभव के बारे में पूछा. उसने झिझकते हुए कहा-कृपा करके मेरी पेंशन डाक से न भेजे.

□ □ □

दो लड़के जूस पी रहे थे. एक लड़के की उदास शक्ल देखकर दूसरे ने इसका कारण पूछा तो पहले लड़के ने जवाब दिया, 'मैं इसलिए उदास हूं कि मेरा आधा गिलास खाली हो चुका है, मगर तुम क्यों खुश हो?'

दूसरा चहककर बोला- 'इसलिए कि मेरा आधा गिलास अभी तक भरा हुआ है.'

□ □ □

मियाँ ने बीवी को एक पत्रिका में प्रकाशित चित्र सहित दिखाते हुए कहा, 'यह पूरा परिवार कांच खानेवाला है.'

'तुमसे तो ठीक है.' बीवी बोली, 'तुम तो दिन भर दिमाग चाटते रहते हो.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2681

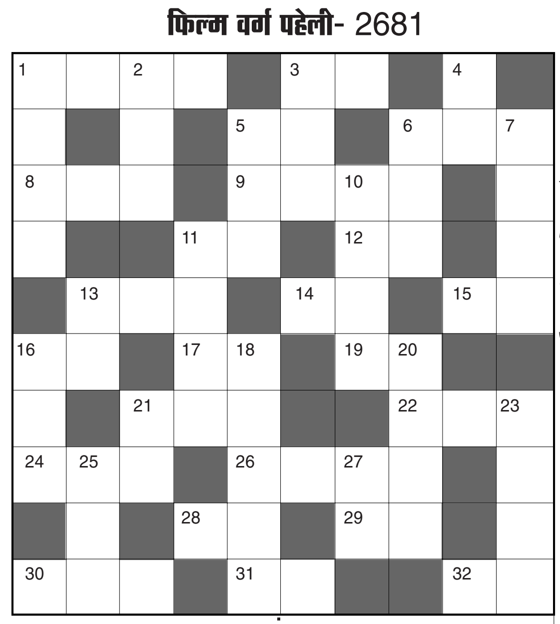

बायें से दायें:-

१. 'किसी नजर को तेरा' गीत वाली राज बब्बर, सुरेश, डिम्पल की फिल्म-४
३. बॉबी, लारा, गुल पनाग की 'मैं यहां तू कहां' गीत वाली फिल्म-२
५. जैकी श्राफ, अनिलकपूर, श्रीदेवी की 'ना जइयो परदेस' गीत वाली फिल्म-२
६. सनी, मीनाक्षी, ममता की फिल्म-३
८. जतिन ग्रेवाल, यश पाठक, नेहा की 'छेड़ ना मुझ को' गीत वाली फिल्म-३
९. फिल्म 'आखिरी डाकू' में नायिका-२,२
११. 'बेदर्दी तेरे प्यार ने' गीत वाली फिल्म-२
१२. सनी, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
१३. शशिकपूर, शबाना आजमी की 'तोता मैना की कहानी तो' गीतवाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'बारिश' में नायिका कौन थी-२
१५. सलमान, नगमा की 'कैसा लगता है अच्छा लगता है' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'तू कितने बरस की' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
१७. फिल्म 'निगाहें' में नायक कौन था-२
१९. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
२१. धारावाहिक 'एहसास' में 'तराना' द्वारा निभाया गया बड़ी बहू का पात्र-३
२२. 'पुलिस केस ना' गीत वाली जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता की फिल्म-३
२४. अमिताभ, वहीदा, जीनत, की 'हर गोरी रानी यहाँ' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'पराई हूँ पराई' गीत वाली शशिकपूर, आशा की फिल्म-४
२८. संजयदत्त, पूनम की 'तेरे दिल की तू जाने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'बाबूल का ये घर बहना' गीत वाली मिथुन, पद्मिनी की फिल्म-२
३०. राजबब्बर, रेखा की 'राधारानी ना जइयो जमुना' गीत वाली फिल्म-३
३१. सलमान, स्नेहा की एक फिल्म-२
३२. फारूख शेख, पूनम की 'चोरी चोरी कोई आये' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अक्षयकुमार, करीना, प्रियंका की 'नजर आ रहा है' गीत वाली फिल्म-४
२. 'आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली बॉबी देओल, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
३. 'मिर्ची ये मिर्ची' गीत वाली फिल्म-३
४. 'दुल्हन बनती हैं नसीबों वालियां' गीत वाली रणधीर कपूर, बबीता की फिल्म-२
५. अनिलकपूर, अक्षयकुमार वाली फिल्म 'बेवफा' की नायिका कौन है-३
६. 'डोन्ट से नो' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-३
७. 'जैसी करनी वैसी भरनी' गीत वाली राजकुमार, रेखा, मौसमी चटर्जी की फिल्म-४
१०. गोविंदा, करिश्मा की 'अआ ई उ ऊ ओ मेरा दिल ना तोड़ो' गीत वाली फिल्म-२,२
११. 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली मिथुन, शत्रुघ्न, अनिता राज, हेमा की फिल्म-४
१३. 'बार बार दिन ये आये' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'तिनका तिनका जरा जरा' गीत वाली जॉन अब्राहम, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-३
१८. राजकुमार, मनोजकुमार, वहीदा की 'खाली डब्बा खाली बोतल' गीत वाली फिल्म-५
२०. 'टपका रे टपका' गीत वाली संजयदत्त, माधुरी दीक्षित की फिल्म-२
२३. 'ये लड़की जरा सी दीवानी' गीत वाली कुमार गौरव, विजेयता पंडित की फिल्म-२,२
२५. नसीरूद्दीनशाह, रंजीता, स्मिता पाटिल की 'तू क्या जाने तुझमें' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'दिल के टुकड़े टुकड़े कर के' गीत वाली अमजद खान, बिंदियागोस्वामी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2680

सूडोकु -2681

				5	1	4		
			7				2	
		8						3
	1							8
5				4				9
7							6	
4						7		
	2				6			
		3	9	8				

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2680 का हल

4	7	6	3	5	2	9	1	8
5	9	8	6	7	1	4	3	2
2	3	1	8	9	4	7	6	5
6	8	5	7	3	9	2	4	1
3	2	4	5	1	6	8	7	9
7	1	9	4	2	8	3	5	6
8	4	3	2	6	5	1	9	7
1	5	2	9	4	7	6	8	3
9	6	7	1	8	3	5	2	4

शब्द पहेली - 2681

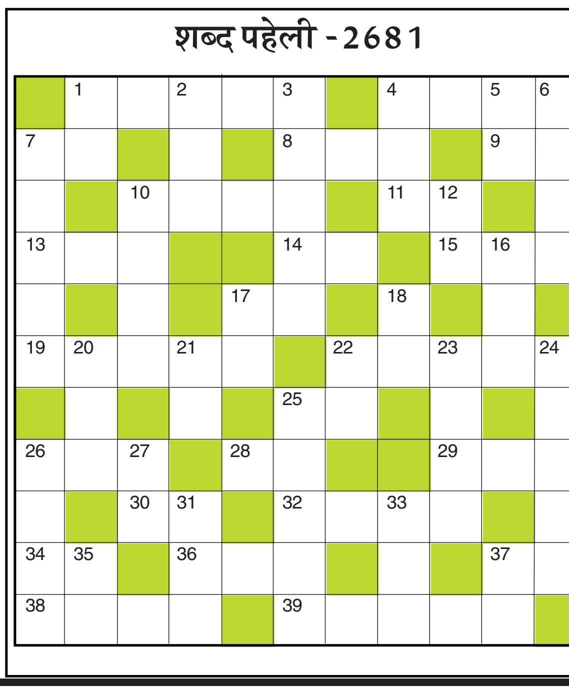

बाएँ से दाएँ

1.राजीव गांधी की पत्नी का नाम-3,2
4.उदारता,बडप्पन-4
7.भोजन,खाद्य पदार्थ-2
8.प्रहरी,रक्षा करने वाला-3
9.अपशिष्ट पदार्थ-2
10.कामदेव,चंद्रमा-4
11.नाड़ी,नस-2
13.जबरन,जबरदस्ती-3
14.वायदा,वचन-2
15.भवन,आलय-3
17.आर्ट,हुनर-2
19.ख्वाबगाह, आरामगाह, सोने का कमरा-5
22.उद्देश्यहीनता-5
25.परिणाम-2
26.अंजन,नेत्रांजन-3
28.सांझ,संध्या-2
29.अधीन-3
30.निश्चित-2
32.निष्ठावान,सत्तानिष्ठ-4
34.बेइमान,सेंधमार-2
36.दाम,मूल्य-3
37.एक छोटी सवारी गाड़ी-2
38.मुस्लिम कैलेंडर का एक महीना-4
39.अश्रु,आंसू-5

ऊपर से नीचे

1.स्वर्ण,कनक-2
2.गुजर करना-3
3.धैर्यवान-3,2
4.राशिचक्र की एक राशि-3
5.आंशिक भीगा हुआ-2
6.सामंजस्य-4
7.यायावर,बंजारा-5
10.चुनाव,वोटिंग-4
12.दुख,कष्ट-2
16.यज्ञ,होम-3
17.कमरा,रूम-2
18.उम्मीद,आस-2
20.जुड़वा-3
21.प्याला-2
22.हृदय,हार्ट-2
23.निकृष्टतर-4
24.बलवान,दमदार-5
25.स्वदेशवासी-5
26.आलसी,निठल्ली-4
27.बुरी आदत-2
31.भरोसा,विश्वास-3
33.आंचल,पल्लू-3
35.अंग्रेजी शराब का एक प्रकार-2
37.समय, वक्त-2

शब्द पहेली -2680 का हल

अंतर धार्मिक समागम में उपराष्ट्रपति ने किया वैश्विक शांति और धार्मिक सौहार्द का आह्वान

एजेंसी
नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहादत दिवस के अवसर पर आयोजित अंतर धार्मिक समागम को संबोधित करते हुए वैश्विक शांति, मानवाधिकारों और धार्मिक सद्भाव का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी सर्वोच्च बलिदान और नैतिक साहस के सार्वभौमिक प्रतीक हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी का बलिदान धार्मिक स्वतंत्रता के इतिहास में अद्वितीय उदाहरण है। उन्होंने किसी सत्ता या किसी एक मत की श्रेष्ठता के लिए नहीं, बल्कि लोगों को अपने विवेक के अनुसार जीने और पूजा करने के अधिकार की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया। असहिष्णुता के दौर में उन्होंने उत्पीड़ितों के लिए ढाल बनकर खड़े होने का कार्य किया। गुरु तेग बहादुर जी को 'हिंद दी चादर' की उपाधि से सम्मानित किए जाने का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि उनका संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है। उन्होंने सिखाया कि करुणा से प्रेरित साहस समाज को बदल सकता है और अन्याय के सामने मौन रहना सच्चे धर्म के विपरीत है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि गुरु तेग बहादुर का बलिदान आज के समय में भी मानवता को यह संदेश देता है कि शांति बल से नहीं, बल्कि न्याय, करुणा और मानवीय गरिमा के सम्मान से स्थापित होती है।

उपराष्ट्रपति ने विविधता में एकता को भारत की ताकत बताया। उन्होंने कहा कि प्राचीन काल से ही भारत ने विभिन्न आस्थाओं, विचारधाराओं और संस्कृतियों का स्वागत किया है, जिसे संविधान में विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास और पूजा की स्वतंत्रता के रूप में स्थान मिला है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के आह्वान को भारत की सभ्यतागत आत्मा से जुड़ा दृष्टिकोण बताया और 'विकसित भारत ञ2047' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सामूहिक प्रयासों पर जोर दिया।अंतर धार्मिक समागम का आयोजन राज्यसभा सदस्य और ग्लोबल इंटरफेथ हार्मनी फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. विक्रमजीत सिंह साहनी ने किया।

'भारत वैभव' एक वर्षीय राष्ट्रीय उत्सव लोगो का बीएचयू में अनावरण

एजेंसी
वाराणसी। भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित एक वर्षीय राष्ट्रीय उत्सव 'भारत वैभव' के आधिकारिक लोगो का अनावरण काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के मालवीय मूल्य अनुशीलन सभागार में किया गया।लोगो का अनावरण इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) के न्यास अध्यक्ष एवं वरिष्ठ पत्रकार पद्म भूषण रामबहादुर राय, मंगलायतन विश्वविद्यालय, अलीगढ़ के कुलाधिपति डॉ. अच्युतानंद मिश्र, पद्मश्री मालिनी अवस्थी, पद्मश्री विद्याविंदु सिंह, आईजीएनसीए के संकाय प्रमुख डॉ. रमेश चंद्र गौड़, विद्याश्री न्यास के सचिव डॉ. दयानिधि मिश्र, आईजीएनसीए काशी के क्षेत्रीय निदेशक अभिजीत दीक्षित, वरिष्ठ पत्रकार डॉ अत्रि भारद्वाज तथा मालवीय मूल्य अनुशीलन केंद्र के समन्वयक प्रो. संजय कुमार ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर अतिथियों ने लोगो के डिज़ाइनर, शोध छात्र राहुल शॉ को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उत्सव के संयोजक डॉ धीरेन्द्र राय ने बताया कि भारत सरकार की द्विवर्षीय राष्ट्रव्यापी पहल के आलोक में बीएचयू स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल शोध छात्रावास द्वारा यह राष्ट्रीय उत्सव आयोजित किया जा रहा है। यह उत्सव भारत रत्न महामना पंडित मदन मोहन मालवीय की जयंती 25 दिसंबर 2025 से प्रारंभ होकर सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती 31 अक्टूबर 2026 तक चलेगा। उन्होंने बताया कि इस अवधि में साहित्य, कला, संगीत, नाटक, शोध, खेल, संस्कृति सहित विविध रचनात्मक प्रकल्पों, प्रतियोगिताओं, विद्वत विमर्श, कार्यशालाओं और सांस्कृतिक आयोजनों का राष्ट्रीय स्तर पर आयोजन किया जाएगा।

कबड्डी खिलाड़ी बलाचौरिया का हत्यारोपी मुठभेड़ में ढेर पुलिस ने दो अन्य आरोपियों को दबोचा

एजेंसी
चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने मोहाली के कबड्डी खिलाड़ी राणा बलाचौरिया की हत्या के आरोपित शूटर को मुठभेड़ में ढेर कर दिया है। यह मुठभेड़ चंडीगढ़-अंबाला राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित लालड़ू के क्षेत्र में हुई। मुठभेड़ में ढेर हुए शूटर की शिनाख्त हरपिंदर सिंह उर्फ मिड्डू के रूप में हुई है। इस मुठभेड़ में दो पुलिस कर्मी भी घायल हुए हैं। पंजाब के तरनतारन जिला निवासी मिड्डू ने शूटरों को ग्राउंड सपोर्ट दिया था। इस मामले में कत्ल के मास्टरमाइंड एशदीप सिंह को पुलिस ने दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर लिया है। उसकी पूछताछ पर अमृतसर से जुगराज सिंह को पकड़ा। जिसकी सूचना पर पुलिस ने हरपिंदर का एनकाउंटर किया है। मोहाली के एसएसपी हरमनदीप सिंह हंस के अनुसार एशदीप मुख्य रूप से डोनी बल का हैंडलर और कोऑर्डिनेटर है। उसी ने मर्डर की योजना बनाई थी। कत्ल के बाद विदेश भागने के लिए, यह टिकट भी बुक करवा चुका था। पुलिस ने दो शूटरों आदित्य कपूर और करण पाठक की फोटो भी जारी की है, जिन्होंने योजना के तहत बलाचौरिया का कत्ल किया था।हंस ने बताया कि एशदीप को पकड़ा गया तो पता चला कि वह 25 नवंबर को रूस से भारत आया था। यह पहले भी कई वारदातों में शामिल रहा है और बाहर जा चुका था। इसका डोनी बल के साथ सीधा संपर्क है।

अगले 10 वर्षों में ट्रिपल आईटी कोटा में पढ़ेंगे 25 हजार छात्र

नई दिल्ली/कोटा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला एवं केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के बीच नई दिल्ली में एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में कोटा-बून्दी क्षेत्र में उच्च एवं स्कूली शिक्षा के समग्र विकास पर विस्तृत चर्चा की गई। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि कोटा देश का एक प्रमुख शैक्षणिक केंद्र है, जहां सशक्त सड़क और रेल कनेक्टिविटी उपलब्ध है एवं जल्द हवाई सेवा भी सुगम होने जा रही है। प्रतिवर्ष लगभग डेढ़ लाख विद्यार्थी आईआईटी और मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी के लिए कोटा आते हैं। ऐसे में ट्रिपल आईटी कोटा जैसे राष्ट्रीय संस्थान को ओर आधुनिक एवं प्रतिस्पर्धी बनाना समय की आवश्यकता है। बैठक में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि आगामी 10 वर्षों में ट्रिपल आईटी कोटा की छात्र क्षमता को चरणबद्ध बढ़ाकर 25 हजार तक करने की ठोस योजना बनाई जाएगी। इसके लिये ट्रिपल आईटी कोटा का समग्र विकास किया जाएगा। इंस्टीट्यूट में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस खोलकर नए व समसामयिक पाठ्यक्रम प्रारंभ किए जाएंगे। बैठक में यह भी तय हुआ कि ट्रिपल आईटी कोटा को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ग्रीन एनर्जी और वैश्विक जॉब मार्केट की मांग के अनुसार भविष्य उन्मुख कोर्सेस का प्रमुख केंद्र बनाया जाएगा। साथ ही, संस्थान में एआई आधारित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, ऊर्जा अध्ययन, पम्प स्टोरेज और एटॉमिक स्टडीज जैसे क्षेत्रों में नई पहल शुरू करने पर सहमति बनी।

छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में 37 लाख रुपये के इनामी 11 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में सक्रिय 11 नक्सलियों ने पुलिस अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण किया है। बस्तर आईजी सुन्दरराज पी. ने इसे माओवादी विचारधारा के अंत का संकेत बताया है। बस्तर आईजी ने कहा कि लोग अब शांति और गरिमा का जीवन चुन रहे हैं और प्रशासन उनके पुनर्वास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।आत्मसमर्पित नक्सलियों पर कुल 37 लाख रुपये का इनाम घोषित था। आत्मसमर्पण करने वालों में 5 महिला और 6 पुरुष नक्सली शामिल हैं, जो लंबे समय से नक्सली गतिविधियों में सक्रिय बताए जा रहे थे।पुलिस अधीक्षक रॉबिंसन गुड़िया ने बताया कि हथियार डालने वाले 11 नक्सलियों में कई बड़े कमांडर शामिल हैं। इनमें प्रमुख रूप से मिलिट्री कंपनी के 3 सदस्य, एक एसीएम और 7 पार्टी सदस्य शामिल हैं। इनमें 8-8 लाख के इनामी मिलिट्री कंपनी सदस्य बोडा वड्डे, नमेष मण्डावी तथा 5 लाख के इनामी एरिया कमेटी सदस्य सियाराम सलाम और एक और दो लाख के इनामी सदस्य शामिल हैं। आत्मसमर्पण के तुरंत बाद सभी 11 नक्सलियों को प्रोत्साहन राशि के रूप में 50-50 हजार रुपये का चेक प्रदान किया गया। सभी नक्सलियों ने नारायणपुर जिले के पुलिस अधीक्षक के समक्ष आत्मसमर्पण किया है।

दिल्ली पुलिस में 9,248 पद खाली, कांस्टेबल और एसआई की ज्यादा कमी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस में कांस्टेबल से लेकर डीसीपी तक विभिन्न रैंकों पर कुल 9,248 पद खाली पड़े हैं। यह जानकारी गृह मंत्रालय ने राज्य सभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में दी। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने बताया कि 30 नवंबर 2025 तक दिल्ली पुलिस की कुल स्वीकृत संख्या 92,044 है, जिसके मुकाबले हजारों पद अब भी रिक्त हैं। आंकड़ों के अनुसार सबसे ज्यादा रिक्तियां कांस्टेबल स्तर पर हैं, जहां 50,946 स्वीकृत पदों में से 4,591 पद खाली हैं। इसके बाद हेड कांस्टेबल के 3,057 और सब-इंस्पेक्टर के 1,039 पद रिक्त हैं। असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर के 300 और इंस्पेक्टर के 108 पद भी खाली चल रहे हैं। वहीं, अधिकारी स्तर पर एसीपी के 125 और डीसीपी/अपर डीसीपी के 13 पदों पर नियुक्ति नहीं हो सकी है। मंत्री ने स्पष्ट किया कि पुलिस बल में रिक्तियों की स्थिति एक गतिशील प्रक्रिया है, जो सेवानिवृत्ति, पदोन्नति और इस्तीफे जैसे कारणों से समय-समय पर बदलती रहती है।

छत्तीसगढ़ के कांकेर में धर्मांतरित व्यक्ति के अंतिम संस्कार को लेकर हिंसक झड़प

एजेंसी
कांकेर/रायपुर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के अंतागढ़ तहसील के ग्राम पंचायत बड़े तेवड़ा में सरपंच रजमन सलाम के पिता चमरु राम (65 वर्ष) के अंतिम संस्कार को लेकर सर्व आदिवासी समाज, ईसाई समुदाय और भीम आर्मी से जुड़े लोगों के बीच जमकर झड़प हुई।अधिकारियों ने बताया है कि धर्मांतरण और परंपरा को लेकर हुई इस हिंसक झड़प में कई पुलिसकर्मी एवं ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें नजदीकी अस्पताल आमाबेड़ा में भर्ती कराया गया है। ग्रामीणों ने बताया है कि ग्राम पंचायत बड़े तेवड़ा में सरपंच रजमन सलाम के पिता चमरु राम की जिला अस्पताल में इलाज के दौरान रविवार को मौत हो गई। मौत के बाद जब शव को गांव लाया गया, तभी से गांव में तनाव का माहौल बन गया। परिजनों ने बताया कि मृतक आदिवासी समाज से थे, किंतु उन्होंने ईसाई धर्म अपना लिया था। सुबह करीब 8 बजे समाज की परंपरा के अनुसार कफन-दफन एवं काठी-माठी की अनुमति के लिए ग्राम पटेल और माझी मुखिया से आग्रह किया गया, लेकिन धर्म परिवर्तन का हवाला देते हुए ग्राम प्रमुखों ने सहयोग से इनकार कर दिया। ग्रामीणों की मांग थी कि धर्म परिवर्तन करने वाले

व्यक्ति का अंतिम संस्कार गांव के पारंपरिक स्थल पर न किया जाए और शव को किसी अन्य स्थान पर ले जाकर दफनाया जाए। इस फैसले के बाद विवाद और गहराता चला गया। आक्रोशित ग्रामीण गांव में धरने पर बैठ गए और मौके पर पहुंचे तहसीलदार से शव बाहर निकलवाने की मांग की, हालांकि देर रात तक इस मामले में कोई फैसला नहीं हो सका। धर्मांतरण कर चुके सरपंच द्वारा अपने पिता का शव गांव में दफनाए जाने के विरोध में ग्रामीण एकजुट हो गए। आरोप है कि सरपंच ने ग्रामीणों की आपत्ति के बावजूद दबंगई दिखाते हुए शव दफन कर दिया। ग्रामीण धर्मांतरित व्यक्ति का शव कब्र से बाहर निकालने की बात पर अड़े रहे। इस दौरान शव को निकालने की कोशिश भी की गई, लेकिन पुलिस की मौजूदगी के कारण यह संभव नहीं हो पाया। इस मामले को लेकर सर्व आदिवासी समाज, ईसाई समुदाय और भीम आर्मी से जुड़े लोग आमने-सामने आ गए। बताया जा रहा है कि आदिवासी समाज के कुछ लोगों द्वारा पक्के कब्र को तोड़े जाने की मांग शासन-प्रशासन से की जा रही थी, जिससे दोनों पक्षों में तीखी बहस शुरू हो गई। इस दौरान हुए हिंसक झड़प में कई पुलिसकर्मी एवं ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें नजदीकी अस्पताल आमाबेड़ा में भर्ती कराया गया है।

भारतीय जलसीमा में फिर पकड़े गए दो बांग्लादेशी ट्रॉलर, 35 मछुआरे गिरफ्तार

एजेंसी
हुगली। अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा को पार कर भारतीय जलसीमा में घुसकर मछली पकड़ रहे बांग्लादेश के दो ट्रॉलरों को भारतीय तटरक्षक बल ने पकड़ लिया है। दोनों ट्रॉलरों में सवार 35 बांग्लादेशी मछुआरों को हिरासत में लिया गया है। तटरक्षक बल ने बुधवार शाम गिरफ्तार मछुआरों को फ्रेजरगंज कोस्टल थाने की पुलिस के हवाले कर दिया। इसके बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

जानकारी के अनुसार अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा पार कर भारतीय जलसीमा में घुसकर बांग्लादेशी दोनों ट्रॉलर मछली पकड़ रहे थे। दोनों ट्रॉलरों के नाम सबीना-1 और रूपसी सुल्ताना हैं। सबीना-1 ट्रॉलर में 11 और रूपसी सुल्ताना ट्रॉलर में 24 बांग्लादेशी मछुआरे थे। बंगाल की खाड़ी में गश्त कर रहे भारतीय तटरक्षक बल की नजर संदिग्ध दोनों ट्रॉलरों पर पड़ी। तटरक्षक बल ने तुरंत बांग्लादेश के उन दोनों ट्रॉलरों को भारत में अवैध घुसपैठ के आरोप में हिरासत में ले लिया। दोनों ट्रॉलरों में सवार 35 बांग्लादेशी मछुआरों को तटरक्षक बल फ्रेजरगंज मत्स्य बंदरगाह ले

आया। तटरक्षक बल ने गिरफ्तार मछुआरों को फ्रेजरगंज तटीय थाने की पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार मछुआरों को घुसपैठ के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उनसे पूछताछ जारी है। गुरुवार को गिरफ्तारों को काकद्वीप अदालत में पेश किया जाएगा। दूसरी ओर, भारतीय जलसीमा में घुसकर बांग्लादेश नौसेना के जहाज ने काकद्वीप के मछुआरों के ट्रॉलर को टक्कर मार दी थी। उस घटना में 11 मछुआरे किसी तरह जान बचाकर लौटे थे। शेष पांच लापता थे। आज सुबह डूबे हुए ट्रॉलर को काकद्वीप के मयनापाड़ा डॉक पर लाया गया था। ट्रॉलर से पानी निकालते ही इंजन रूम के अंदर से दो व्यक्तियों के शव बरामद किए गए।

काशी तमिल संगमम: काशी से 300 छात्रों का दल तमिलनाडु रवाना

एजेंसी
वाराणसी। काशी और तमिलनाडु के मध्य सांस्कृतिक, भाषायी एवं शैक्षणिक सेतु को और सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में काशी तमिल संगमम 4.0 के द्वितीय चरण की शुरूआत हो गई। तमिलनाडु में आयोजित संगमम में भाग लेन के लिए वाराणसी से 300 छात्रों का एक विशेष दल वहां के लिए रवाना हुआ। इस अवसर पर काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) कुलपति प्रो. अजित कुमार चतुर्वेदी ने छात्रों के इस दल को हरी झंडी दिखाकर शुभकामनाओं सहित विदा किया। छात्रों के प्रस्थान से पूर्व काशी हिन्दू विश्वविद्यालय स्थित पं. ओंकारनाथ ठाकुर प्रेक्षागृह में एक विस्तृत अभिविन्यास (ओरिएंटेशन) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में वाराणसी के विभिन्न विश्वविद्यालयों से चयनित 300 छात्र एवं 5 शिक्षक उपस्थित रहे, जो काशी तमिल संगमम् 4.0 के द्वितीय चरण के अंतर्गत तमिलनाडु के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं

सांस्कृतिक स्थलों का भ्रमण करेंगे। अभिविन्यास कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को यात्रा के शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं बौद्धिक लक्ष्यों से परिचित कराना तथा उत्तर और दक्षिण भारत की साझा सभ्यतागत विरासत के प्रति उनकी समझ को और गहरा करना रहा। कार्यक्रम के दौरान नोडल ऑफिसर प्रो. अंचल श्रीवास्तव ने सभी छात्रों को संबोधित करते हुए काशी तमिल संगमम् की परिकल्पना, उद्देश्य और महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने छात्रों एवं शिक्षकों का आपसी परिचय भी कराया और इस सांस्कृतिक यात्रा को एक जीवंत शैक्षणिक अनुभव बताते हुए सभी प्रतिभागियों से अनुशासन, जिज्ञासा और सांस्कृतिक संवेदनशीलता के साथ अवसर का अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह यात्रा केवल भ्रमण नहीं, बल्कि भारत की एकता, विविधता और सांस्कृतिक निरंतरता को प्रत्यक्ष रूप से अनुभव करने का अवसर है। इस अवसर पर प्रो. आर. के. मिश्रा (आईआईटी बीएचयू) एवं डॉ. टी. जगदीशन भी उपस्थित रहे और उन्होंने छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए इस पहल को राष्ट्रीय एकात्मता की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास बताया। वक्ताओं ने कहा कि काशी और तमिलनाडु के बीच प्राचीन काल से चले आ रहे ज्ञान, भक्ति और संस्कृति के संबंध आज के युवाओं के माध्यम से और अधिक सशक्त रूप में आगे बढ़ेंगे। उल्लेखनीय है कि काशी तमिल संगमम 4.0 की इस वर्ष की थीम 'काशी करकलाम (तमिल सीखें)' रखी गई है, जिसके अंतर्गत छात्रों को तमिल भाषा, साहित्य, संस्कृति और शैक्षणिक परंपराओं से प्रत्यक्ष रूप से परिचित कराया जाएगा।

अश्लील सामग्री के कारण 43 ओटीटी प्लेटफॉर्म पर लगाया प्रतिबंध: सरकार

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने अश्लील सामग्री प्रसारित करने के आरोप में 43 ओवर-द-टॉप (ओटीटी) प्लेटफॉर्म पर भारत में प्रतिबंध लगा दिया है। सूचना एवं प्रसारण राज्यमंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने लोकसभा में लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। मंत्री ने बताया कि सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 और सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यस्थ दिशानिर्देश एवं डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021 के तहत डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अवैध, अश्लील और आपत्तिजनक सामग्री के प्रसारण को रोकने के लिए सख्त कानूनी ढांचा मौजूद है।

इन नियमों के तहत ओटीटी प्लेटफॉर्म को किसी भी ऐसे कंटेंट का प्रसारण न करने का दायित्व है, जो कानूनन प्रतिबंधित हो। डॉ. मुरुगन ने बताया कि आईटी नियम, 2021 के भाग-III में डिजिटल समाचार प्रकाशकों और ऑनलाइन क्यूरेटेड कंटेंट (ओटीटी) के लिए आचार संहिता का प्रावधान है। इसके अंतर्गत आयु-आधारित वर्गीकरण, शिकायत निवारण के लिए तीन-स्तरीय तंत्र तथा अवैध सामग्री हटाने की समय-सीमा तय की गई है। नियमों के उल्लंघन पर मध्यस्थों को आईटी अधिनियम की धारा 79 के तहत मिलने वाली छूट भी समाप्त हो सकती है।एक अन्य प्रश्न पर मंत्री ने बताया कि केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) सिनेमैटोग्राफ अधिनियम, 1952 के तहत फिल्मों के प्रमाणन के लिए गठित वैधानिक संस्था है और ओटीटी कंटेंट को इसके दायरे में लाने का फिलहाल कोई प्रस्ताव नहीं है।

छत्तीसगढ़ में आवास एवं कल्याण योजनाओं में गंभीर खामियां, कैग ने फंड ब्लॉकिंग और वित्तीय अनियमितताओं को किया उजागर

एजेंसी
रायपुर। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) ने छत्तीसगढ़ में प्रमुख आवास एवं श्रमिक कल्याण योजनाओं के क्रियान्वयन में गंभीर कमियों की ओर ध्यान दिलाया है। कैग ने अपनी ताज़ा रिपोर्ट में अपात्र लाभार्थियों को लाभ, योजनागत धनराशि के लंबे समय तक अवरुद्ध रहने, कमजोर निगरानी तंत्र और टाली जा सकने वाली वित्तीय हानियों को रेखांकित किया है। ये निष्कर्ष मार्च 2023 को समाप्त अवधि के लिए प्रदर्शन एवं अनुपालन ऑडिट (सिविल) पर कैग की रिपोर्ट में दर्ज हैं, जिसे संविधान के अनुच्छेद 151 के तहत 17 दिसंबर 2025 को छत्तीसगढ़ विधानसभा में प्रस्तुत किया गया। रिपोर्ट संख्या 6, वर्ष 2025, में सामान्य, सामाजिक और आर्थिक क्षेत्रों से संबंधित विभागों के व्यय का समग्र आकलन किया गया है। इसमें प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के क्रियान्वयन पर प्रदर्शन ऑडिट, श्रम विभाग द्वारा संचालित कल्याण योजनाओं पर अनुपालन ऑडिट, छत्तीसगढ़ अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी के माध्यम से सोलर पंप स्थापना पर एक विस्तृत ऑडिट अनुच्छेद तथा लोक निर्माण विभाग से संबंधित अनुपालन ऑडिट शामिल है। प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी, जिसे भारत सरकार ने जून 2015 में शुरू किया और जिसे आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा लागू किया जा रहा है, का उद्देश्य शहरी क्षेत्रों में झुग्गीवासियों तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, निम्न आय वर्ग और मध्यम आय वर्ग के लोगों को किफायती आवास उपलब्ध कराना है। यह योजना चार घटकों-साझेदारी में किफायती आवास, लाभार्थी-नेतृत्वित निर्माण, स्थल पर झुग्गी पुनर्विकास और क्रेडिट लिंक्ड सब्सिडी योजना-के माध्यम से लागू की जा रही है।कैग की जांच में बिलासपुर, रायपुर और कोरबा नगर निगम तथा प्रेमनगर नगर पंचायत सहित चार नगरीय निकायों में यह पाया गया कि 3 लाख से अधिक वार्षिक आय वाले 71 अपात्र लाभार्थियों को लाभार्थी-नेतृत्वित निर्माण और साझेदारी में किफायती आवास घटकों के अंतर्गत मकान आवंटित किए गए। इसके अलावा, 250 लाभार्थियों को 4.05 करोड़ की सहायता राशि भूमि स्वामित्व सुनिश्चित किए बिना जारी कर दी गई। ऑडिट में यह भी सामने आया कि प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी और प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के प्रबंधन सूचना तंत्र आपस में जुड़े न होने के कारण 99 लाभार्थियों ने दोनों योजनाओं का लाभ उठाया। इसके अतिरिक्त, 35 ऐसे लाभार्थी भी पाए गए जिन्होंने पहले एकीकृत आवास एवं झुग्गी विकास कार्यक्रम के तहत लाभ लेने के बावजूद योजना के लाभार्थी-नेतृत्वित निर्माण घटक के अंतर्गत पुनः सहायता प्राप्त की। साझेदारी में किफायती आवास परियोजनाओं के तहत आवास इकाइयों के निर्माण में देरी के कारण 230.05 करोड़ की योजनागत राशि अवरुद्ध रही। झुग्गीवासियों से वसूली योग्य राशि में से नगरीय निकाय केवल 22.13 करोड़ ही वसूल सके, जबकि मार्च 2025 तक 17.23 करोड़ की राशि वसूल नहीं की जा सकी। लाभार्थी-नेतृत्वित निर्माण के तहत स्वीकृत 2.77 लाख मकानों में से 66,383 मकान समर्पित या निरस्त कर दिए गए।

राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद को पीआरएसआई के दो प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार

एजेंसी
नई दिल्ली/देहरादून। राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद (एनसीएसएम) को पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया (पीआरएसआई) के प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार-2025 से सम्मानित किया गया है। ये पुरस्कार परिषद को 'हर घर संग्रहालय' अभियान और 'वेस्ट टू आर्ट' (कचरे से कलाकृति) प्रकाशन के लिए प्रदान किए गए हैं।एनसीएसएम की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ये सम्मान 13 से 15 दिसंबर 2025 तक उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में आयोजित पीआरएसआई के 47वें अखिल भारतीय जनसंपर्क सम्मेलन के दौरान प्रदान किए गए। सम्मेलन का विषय '2047 के लिए जनसंपर्क विजन : विकास को सशक्त बनाना, जड़ों को संरक्षित करना' था। परिषद को विशेष प्रतिष्ठित प्रकाशन श्रेणी में 'वेस्ट टू आर्ट' प्रकाशन के लिए दूसरा पुरस्कार प्राप्त हुआ।

नेहरू पेपर्स पर संस्कृति मंत्रालय का जवाब- दस्तावेज वापस न करने के सोनिया गांधी के तर्क असंगत और अस्वीकार्य

एजेंसी
नई दिल्ली। नेहरू पेपर्स को लेकर एक बार फिर विवाद गहरा गया है। नेहरू पेपर्स को लेकर कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने लोकसभा में सोमवार को पूछे गए तारांकित प्रश्न और उसके उत्तर को लेकर सोशल मीडिया पोस्ट साझा किया था, जिसके बाद संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि 'नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय (अब पीएमएमएल) से दस्तावेज लापता नहीं हैं। लापता का अर्थ मौजूदगी का स्थान अज्ञात होना है, इस मामले में ज्ञात है कि पेपर्स कहां और किसके अधिकार में हैं।'

संस्कृति मंत्री ने कहा कि 'जवाहरलाल नेहरू से जुड़े कागज़ात वाले 51 बक्सों को गांधी परिवार ने साल 2008 में पीएमएमएल (तत्कालीन एनएमएमएल) से वापस ले लिया था। ये दस्तावेज़ साल 2008 में विधिवत प्रक्रिया के तहत परिवार को सौंपे गए थे और पीएमएमएल में इनके रिकॉर्ड व कैटलॉग मौजूद हैं। मूल प्रश्न यह है कि क्यों इन दस्तावेज़ों को अब तक वापस नहीं किया गया, जबकि पीएमएमएल की ओर से इस बारे में

कई बार पत्र भेजे गए, विशेषकर जनवरी और जुलाई 2025 में भी।' उन्होंने सोनिया गांधी से सवाल करते हुए कहा कि 'क्या छिपाया जा रहा है? वैसे भी दस्तावेज़ वापस न करने के लिए दिए जा रहे तर्क असंगत और अस्वीकार्य हैं। सवाल यह भी है कि इतने महत्वपूर्ण ऐतिहासिक दस्तावेज़ सार्वजनिक अभिलेखागार के बाहर क्यों हैं? ये निजी पारिवारिक दस्तावेज़ तो बिल्कुल नहीं हैं, ये भारत के प्रथम प्रधानमंत्री से जुड़े महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभिलेख हैं। ऐसे दस्तावेज़ सार्वजनिक अभिलेखागार में होने चाहिए, किसी बंद कमरे में नहीं विद्वानों, शोधकर्ताओं, छात्रों और आम नागरिकों को यह अधिकार है कि वे मूल दस्तावेज़ों तक पहुंच पाएं, ताकि जवाहरलाल नेहरू के जीवन और दौर को समझने के लिए सत्य पर आधारित संतुलित दृष्टिकोण विकसित हो सके। एक तरफ हमें उस दौर की गलतियों पर चर्चा न करने को कहा जाता है, दूसरी ओर उनसे जुड़े मूल दस्तावेज़ सार्वजनिक पहुंच से बाहर रखे जा रहे हैं, जबकि उनके माध्यम से तथ्यपरक चर्चा हो सकती है। ' उन्होंने कहा कि यह कोई साधारण मामला नहीं है। इतिहास को चुनकर नहीं लिखा जा सकता। लोकतंत्र की बुनियाद पारदर्शिता है और अभिलेख उपलब्ध कराना नैतिक दायित्व, जिसे निभाना सोनिया गांधी और उनके परिवार की भी जिम्मेदारी है।

साल 2008 में नेहरू पेपर्स को पीएमएमएल से बाहर ले जाया गया, तब कांग्रेस की सरकार थी। उन्होंने कहा कि, 'जयराम रमेश जी को क्यों पता नहीं है कि सोनिया गांधी ने लिखित रूप में स्वीकार किया है कि ये दस्तावेज़ उनके पास हैं, उन्होंने इस संबंध में सहयोग का आश्वासन भी दिया था, जो अब तक प्रतीक्षित है।

आईसीएबीएसबी-2025 जैव प्रौद्योगिकी में वैज्ञानिक संवाद का एक असाधारण मंच : प्रो. कैरल पोस्ट

एजेंसी
हरिद्वार। आईआईटी रुड़की में जैव प्रौद्योगिकी, जैव-प्रक्रियण व संरचनात्मक जीव विज्ञान में प्रगति पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आईसीएबीएसबी 2025 संपन्न हो गया।

बायोटेक रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया (बीआरएसआई) के सहयोग से आयोजित चार दिवसीय सम्मेलन में लगभग 200 वक्ताओं एवं 40 से अधिक देशों से आए 700 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सम्मेलन में आईसीएबीएसबी - 2025 सार-संग्रह, बीआरएसआई वार्षिक पुस्तिका 2025 तथा टेलर एंड फ्रांसिस के नवीन वैज्ञानिक प्रकाशनों का विमोचन भी किया गया।

बीआरएसआई पुरस्कार समारोह में प्रो. टी. पी. सिंह को विशिष्ट प्रोफेसर पुरस्कार तथा प्रो. प्रविंद्र कुमार को बीएचयू शताब्दी पुरस्कार सहित विभिन्न श्रेणियों में सम्मान प्रदान किए गए। चार दिनों तक चले सम्मेलन में जैव-ईंधन, जैव-प्रक्रियण, संरचनात्मक जीवविज्ञान, औषधि एवं टीका विकास, परिपत्र अर्थव्यवस्था में नवाचार, सतत कृषि तथा अन्य उभरते वैज्ञानिक क्षेत्रों पर उन्नत विषयगत सत्र आयोजित किए गए। प्रो. के.के. पंत निदेशक, आईआईटी रुड़की ने कहा कि आईसीएबीएसबी -2025 यह दर्शाता है कि भारत किस प्रकार वैश्विक जैव-नवाचार परिदृश्य को आकार दे रहा है।

आईआईटी में अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों का यह संगम आत्मनिर्भर भारत, राष्ट्रीय जैव प्रौद्योगिकी विकास रणनीति तथा भारत की 300 अरब अमेरिकी डॉलर की जैव-अर्थव्यवस्था के दृष्टिकोण जैसे राष्ट्रीय अभियानों को आगे बढ़ाने की हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। प्रो. कैरल पोस्ट (पर्ड्यू विश्वविद्यालय, यूएसए) ने कहा कि आईसीएबीएसबी-2025 जैव प्रौद्योगिकी, जैव-प्रक्रियण और संरचनात्मक जीवविज्ञान के संगम पर वैज्ञानिक संवाद को आगे बढ़ाने का एक असाधारण मंच रहा है, जिसने वैश्विक सहयोग की महत्ता को और मजबूत किया है। प्रोफ़ेसर संजय घोष, अध्यक्ष, आईसीएबीएसबी-2025 एवं प्रमुख, बीएसबीई, आईआईटी रूड़की ने कहा, 'इस सम्मेलन ने जैव-प्रक्रियण, संरचनात्मक जीवविज्ञान और सतत जैवप्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में अंतःविषय सहयोग को सशक्त किया है।

भारतीय टीम पांचवें टी20 को जीतकर सीरीज समाप्त करने उतरेगी

अहमदाबाद (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम शुक्रवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले पांचवें और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में जीत हासिल करने के इरादे से उतरेगी। पांच मैचों की इस टी20 सीरीज का चौथा मैच कोहरे और धुंध के कारण रद्द कर दिया गया था। भारतीय टीम इस सीरीज में 2-1 से आगे है। ऐसे में मेहमान टीम दक्षिण अफ्रीका का लक्ष्य किसी भी प्रकार ये मैच जीतकर सीरीज 2-2 से बराबरी पर लाना रहेगा।

वहीं भारतीय टीम के लिए राहत की बात ये है कि अब उसे सीरीज है हारने का खतरा नहीं है। वह अंतिम मैच हारती भी है तो भी सीरीज बराबरी पर ही रहेगी। अब इस अंतिम मैच में सभी की नजरें कप्तान सूर्यकुमार यादव पर रहेंगी। वह पिछले काफी समय से रन नहीं बना पार रहे। ऐसे में ये इस मैच में अच्छा स्कोर बनाना चाहेंगे। टीम प्रबंधन भी उनके फार्म को लेकर चिन्तित है। सूर्यकुमार ने पिछले 20 मैचों की 18 पारियों में एक भी अर्धशतक नहीं लगाया है। इस दौरान उन्होंने 14.20 के औसत से 213 रन बनाए थे। वहीं उपकप्तान शुभमन गिल का इस मैच में खेलना संदिग्ध है क्योंकि वह पिछले मैच में अभ्यास के दौरान चोटिल हो गए थे।

ऐसे में उनकी जगह इस मैच में पारी की शुरुआत के लिए संजू सैमसन को अवसर दिया जा सकता है। सैमसन सलामी बल्लेबाज के तौर पर बेहद सफल रहे हैं। शुभमन के आने के बाद उन्हें मध्यक्रम में उतारा जा रहा था पर वह वहां सफल नहीं रहे हैं। ऐसे में इस मैच में वह पारी की शुरुआत करते हुए बड़ा स्कोर बनाना चाहेंगे।

भारतीय टीम का पलड़ा इस मैच में भारी है। उसके पास अच्छे बल्लेबाज व गेंदबाज हैं। टीम के पास हार्दिक पंड्या और शिवम दुबे जैसे ऑलराउंडर होने के साथ ही तिलक वर्मा जैसा बल्लेबाज है।

तेज गेंदबाजी की बात करें तो बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह अच्छे फार्म में हर्षित राणा ने भी अब तक अच्छी गेंदबाजी की है। जसप्रीत बुमराह की भी इस मैच में वापसी होगी। स्पिनर के तौर पर टीम के पास वरुण चक्रवर्ती जैसा गेंदबाज है। यहां की पिच बल्लेबाजी के लिए अनुकूल रही है। ऐसे में बड़ा स्कोर बनना तय है।

वहीं दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीकी टीम की बात करें तो उसके प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही है। ऐसे में उसे सीरीज में बराबरी करने बेहतर प्रदर्शन करना होगा। उसकी बल्लेबाजी कप्तान एडेन मार्क्रम के अलावा डेवाल्ड ब्रेविस, क्विंटन डी कॉक , डेविड मिलर पर आधारति रहेगी।

दक्षिण अफ्रीका की टीम इस मैच में रीजा हेंड्रिक्स की जगह मार्क्रम को शीर्ष क्रम में उतार सकती है। हेंड्रिक्स इस दौरे पर रन नहीं बना पाये हैं। उसके युवा बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस को भी अच्छा प्रदर्शन करना होगा। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो दक्षिण अफ्रीका को इस मैच में मार्को यानसन की सेवाएं नहीं मिल पायेंगी। ऐसे में लुंगी एनगिडी और ओटनेल बार्टमैन पर गेंदबाजी की जिम्मेदारी रहेगी। कुल मिलाकर देखा जाये तो इस मैच में दक्षिण अफ्रीका को जीत दर्ज करने हर क्षेत्र में शीर्ष स्तर का प्रदर्शन करना होगा।

टीमें इस प्रकार हैं

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल, संजू सैमसन (विकेटकीपर), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, हार्दिक पंड्या, शाहबाज अहमद, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, हर्षित राणा, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती।

दक्षिण अफ्रीका : एडेन मार्क्रम (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), रीजा हेंड्रिक्स, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स, कॉर्बिन बॉश, डोनोवन फरेरा, मार्को यानसन, जॉर्ज लिंडे, ओटनील बार्टमैन, केशव महाराज, लुंगी एनगिडी, एनरिक नोर्किया, लूथो सिपाम्ला।

बीसीसीआई अब उत्तर भारत में पड़ने वाले मैच स्थलों में बदलाव करेगा: राजीव शुक्ला

–15 दिसंबर से 15 जनवरी तक के मैच कहीं ओर आयोजित होंगे

एडीलेड (एजेंसी)। मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने घने कोहरे के कारण भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच चौथा टी20 रद्द होने से सबक लेते हुए अब आगे के मैचों को लेकर एक महत्वपूर्व फैसला किया है। बोर्ड उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला के अनुसार अब 15 दिसंबर से 15 जनवरी के बीच होने वाले मुकाबलों को कहीं और आयोजित किया जा सकता है जिससे दर्शकों और खिलाड़ियों को कोई परेशान न हो। इसके साथ ही सर्दियों के दौरान उत्तर भारत में होने वाले मैचों को कहीं और आयोजित करने पर विचार होगा।

बीसीसीआई को ये बदलाव इसलिए करना पड़ रहा है क्योंकिक भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज का चौथा मुकाबला कोहरे के कारण रद्द करना पड़ा था। मैच के दिन स्टेडियम में शाम होते-होते दृश्यता इतनी कम हो गई कि अंपायरों को कई बार मैदान का निरीक्षण करना पड़ा। हालात न सुधरने पर आखिरकार मैच को बिना टॉस के ही रद्द कर दिया गया। इस फैसले से हजारों दर्शकों को निराश होकर वापसी लौटना पड़ा। मैच रद्द होने के बाद बोर्ड उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा कि उत्तर भारत में 15 दिसंबर से 15 जनवरी के बीच होने वाले मैचों के कार्यक्रम को फिर से निर्धारित करने पर विचार किया जाएगा। शुक्ला के मुताबिक, कोहरा अब सिर्फ अंतरराष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि घरेलू क्रिकेट को भी प्रभावित कर रहा है, और ऐसे में मैचों को दक्षिण भारत या वेस्ट इंडिया में आयोजित किया जा सकता है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच एकदिवसीय सीरीज 11 जनवरी से शुरू होगी जिसके मुकाबले वडोदरा, राजकोट और इंदौर में होने हैं और इसमें भी खराब मौसम से बाधा आ सकती है। वहीं घरेलू क्रिकेट में विजय हजारे ट्रॉफी 24 दिसंबर से 18 जनवरी तक खेली जाएगी, जिसमें जयपुर में भी मैच रखे गये हैं। ऐसे में कोहरे को देखते हुए इन मैचों का आयोजन भी प्रभावित होगा।

लियोन टेस्ट क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज बने

–टेस्ट इतिहास में छठे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने

एडीलेड (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर नाथन लियोन ने यहां एडिलेड में खेले जा रहे तीसरे एशेज क्रिकेट टेस्ट मैच में दूसरा विकेट लेते ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर ली है। अब लियोन टेस्ट क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज बन गये हैं। वहीं विश्व स्तर पर टेस्ट में सबसे अधिक विकेट लेने वाले छठे गेंदबाज बने हैं।

उन्होंने इससे पहले नंबर एक पर रहे दिग्गज गेंदबाज ग्लेन मैक्ग्रा को सबसे अधिक विकेट के मामले में पीछे छोड़ दिया है। अब उनसे आगे केवल दिवंगत महान स्पिनर शेन वॉर्न ही हैं। वार्न ने अपने करियर में 708 विकेट टेस्ट क्रिकेटर में लिए थे।

तीसरे टेस्ट की पहली पारी मे लियोन ने इंग्लैंड के डकेट को बोल्ड कर मैक्ग्रा को विकेट लेने के मामले में तीसरे नंबर पर धकेल दिया। उसी के साथ ही टेस्ट क्रिकेट में उनके विकेटों की तादाद 564 पहुंच गई और वह ऑस्ट्रेलिया के लिए दूसरे सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। इस मैच से पहले तक मैक्ग्रा ने टेस्ट क्रिकेट में 563 विकेट लिए थे। लियोन ने पहले ओली पोप और उसके बाद डकेट को आउट किया।

लियोन अब टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में छठे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। उनसे आगे इस सूची में श्रीलंका के महान स्पिनर मुथैया मुरलीधरन, ऑस्ट्रेलिया के शेन वॉर्न, इंग्लैंड के जेम्स एंडरसन, भारत के अनिल कुंबले और इंग्लैंड के स्टुअर्ट ब्रॉड शामिल हैं। मुरलीधरन ने 800, वॉर्न ने 708, एंडरसन ने 704, कुंबले ने 619 और ब्रॉड ने 604 विकेट टेस्ट क्रिकेट में लिए हैं।

'सबसे खराब टेक्नोलॉजी' : एडिलेड टेस्ट में स्निको विवाद पर मिशेल स्टार्क का तीखा हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशेज सीरीज के एडिलेड टेस्ट में अंपायरिंग और टेक्नोलॉजी एक बार फिर बड़े विवाद की वजह बन गई। दूसरे दिन लगातार दो फैसलों ने खिलाड़ियों और दर्शकों, दोनों को हैरान कर दिया। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज़ गेंदबाज़ मिशेल स्टार्क ने स्निको टेक्नोलॉजी पर खुलकर नाराज़गी जताते हुए इसे 'सबसे खराब टेक्नोलॉजी' करार दिया और यहां तक कह दिया कि इसे हटाने की ज़रूरत है। विवादित फैसलों के बीच इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया, दोनों ही खेमों में असंतोष साफ दिखाई दिया।

पहला विवाद: स्मिथ के हेलमेट पर लगी गेंद, फिर भी स्निको स्पाइक

विवाद की शुरुआत तब हुई जब पैट कमिंस की एक तेज़ शॉर्ट बॉल इंग्लैंड के बल्लेबाज़ स्मिथ पर अजीब उछाल लेकर आई। स्मिथ ने खुद को बचाने की कोशिश की और गेंद फर्स्ट स्लिप की ओर गई, जहां उस्मान ख्वाजा ने आगे की ओर डाइव लगाई।

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने ज़ोरदार अपील की, लेकिन ऑन-फील्ड अंपायर को संदेह था कि गेंद बल्ले या ग्लव्स से लगी है या नहीं। मामला थर्ड अंपायर के पास गया। रिप्ले में साफ दिखा कि गेंद स्मिथ के हेलमेट से टकराई थी, इसके बावजूद स्निको मीटर में स्पाइक नजर आया। अंततः फैसला नॉट-आउट रहा, लेकिन इसी स्पाइक ने पूरे विवाद को जन्म दे दिया।

'स्निको को हटाने की जरूरत'

इस फैसले के बाद मिशेल स्टार्क को स्टंप माइक पर अंपायर से चर्चा करते हुए सुना गया। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि स्निको टेक्नोलॉजी भरोसेमंद नहीं रही है। स्टार्क ने कहा कि यह टेक्नोलॉजी पहले भी गलत साबित हो चुकी है और एक बार फिर खिलाड़ियों को भ्रमित कर रही है। उनके मुताबिक, ऐसे अहम टेस्ट मैच में इतनी बड़ी गलती स्वीकार्य नहीं है।

दूसरा झटका: जेमी स्मिथ का विवादित आउट

पहले विवाद की गर्मी अभी ठंडी भी नहीं हुई थी कि जेमी स्मिथ के आउट होने पर एक और बहस छिड़ गई। पैट कमिंस की शॉर्ट गेंद पर स्मिथ ने पुल शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन संपर्क साफ नहीं था। गेंद विकेटकीपर एलेक्स कैरी तक पहुंची और अंपायर ने फैसला थर्ड अंपायर को भेजा। हालांकि वीडियो रिप्ले में बल्ले और गेंद के बीच साफ गैप नजर आ रहा था, लेकिन गेंद के बल्ले के पास से गुजरते ही स्निको में एक स्पाइक दर्ज हुआ। इसी आधार पर थर्ड अंपायर ने स्मिथ को आउट करार दे दिया।

बेन स्टोक्स ने टेक्नोलॉजी पर सवाल उठाए

इस फैसले के बाद इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स काफी नाराज़ दिखे। उनका मानना था कि सिर्फ स्निको स्पाइक के आधार पर फैसला देना सही नहीं है, खासकर तब जब वीडियो सबूत कुछ और कहानी बता रहे हों। मैच में DRS का इस्तेमाल न होने के बावजूद, थर्ड अंपायर का फैसला पूरी तरह टेक्नोलॉजी पर निर्भर रहा, जिसने बहस को और तेज कर दिया।

स्निको टेक्नोलॉजी की विश्वसनीयता पर बहस

एडिलेड टेस्ट की घटनाओं ने एक बार फिर स्निको टेक्नोलॉजी की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। खिलाड़ी, पूर्व क्रिकेटर और फैंस अब यह सोचने पर मजबूर हैं कि क्या सिर्फ ऑडियो स्पाइक के आधार पर बड़े फैसले लेना सही है।

स्पेनिश टेनिस स्टार अल्काराज ने कोच फेरेरो से नाता तोड़ा

मैड्रिड । दुनिया के नंबर वन टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने अपने कोच जुआन कार्लोस फेरेरो के साथ चली आ रही सात साल की साझेदारी को समाप्त कर दिया है। नये साल की शुरुआत से सैमुअल लोपेज, अल्काराज के नये कोच होंगे। 22 साल के स्पेनिश खिलाड़ी ने फेरेरो के साथ तब काम करना शुरू किया था जब वह 15 साल के थे। फेरेरो के मार्गदर्शन में वह रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे और कुल छह ग्रैंड स्लैम खिताब और 22 टूर्नामेंट जीते। अल्काराज ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच पर जारी एक बयान में बताया, 'हम शीर्ष पर पहुंचने में कामयाब रहे हैं और मुझे लगता है कि अगर हमारे खेल के रास्ते अलग होने हैं, तो यह तब होना चाहिए जब हम सबसे ऊंचे मुकाम पर हों। वह मुकाम जिसके लिए हमने हमेशा प्रयास किया और हमेशा वहां पहुंचने की उम्मीद की।' स्पेनिश स्पोर्ट्स अखबार डियारियो एएस की रिपोर्ट में बताया गया है कि पाब्लो कैरेनो बुस्टा को कोचिंग देने वाले सैमुअल लोपेज 2026 की शुरुआत में ऑस्ट्रेलियन ओपन की तैयारी के लिए अल्काराज के नए कोच होंगे।

धोनी से सीखना चाहते हैं प्रशांत

मुम्बई । आईपीएल 2026 के लिए हुई नीलामी में 14.2 करोड़ रुपये हासिल करने वाले अनफैप्ड ऑलराउंडर प्रशांत वीर का सपना चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के साथ खेलना और सीखना है। प्रशांत का कहना है कि वह धोनी के साथ खेलने को लेकर उत्साहित हैं। उत्तर प्रदेश की ओर से खेलने वाले प्रशांत वीर को सीएसके ने नीलामी में 14.2 करोड़ में खरीदा है। प्रशांत ने कहा कि वह चेन्नई सुपर किंग्स से जुड़कर बेहद खुश हैं क्योंकि वहां एमएस धोनी मौजूद हैं। उन्होंने बताया कि धोनी जिस तरह से निचले क्रम में बल्लेबाजी करते हैं। उनकी मानसिक मजबूती बातचीत का तरीका और खेल के दौरान उनका ध्यान ये सभी चीजें सीखने लायक हैं। उन्होंने अंत में कहा, 'अगर मैं उन जैसे महान खिलाड़ी से 4 से 5 फीसदी भी सीख पाता हूं, तो वह मेरे करियर के लिए बहुत सहायक होगा।' सीएसके ने प्रशां के अलावा कार्तिक शर्मा को भी 14.2 करोड़ में खरीदा है। जिससे ये दोनो ही आईपीएल के सबसे महंगे गैरअनुभवी खिलाड़ी बन गये हैं। कार्तिक के लिये भी सीएसके और हैदराबाद के बीच खींचतान हुई, लेकिन आखिरकार चेन्नई की फ्रेंचाइज़ी ने इस विस्फोटक बल्लेबाज को 14.2 करोड़ में खरीद लिया। ये दोनों ही खिलाड़ी लीग के इतिहास के सबसे महंगे अनकैप्ड खिलाड़ी बन गये। इससे पहले यह रिकॉर्ड आवेश खान के पास था जिन्हें लखनऊ सुपर जायंट्स ने 2022 में 10 करोड़ में खरीदा था।

पीएसजी ने फ्लेमेंगो को हराकर इंटरकॉन्टिनेंटल कप जीता

दोहा (कतर) (एजेंसी)। पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने रोमांचक फाइनल मुकाबले में ब्राज़ील की फ्लेमेंगो टीम को पेनल्टी शूटआउट में हराकर फीफा इंटरकॉन्टिनेंटल कप का खिताब अपने नाम कर लिया। यह पीएसजी की इस साल की छठी बड़ी ट्रॉफी है, जिससे क्लब का सुनहरा सीजन और भी यादगार बन गया।

अल रेयान स्थित अहमद बिन अली स्टेडियम में खेले गए इस फाइनल में निर्धारित समय और अतिरिक्त समय के बाद स्कोर 1-1 से बराबर रहा। इसके बाद हुए पेनल्टी शूटआउट में पीएसजी ने फ्लेमेंगो को 2-1 से मात देकर खिताबी जीत दर्ज की।

रोमांचक रहा फाइनल मुकाबला

मैच की शुरुआत से ही दोनों टीमों ने आक्रामक रुख अपनाया। पीएसजी को पहला गोल 38वें मिनट में ख्विचा क्वारात्सखेलिया ने दिलाया, जिससे फ्रेंच क्लब ने बढ़त हासिल की। हालांकि, हाफटाइम के बाद फ्लेमेंगो ने जोरदार वापसी की। 62वें मिनट में जोर्जिन्हो ने पेनल्टी को गोल में बदलते हुए स्कोर बराबर कर दिया।

इसके बाद दोनों टीमों को कई मौके मिले, लेकिन गोल करने में सफलता नहीं मिली। मैच के अंतिम क्षणों में पीएसजी गोल के बेहद करीब पहुंचा, मगर फ्लेमेंगो के गोलकीपर ऑगस्टिन रॉसी ने शानदार बचाव कर टीम को बचाए रखा।

शूटआउट में पीएसजी का दबदबा

निर्धारित समय और अतिरिक्त समय में कोई गोल नहीं होने के बाद मुकाबला पेनल्टी शूटआउट में पहुंचा। यहां पीएसजी के खिलाड़ियों ने बेहतर संयम दिखाया और फ्लेमेंगो को 2-1 से हराकर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया।

पीएसजी का सुनहरा सीजन

फीफा इंटरकॉन्टिनेंटल कप जीतने के साथ ही पीएसजी ने इस साल अपनी छठी ट्रॉफी हासिल की। इससे पहले क्लब ने लीग 1, कूप डी फ्रांस, ट्रॉफी डेस चैंपियंस, यूईएफए चैंपियंस लीग और यूईएफए सुपर कप के खिताब भी अपने नाम किए थे।

यह जीत पीएसजी के लिए न सिर्फ एक और ट्रॉफी है, बल्कि उनके ऐतिहासिक और सफल सीजन की पुष्टि भी करती है।

फ्रांस के पूर्व स्ट्राइकर हेनरी को मिलेगा स्पोर्ट्स पर्सनैलिटी लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

लंदन। आर्सेनल और फ्रांस के पूर्व स्ट्राइकर थियरी हेनरी को 2025 के बीबीसी स्पोर्ट्स पर्सनैलिटी ऑफ द ईयर कार्यक्रम में आज लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। 2014 में पेशेवर फुटबॉल से संन्यास लेने वाले हेनरी ने इस पुरस्कार से सम्मानित किये जाने को लेकर कहा कि यह सम्मान मिलना बहुत गर्व की बात है। उन्होंने कहा, 'फुटबॉल ने मुझे सब कुछ दिया है और मैंने भी इसे अपना सब कुछ दिया है। इस लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड के साथ इसके इतिहास का हिस्सा बनने के लिए पहचाना जाना, और फैंस और मेरे टीम के साथियों के लिए अपनी पहचान बनाना, यह कुछ ऐसा है जिसे मैं कभी हल्के में नहीं लूंगा।' आर्सेनल के साथ दो बार खेलते हुए, हेनरी ने 377 मैचों में 228 गोल किए, और 2005 में इयान राइट को पीछे छोड़कर क्लब के सर्वकालिक शीर्ष स्कोरर बन गए। गनर्स के साथ उनके सम्मानों में दो प्रीमियर लीग खिताब और तीन एफए कप शामिल हैं, जिसमें सबसे खास 2003-04 का सीजन था जब आर्सेनल अजेय रहा और 'इनविंसिबल' का दर्जा हासिल किया। हेनरी ने चार बार प्रीमियर लीग गोल्डन बूट जीता, जो एक संयुक्त रिकॉर्ड है और लगातार 6 सीजन तक पीएफए टीम ऑफ द ईयर में नामित हुए।

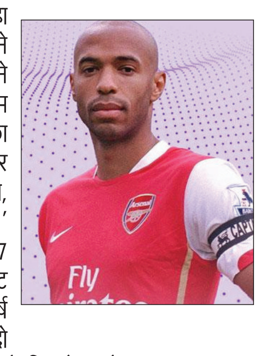

श्रीलंकाई टीम के क्षेत्ररक्षण कोच होंगे श्रीधर

कोलंबो । श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड ने भारत के आर श्रीधर को को आगामी टी20 विश्वकप कप के लिए अपनी टीम का क्षेत्ररक्षण कोच बनाया है। श्रीधर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के लेवल 3 क्वालिफाइड कोच हैं। श्रीधर इससे पहले साल 2014 से 2021 तक भारत की पुरुष टीम के क्षेत्ररक्षक कोच रहे हैं। उन्होंने अफगानिस्तान टीम के साथ भी सलाहकार के तौर पर काम किया। अब वह श्रीलंकाई टीम के क्षेत्ररक्षण को सुधारने की जिम्मेदारी संभालेंगे। वह पाकिस्तान और इंग्लैंड के आगामी दौरों पर टीम के साथ मिलकर काम करेंगे और फिर टी-20 विश्व कप की तैयारियों की देखरेख करेंगे। वहीं श्रीधर ने इस जिम्मेदारी पर उत्साहित होते हुए कहा, श्रीलंकाई खिलाड़ी हमेशा सहज प्रतिभा वाले होने के साथ ही सामूहिक रुप से खेलने पर जोर देने के लिए जाने जाते हैं। मेरा काम उनपर किसी प्रकार का नया दबाव बनाना नहीं है। वहीं ऐसा माहौल बनाना है जहां खिलाड़ी अपनी क्षमता, जागरूकता के क साथ मैदान पर स्वाभाविक रूप से बेहतर प्रदर्शन कर आगे बढ़ सके। उन्होंने कहा, फील्डिंग तब बेहतर होती है जब खिलाड़ी गेंद से, एक-दूसरे से और उस पल से जुड़ाव महसूस करते हैं। श्रीलंका की पारंपरिक ताकतें तेज हाथ, तेज रिफ्लेक्स और निडर इरादा रहा है। इन्हीं क्षमताओं को और निखारा जाएगा। वहीं श्रीलंकाई बोर्ड ने कहा है कि श्रीधर के आने से टीम का प्रदर्शन बेहतर होने का उन्हें भरोसा है।

आईपीएल 2026 : नीलामी में नहीं बिके ये बड़े खिलाड़ी, आकाश चोपड़ा ने उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 की नीलामी में जहां करोड़ों की बोली और नए सितारों के उभार ने सुर्खियां बटोरीं, वहीं कुछ बड़े अंतरराष्ट्रीय नामों का ना बिकना क्रिकेट जगत के लिए हैरानी भरा रहा। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और मशहूर विश्लेषक आकाश चोपड़ा ने माइकल ब्रेसवेल, जेमी स्मिथ और जॉनी बेयरस्टो जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को किसी भी टीम द्वारा नहीं खरीदे जाने पर खुलकर सवाल उठाए। उनका मानना है कि इस बार नीलामी में कई फैसलों ने क्रिकेट लॉजिक को पीछे छोड़ दिया।

आकाश चोपड़ा को क्यों हुआ सबसे ज्यादा आश्चर्य?

आकाश चोपड़ा ने अपने यूट्यूब चैनल पर आईपीएल ऑक्शन को लेकर बेबाक राय रखी। उन्होंने कहा कि जहां एक तरफघरेलू क्रिकेट में प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को बड़ा इनाम मिला, वहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खुद को साबित कर चुके खिलाड़ियों को नजरअंदाज किया गया। चोपड़ा के मुताबिक यह नीलामी कई मायनों में ÷सरप्राइज पैकेज÷ रही।

माइकल ब्रेसवेल: ऑलराउंडर, फिर भी अनसोल्ड

न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर माइकल ब्रेसवेल को लेकर आकाश चोपड़ा सबसे ज्यादा हैरान दिखे। उन्होंने याद दिलाया कि ब्रेसवेल भारत के खिलाफबड़े मैचों में शतक जड़ चुके हैं और वह बल्लेबाजी के साथ-साथ ऑफ-स्पिन भी कर सकते हैं। आकाश का मानना था कि चेन्नई सुपर किंग्स और लखनऊ सुपर जायंट्स जैसी टीमों को ऐसे खिलाड़ी की सख्त जरूरत थी, लेकिन किसी ने भी दिलचस्पी नहीं दिखाई। टी20आई में संतुलित रिकॉर्ड और बड़े मैचों का अनुभव होने के बावजूद उनका अनसोल्ड रहना कई सवाल खड़े करता है।

जेमी स्मिथ: विकेटकीपर-बल्लेबाज, फिर भी मौका नहीं

इंग्लैंड के युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज जेमी स्मिथ को लेकर भी आकाश चोपड़ा ने 'लॉजिक फेल' करार दिया। उन्होंने कहा कि स्मिथ को कई बार नीलामी में लाया गया, यहां तक कि एक्सेलरेटेड राउंड तक पहुंचे, लेकिन हर बार टीमों ने उन्हें नजरअंदाज कर दिया। आकाश के मुताबिक जेमी स्मिथ ऐसे खिलाड़ी हैं जो टॉप ऑर्डर और मिडिल ऑर्डर दोनों में बल्लेबाजी कर सकते हैं। उनका स्ट्राइक रेट और फिनिशिंग एबिलिटी टी20 क्रिकेट के लिए आदर्श मानी जाती है, फिर भी किसी फ्रेंचाइजी ने उन पर भरोसा नहीं दिखाया।

जॉनी बेयरस्टो का अनसोल्ड रहना सबसे बड़ा झटका

इंग्लैंड के अनुभवी स्टार जॉनी बेयरस्टो का नाम अनसोल्ड लिस्ट में होना आकाश चोपड़ा के लिए सबसे चौंकाने वाला रहा। उन्होंने कहा कि जब टिम सीफर्ट, फिन एलन, क्विंटन डी कॉक और बेन डकेट जैसे बल्लेबाज बिक सकते हैं, तो बेयरस्टो के लिए जगह न बनना समझ से बाहर है। पिछले सीजन में सीमित मौकों के बावजूद अच्छा प्रदर्शन करने वाले बेयरस्टो अगर पूरे सीजन के लिए उपलब्ध रहते, तो किसी भी टीम के लिए मैच विनर साबित हो सकते थे।

बाबर आजम बीबीएल में भी असफल हुए, प्रशंसकों ने जमकर हूटिंग की

लाहौर। पिछले काफी समय से खराब फार्म से जूझ रहे पाकिस्तान के अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम आजकल ऑस्ट्रेलियाई बिग बैश लीग (बीबीएल) खेल रहे हैं। बाबर वहां भी असफल रहे हैं। वह अपने शुरुआती मैच में 5 गेंदों में केवल 2 रन ही बना पाये। जिसके बाद से ही उनकी आलोचनाएं शुरु हो गयी हैं। लगातार दूसरे मैच में असफल होने पर प्रशंसकों ने उनका मजाक बताया है। इसी कारण आउट होने के बाद जब बाबर पवेलियन लौट रहे थे तो प्रशंसकों ने उनकी काफी हूटिंग की। बाबर ने यहां सिडनी सिक्सर्स की ओर से खेलते हुए एडिलेड स्ट्राइकर्स के खिलाफ 10 गेंदों में केवल 9 रन ही बनाये। इससे उनके प्रशंसक भड़क गये। पहले दो मैचों में ही उनका प्रदर्शन बेहद खराब रहा है जिससे अब तीसरे मैच में उन्हें शायद ही अवसर मिले। इससे उनके टी20 विश्वकप के लिए टीम में जगह पक्की करने की दावेदारी भी कमजोर हुई है।

दिलजीत दोसांझ ने शुरू की अपनी नई फिल्म की शूटिंग

दिलजीत दोसांझ ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर एक मिनी व्लॉग फैंस के साथ शेयर किया। इन दिनों वह पंजाब में मौजूद हैं। पंजाब में वह इम्तियाज अली के साथ अपकमिंग फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। व्लॉग में शूटिंग के अलावा वह अपना दिन भर का रूटीन भी फैंस के साथ शेयर कर रहे हैं। फैंस को भी उनका मिनी व्लॉग काफी पसंद आया है।

4 बजे उठकर दिलजीत ने की एक्सरसाइज

मिनी व्लॉग में दिलजीत फनी अंदाज में अपने डेली रूटीन को फैंस के साथ शेयर करते हैं। वह चार बजे उठकर सबसे पहले एक्सरसाइज करते हैं। फिर हेल्दी नाश्ता करते हैं। इसके बाद इम्तियाज अली की फिल्म की शूटिंग के सेट पर पहुंच जाते हैं। वह व्लॉग में इम्तियाज का शुक्रिया अदा करते हैं। इम्तियाज ने 'अमर सिंह चमकीला' के बाद यह दूसरा प्रोजेक्ट दिलजीत के साथ किया है।

मिनी व्लॉग में दिलजीत का मजाकिया अंदाज भी दिखाया। उनकी मस्ती भरी कमेंट्री को फैंस ने पसंद किया। साथ ही फिल्म के शूटिंग सेट पर भी कई फैंस उनसे मिलने आए। पंजाब में शूटिंग करके दिलजीत काफी खुश नजर आए।

अगले साल 'बॉर्डर 2' में नजर आएंगे दिलजीत

अगले साल फिल्म 'बॉर्डर 2' में दिलजीत दोसांझ नजर आएंगे। यह फिल्म गणतंत्र दिवस से पहले यानी 23 जनवरी 2026 को रिलीज होगी। इस फिल्म में दिलजीत दोसांझ के अलावा सनी देओल और वरुण धवन भी नजर आएंगे। दिलजीत दोसांझ फिल्म 'बॉर्डर 2' में निर्मल जीत सिंह सेखों का किरदार निभा रहे हैं, वह इंडियन एयरफोर्स के अधिकारी थे। 1971 के युद्ध में अपने शौर्य के लिए याद किए जाते हैं। उन्हें मरणोपरांत परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया।

द ग्रेट शम्सुद्दीन फैमिली की शूटिंग का अनुभव पुरानी जिंदगी में लौटने जैसा

अभिनेत्री कृतिका कामरा हाल ही में रिलीज हुई फिल्म द ग्रेट शम्सुद्दीन फैमिली को लेकर चर्चाओं में हैं। इसमें कृतिका ने बानी अहमद नाम की लड़की का किरदार निभाया है, जो अमेरिका में अपनी ड्रीम जॉब के लिए कड़ी मेहनत करती है, लेकिन परिवार के प्रति जिम्मेदारी उसे इस सपने को पूरा करने से रोकती है। इस फिल्म की शूटिंग दिल्ली में हुई। शूटिंग को लेकर कृतिका कामरा ने अपना अनुभव साझा किया।

इंटरव्यू में कृतिका ने कहा, शूटिंग के दौरान हर लोकेशन से मेरी कोई न कोई याद जुड़ी हुई थी। जब मैं गलियां देखती, तो मुझे अपने स्कूल के रास्ते याद आ जाते थे। जब सड़क किनारे ठेले दिखाई देते थे, तो कॉलेज के दिनों में दोस्तों के साथ खाया गया स्ट्रीट फूड याद आ जाता था। मेरे लिए फिल्म की शूटिंग एक काम की तरह नहीं थी, बल्कि अपनी पुरानी जिंदगी में फिर से लौटने जैसा अनुभव था।

उन्होंने कहा, किरदार निभाते समय मुझे कोई बनावटीपन नहीं लाना पड़ा, क्योंकि फिल्म की कहानी बहुत हद तक मेरी जिंदगी के कुछ हिस्सों जैसी है। कृतिका ने कहा, दिल्ली में शूटिंग का अनुभव मेरे लिए भावनात्मक रूप से भी बेहद खास रहा। शहर की ऊर्जा, लोगों का अपनापन और यहां के खाने की खुशबू ने मुझे रिफ्रेश रखा। सेट पर हर दिन की शुरुआत मुस्कुराहट के साथ होती थी। फिल्म की टीम भी ज्यादातर महिलाएं थीं, ऐसे में पूरा माहौल गर्मजोशी से भर जाता था। निर्देशक अनुषा रिजवी फिल्म में वास्तविकता और संवेदनशीलता लेकर आईं, जैसे ये घटना कहीं यहीं आसपास घट रही हो। फिल्म में कृतिका कामरा के साथ पूरब कोहली, श्रेया धनवंतरी, जूही बब्बर, शीबा चड्ढा और डॉली अहलूवालिया अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म एक दिन की कहानी है। इसमें दिल्ली के एक मुस्लिम परिवार को दिखाया गया है, जिसमें बानी (कृतिका कामरा) तलाकशुदा है। वह पेशे से राइटर है और अमेरिका में नौकरी करना चाहती है। इसके लिए उसे अपना प्रेजेंटेशन 12 घंटे के अंदर देना होता है, लेकिन उसी दिन उसके घर में परिवार के लोग एक के बाद एक आने लगते हैं। ऐसे में एक तरफ 12 घंटे की डेडलाइन है, तो दूसरी तरफ परिवार के सदस्यों का शोर है। इस दौरान रिश्ते में टकराहट, हल्के-फुल्के ड्रामे और भावनात्मक सीन देखने को मिलते हैं। द ग्रेट शम्सुद्दीन फैमिली जियो हॉटस्टार पर उपलब्ध है।

तान्या मित्तल को मिला उनका पहला एक्टिंग प्रोजेक्ट

बिग बॉस 19 की फाइनलिस्ट तान्या मित्तल बिग बॉस के खत्म होने के बाद भी चर्चाओं में हैं। अब तान्या को उनका पहला एक्टिंग प्रोजेक्ट भी मिल गया है और इसकी झलक भी देखने को मिल गई है।

हालांकि, तान्या की एक्टिंग को देखकर नेटिजेंस ने उन्हें ट्रोल करते हुए ओवर एक्टिंग की दुकान करार दिया। दरअसल, बिग बॉस 19 के पूरा होने के बाद अब तान्या को एक ब्रांड का एड मिला है। जो उनकी एक्टिंग का पहला प्रोजेक्ट है। इस एड का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें तान्या को एक्टिंग करते हुए देखा जा सकता है। वीडियो सामने आने के बाद फैंस के रिएक्शन भी तान्या के इस वीडियो पर आने लगे हैं। तान्या के विज्ञापन को देखने के बाद कई नेटिजेंस ने तान्या की एक्टिंग पर सवाल उठा दिए। तो वहीं कई यूजर्स ने कमेंट करके तान्या को ओवर एक्टिंग की दुकान बता दिया। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'पहला और आखिरी शूट। ओवर एक्टिंग की दुकान'। जबकि एक अन्य ने लिखा, 'तान्या का पीआर कमेंट सेक्शन में जोर-शोर से तारीफें करने में लगा है।' एक ने लिखा कि इससे अच्छी एक्टिंग तान्या बिग बॉस में कर रही थीं। जबकि एक ने लिखा कि एक्टिंग तो ढंग से कर ले बहन। इसके अलावा भी कई यूजर्स ने तान्या की एक्टिंग पर सवाल उठाए हैं।

मनीष पॉल ने पूरी की वन-फ़ोर्स ऑफ़ द फॉरेस्ट की शूटिंग

अपनी दमदार स्क्रीन प्रेज़ेंस, बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग और सहजता से ह्यूमर व इमोशन के बीच स्विच करने की कला माहिर मनीष पॉल ने अपनी सोशल मीडिया अकाउंट पर अपनी बहुप्रतीक्षित लोक-पौराणिक थ्रिलर फिल्म वन – फ़ोर्स ऑफ़ द फॉरेस्ट' में निभा रहे अपने किरदार की एक तस्वीर के साथ इस वर्ष का शूटिंग शेड्यूल खत्म होने की खबर, अपने फैंस को दी है। अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए मनीष पॉल ने लिखा है, यह वन के लिए 2025 का शेड्यूल पूरा हो चुका है। अब अगले शेड्यूल के लिए जनवरी 2026 में फिर से आने का बेसब्री से इंतजार है! भारतीय लोककथाओं और जंगल की कहानियों से प्रेरित फिल्म वन – फ़ोर्स ऑफ़ द फॉरेस्ट', बालाजी टेलीफिल्म्स और टीवीएफ मोशन पिक्चर्स की प्रस्तुति के साथ एक महत्वाकांक्षी लोक-पौराणिक थ्रिलर है, जो घने जंगल की पृष्ठभूमि पर बनी रहस्यों और सच्चाई से गुंथी हुई है। अरुणाभ कुमार और दीपक मिश्रा द्वारा निर्देशित फ़िल्म वन – फ़ोर्स ऑफ़ द फॉरेस्ट' में सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया के साथ स्क्रीन शेयर करने जा रहे मनीष पॉल फ़िल्म में एक अहम भूमिका निभा रहे हैं, जिससे फ़िल्म की स्टार कास्ट और भी मज़बूत हो गई है। गौरतलब है कि 'वन' के अलावा, मनीष पॉल, डेविड धवन निर्देशित 'है जवानी तो इश्क होना है', में भी नज़र आने वाले हैं। ऐसे में यह कहें तो गलत नहीं होगा कि इस फिल्म के साथ मनीष अपने करियर के एक दलेर, डायनैमिक और करियर-डिफाइनिंग नए अध्याय में कदम रख रहे हैं।

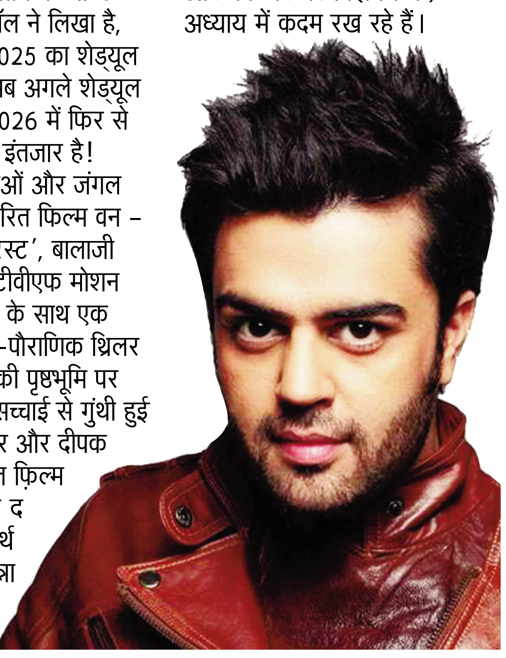

'धुरंधर' की सफलता पर रणवीर सिंह ने पहली बार दी प्रतिक्रिया

रणवीर सिंह स्टारर 'धुरंधर' इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर धुआंधार कमाई कर रही है। 10 दिनों में ही फिल्म 350 करोड़ से भी अधिक की कमाई कर चुकी है। इस सफलता से फिल्म की कास्ट काफी खुश है। अब अभिनेता रणवीर सिंह ने भी फिल्म की सफलता पर पहली बार प्रतिक्रिया दी है। अभिनेता रणवीर सिंह ने अपने इंस्टाग्राम पर सोमवार को एक स्टोरी साझा की है। इस स्टोरी में उन्होंने 'धुरंधर' को मिल रही शानदार प्रतिक्रिया पर अपना रिएक्शन दिया है। उन्होंने अपनी स्टोरी में फिल्म से जुड़ा एक डायलॉग ही साझा किया है, जो मौजूदा वक्त में रणवीर की परिस्थिति से भी मिलती है। रणवीर ने अपनी स्टोरी पर लिखा, 'किस्मत की एक बहुत खूबसूरत आदत है कि वो वक्त आने पर बदलती है। लेकिन फिलहाल नजर और सब्र...।' 'धुरंधर' बॉक्स ऑफिस पर लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है। मेकर्स के मुताबिक, फिल्म ने दस दिनों में ही 364.60 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर लिया है। फिल्म न सिर्फ भारत में बल्कि वर्ल्डवाइड कलेक्शन में भी लगातार रिकॉर्डतोड़ कमाई कर रही है। मेकर्स की मानें तो 'धुरंधर' का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 10 दिनों में 552.70 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। फिल्म ने अपने दूसरे रविवार को रिकॉर्ड 58.20 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया।

'धुरंधर' का निर्देशन आदित्य धर ने किया है। फिल्म देश में घटी सच्ची घटनाओं से प्रेरित है। फिल्म में कंधार हाईजैक, संसद हमला और 26/11 आतंकी हमले जैसी देश में घटित घटनाओं को दिखाया गया है।

सिंगल पैरेंटिंग एक बड़ी चुनौती रही लेकिन मैंने कभी हार नहीं मानी

महिमा चौधरी ने फिल्मी पर्दे पर किंग खान शाहरुख की फिल्म से एक्टिंग डेब्यू किया। इंडस्ट्री में उनकी शुरुआत की राह भले ही आसान रही हो। लेकिन असली जिंदगी में उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। ब्रेस्ट कैंसर की लड़ाई लड़ चुकी महिमा एक भयानक कार हादसे का शिकार भी रहीं। पति से अलगाव के बाद अपनी बेटी अरियाना की सिंगल पैरेंटिंग एक बड़ी चुनौती रही। लेकिन महिमा ने कभी हार नहीं मानी। इन दिनों वह अपनी नई फिल्म दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी के कारण चर्चा में हैं। फिल्म में उनके साथ संजय मिश्रा हैं। खास बातचीत में महिमा चौधरी ने फिल्म के अलावा उन भावनात्मक मुद्दों पर भी बात, जिस पर बोलने से सेलेब्स अक्सर बचते हैं।

आप जब अपनी शादी से अलग हुई होंगी, तब आपके लिए वो फैसला कितना मुश्किल था?

बहुत मुश्किल था। मैंने अपने माता-पिता की लंबी शादी देखी थी और उसमें इतना प्रेम था, तो मैं तलाक के बारे में सोचती ही नहीं थी। मैं जब भी किसी के डिवोर्स के बारे में सुनती थी, तो मुझे लगता शायद किसी एक ने इस शादी को बचाने की उतनी कोशिश नहीं की होगी। मैं इनकी जगह होती तो बहुत ट्राई करती। मगर जब मुझ पर बीती तो अहसास हुआ कि जो चीज नहीं चलनी है, कितनी भी कोशिश कर लो, नहीं चलती और अगर कोई चीज चल नहीं रही, तो उसमें सही समय पर फैसला लेकर निकल जाना ही समझदारी होती है। ये आपके लिए भावनात्मक, आर्थिक और मानसिक रूप से सही रहता है।

मेरे डिवोर्स के समय भी मेरे कई जानने वाले मेरे जैसे हाल से ही गुजर रहे थे और उस वक्त उन्होंने अलग होने का कदम नहीं उठाया। वो फैसला उन्होंने आज लिया। अब वे कहते हैं कि तुम कितनी स्ट्रॉन्ग थी, जो तुम उस वक्त ये फैसला कर पाई। मैं कहती हूं कि मैं मजबूत नहीं थी, मगर हां, मेरे पास एक सपोर्टिव फैमिली थी। मेरी मां ने मुझे सपोर्ट किया। मेरी नानी ने मुझे हिम्मत दी। वे बोलीं कि ठीक है, बच्चे हम पाल लेंगे।

कभी दोबारा शादी करने के बारे में सोचा आपने?

अभी तक मेरा तलाक नहीं हुआ है। मेरा डिवोर्स पेंडिंग है। मगर दोबारा शादी करने के बारे में बिलकुल सोचती हूं मैं, और अब तो और ज्यादा सोच रही हूं, जबसे मेरी इस फिल्म की शादी वाला फोटो वायरल हुआ है। लोग मेरी दूसरी शादी की उम्मीद कर रहे हैं (हंसती हैं), मैं उन लोगों में से हूं, जो एक बार में हार नहीं मानते। मैं विवाह संस्था में यकीन करती हूं। मेरा मानना है कि दो लोग मिलकर जिंदगी को खुशनुमा बना सकते हैं। यह सपोर्ट सिस्टम जरूरी होता है, होना चाहिए।

तो शादी को लेकर कोई कड़वाहट नहीं आई?

नहीं, मेरी नजर में शादी बेहद जरूरी है। जिंदगी और बच्चों की परवरिश अकेले करना आसान नहीं होता, चाहे बात महिला सिंगल पैरेंट की हो या पुरुष की। शादी दो लोगों की साझेदारी है, कंपेनियनशिप है और जब दोनों का बैकग्राउंड या जीवन की चाहतें मिलती-जुलती हों, तो रिश्ते को निभाना आसान हो जाता है। जरूरी नहीं कि दोनों एक जैसी पृष्ठभूमि से आएं, लेकिन दोनों की सोच और लाइफ गोल्स एक दिशा में होने चाहिए।

सिंगल पैरेंट के रूप में आपकी चुनौतियां क्या रहीं?

चुनौतियां तो होती हैं, मगर मेरी बेटी अरियाना अपने ग्रैंड पैरेंट्स के साथ पली-बढ़ी है, तो उसकी इतनी डिमांड्स नहीं होती। बचपन से उसको ऐसा लगता था कि मेरे पास पैसे नहीं हैं। असल में मैं ही उसे समझाया करती थी कि बेटा हम ये नहीं कर सकते, हमारे पास पैसे नहीं है। मुझे याद है, मेरी बेटी काफी छोटी थी। मैं और मेरे फ्रेंड्स एक स्टेशनरी की दुकान पर थे और बातों में मशगूल थे। मेरी बेटी ने उस शॉप पर कुछ चीजें सिलेक्ट कीं, मगर कुछ समय बाद उसने उन चीजों में से दो चीज निकाल दी। अब वो बची हुई चीजों के दाम पूछने लगी। आखिरकार उसने बचे-खुचे सामान में से भी मंहगा सामान हटा दिया। उसके पास सिर्फ दो आइटम बचे। मैंने उससे पूछा कि बाकी का सामान कहां है? वो बोली कि नहीं ठीक है मम्मा, ये काफी है। मैंने उससे कहा कि ले लो बाकी की चीजें भी, तो वो मुझे कोने में ले जाकर, धीरे से फुसफुसाकर बोली, नहीं मम्मा, हमारा पैसा खत्म हो जाएगा। इतना मत खरीदो। तो कहने का मतलब ये है कि वो बचपन से ही ऐसी है, समझदार और संवेदनशील। उसने मुझे कभी किसी मुश्किल सिचुएशन में नहीं पड़ने दिया।

दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी जैसी फिल्म से जुड़ने का खास कारण?

सबसे पहले तो मुझे इसका शीर्षक ही कमाल का लगा। इसका कॉन्सेप्ट मुझे काफी प्यारा लगा। फिर मुझे बताया गया कि ये दुर्लभ प्रसाद हैं, संजय मिश्रा जी, जो ये रोल निभाने जा रहे हैं। मैंने कभी सोचा नहीं था कि मैं इनके साथ ऐसा कोई किरदार निभाऊंगी। मैं काफी एक्साइटेड हो गई थी। लोगों के लिए भी ये पेयरिंग अनयूजवल है। लोगों के लिए ये दिलचस्प तो हैं, मगर साथ ही वे इसे स्वीकार करने के लिए भी तैयार हैं।

सर्दियां आ गई हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि तुम सिर्फ गर्म कपड़े लाद लो या फिर छुट्टियों के दौरान रजाई में दुबके रहो। इस मौसम में तुम कई ऐसे एडवेंचर स्पोर्ट्स का मजा ले सकते हो, जो सिर्फ इसी मौसम में संभव हैं।

सर्दियों में खेलो ये खेल

यह खास तरह का विंटर स्पोर्ट है, जिसमें स्की करने वाले लोगों को हेलीकॉप्टर से एक पहाड़ की चोटी पर पहुंचा दिया जाता है। इससे स्की करने वाले स्कीइंग के जरिये ऊपर जाने की मेहनत से बच जाते हैं। इसमें बहुत अनुभव और हिम्मत की जरूरत होती है, साथ ही फिजिकल फीचर्स और हवा की दिशा की जानकारी भी जरूर होनी चाहिए। भारत हेली स्कीइंग की सुविधा प्रदान करने वाला पहला देश है। इस स्पोर्ट का सबसे ज्यादा मजा कश्मीर की हिमालय रेंज में आता है। यहां कर सकते हो हेली स्कीइंग– हनुमान टिब्बा मनाली हिमाचल प्रदेश, औली उत्तराखंड, पिथौरागढ़ उत्तराखंड, रोहतांग पास मनाली हिमाचल प्रदेश, चंद्रखानी पास कुलू और मनाली हिमाचल प्रदेश, गुलमर्ग जम्मू एवं कश्मीर, देव टिब्बा मनाली,हिमाचल प्रदेश

मोटर रैली

यह विंटर स्पोर्ट काफी मशहूर है, क्योंकि भारत में मोटर रैलीज के लिए शानदार इलाके हैं। पहाड़ी इलाकों से शुरू होकर समुद्र तटों (सी बीच) तक। जो लोग ड्राइविंग और एडवेंचर पसंद करते हैं, उनके लिए यह शानदार स्पोर्ट है। पहाड़ी इलाकों में ड्राइविंग करना काफी मुश्किल होता है, इसलिए ड्राइवर को काफी स्मार्ट होना पड़ता है। भारत में होने वाली कुछ मशहूर कार रैली हैं– हिमालयन कार रैली, विंटेज कार रैली, द मानसून रैली, द चारमीनार चैलेंज रैली, कनार्टक 1000 रैली और रैली डी' एंड्योरेंस आदि।

कैमल सफारी

यह जाड़े का एक लोकप्रिय स्पोर्ट है। सबसे बढ़िया कैमल सफारी का मजा लेना है तो राजस्थान के थार रेगिस्तान में पहुंच जाओ। जोधपुर, जैसलमेर और बीकानेर में कैमल सफारी का बढ़िया मजा ले सकते हो। इन जगहों के अलावा रामगढ़, नवलगढ़ और चुरु आदि शहरों में भी इसका मजा लिया जा सकता है। सफारी टूर आयोजित करने वाले सफारी के दौरान पुराने जमाने के कारवां सफर की तरह का माहौल पैदा करने की कोशिश करते है, जिसमें सफारी के साथ–साथ म्यूजिशियन भी चलते हैं। साथ ही वे बीच में कहीं–कहीं कैंप फायर का आयोजन भी करते हैं, ताकि टूरिस्ट कैमल सफारी को पूरा एंज्वॉय कर सकें।

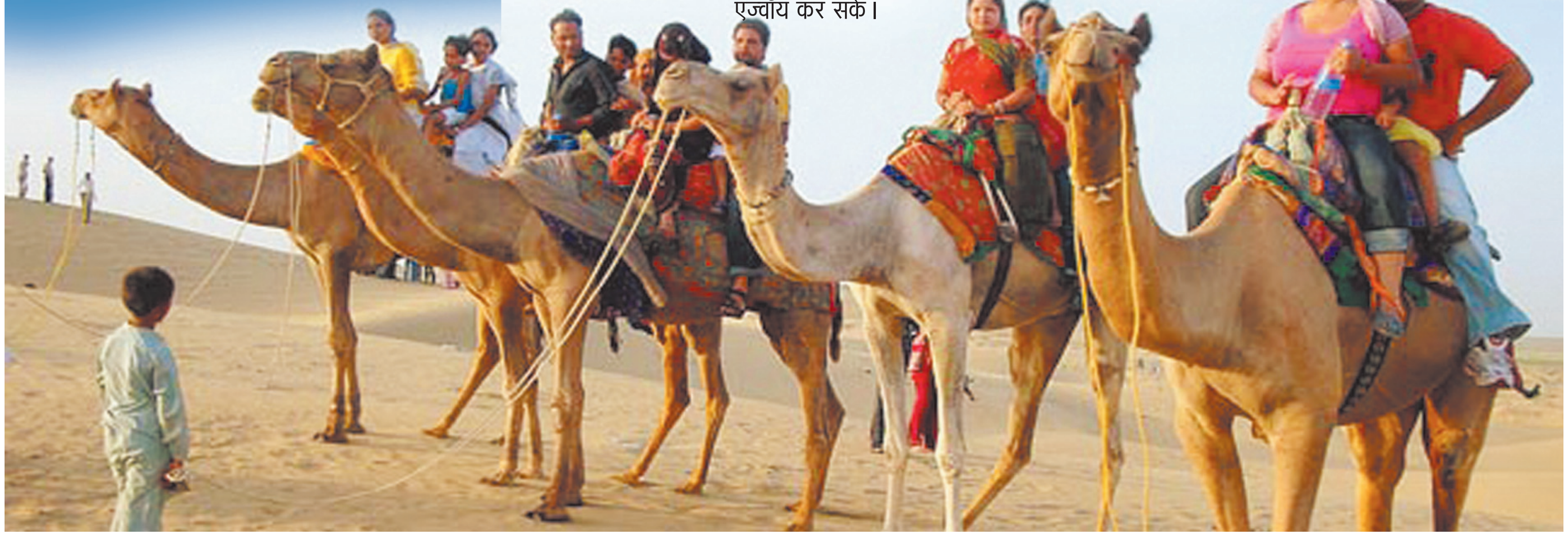

दुनिया के अजब-गजब सांप

सामान्यत- सांप को एक बेहद विषैला और खतरनाक जंतु माना जाता है. कई लोग तो सांप का नाम सुनते ही भय से घिर जाते हैं. लेकिन सभी सांप जहरीले नहीं होते, बल्कि कई बहुत सीधे और शांत भी होते हैं. मगर इनका आकार, रंग–रूप हमें भयभीत कर देता है. पुरानी मान्यता है कि सांप दुनिया के सबसे पहले और सबसे पुराने सरीसृप (रेपटाइल्स) हैं. वैसे अगर जहरीले सांपों का जिक्र किया जाये, तो दुनिया में कुल चार तरह के जहरीले सांप होते हैं– पहला एलापिड्स, दूसरा वैपरिड्स, तीसरा कोलुब्रिड्स और चौथा हाइड्रोफाइडी.

एलापिड्स – इस परिवार के सांप दुनिया में उष्णकटिबंधीय इलाकों में पाये जाते हैं. इस परिवार में 231 जातियां होती हैं. कुछ एलापिड्स के सदस्यों का नाम है– कोबरा, किंग कोबरा, करैत. ये सभी बेहद जहरीले होते हैं. दक्षिण और पूर्वी अफ्रीका के पर्वतीय इलाकों में पाया जानेवाला ब्लैक माम्बा दुनिया का खतरनाक जहरीला सांप इसी परिवार का अंग है.

वैपरिड्स (वाइपर) – ये दुनिया भर में पाये जाते हैं सिवाय ऑस्ट्रेलिया और मेडागास्कर के. इनका मुंह अपेक्षाकृत थोड़ा बड़ा होता है, जिससे ये शिकार को आसानी से पकड़ लेते हैं. इस परिवार में चार जातियां होती हैं– आजेमिओपिनि, वाइपरनी, क्रोटेलिनी और काउसिनी.

कोलुब्रिड – इनकी खासियत है कि इनका पूरा शरीर स्केल्स से ढंका होता है. सामान्यत- इनमें जहर नहीं पाया जाता, लेकिन कुछ सांप इनमें ऐसे भी हैं, जिनके नुकीले दांत उनके मुंह के पीछे की तरफ होते हैं और वे नुकसानदायक होते हैं. ऐसे केवल अफ्रीकन ही होते हैं. इस परिवार के सदस्यों में कुछ सांप रानी सांप, राजा सांप, ताज सांप, बैल सांप, चूहा सांप, मोजाबंध सांप, चिकना सांप, पानी सांप, दुधहिया सांप, पेड़ पर रहनेवाले सांप हैं. रानी सांप जहरीला नहीं होता. गहरे भूरे रंग का यह सांप 60 सेंटीमीटर से ज्यादा लंबा नहीं होता है.

हाइड्रोफाइडी – इन्हें समुद्री सांप भी कहते हैं. समुद्री सांप में कई तरह की प्रजातियां होती हैं. वे जमीन की तुलना में पानी में ज्यादा रहते हैं. समुद्री सांप कोबरा समूह से होता है. ये दो मीटर तक लंबे होते हैं. इनके परिवार में 50 से ज्यादा प्रजातियां होती हैं. इनमें से अधिकतर जहरीली होती हैं. इनके ऊपरी जबड़े में अपेक्षाकृत छोटे, नुकीले और थोड़े खोखले दांत होते हैं. इनमें लगभग 1.5 मिलीग्राम तक जहर होता है. समुद्री सांप थलीय सांप की अपेक्षा ज्यादा जहरीले होते हैं.

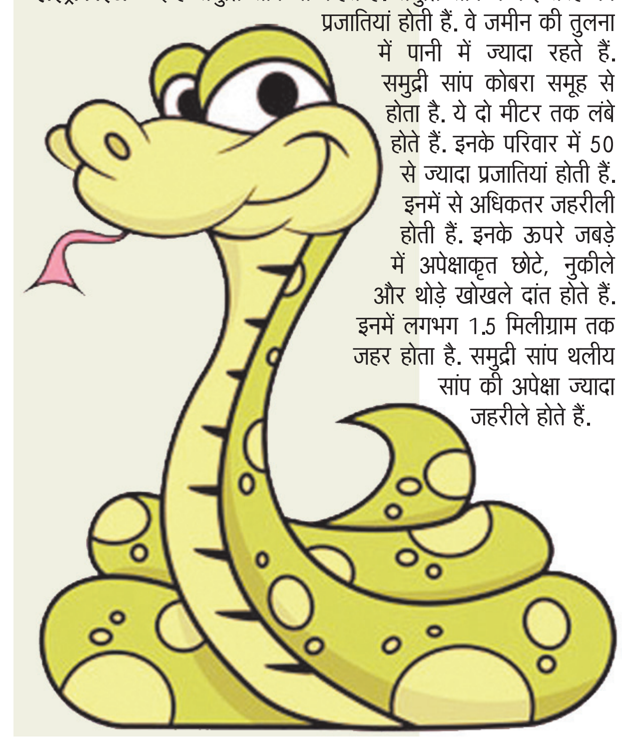

हैंग ग्लाइडिंग

भारत में यह भी एक अहम विंटर स्पोर्ट है। यह एक ऐसा गेम है, जहां खेलने वाले पर्वत श्रृंखलाओं (माउंटेन रेंजेस) की ऊंचाई से भी आगे, नदियों, जंगलों और यहां तक कि मैदानी इलाकों के शानदार दृश्यों का मजा ले सकते हैं। अगर आसमान साफ है तो हैंग ग्लाइडर नदियों के रूट को भी देख सकते हैं, जब तक कि वे धुंध में गायब नहीं हो जातीं। हैंग ग्लाइडिंग जम्मू एवं कश्मीर राज्य के श्रीनगर घाटी क्षेत्र में बहुत लोकप्रिय है। इसके अलावा तमिलनाडु में नीलगिरी पहाड़ियों, कर्नाटक के मैसूर और मेघालय के शिलांग में भी काफी लोकप्रिय है।

बैलूनिंग

भारत में इसे एक फैंसी विंटर स्पोर्ट के रूप में देखा जाता है। हर साल नवंबर में पूरी दुनिया में बैलून फेस्टिवल का आयोजन किया जाता है और इसमें भाग लेने वाले सभी लोग इसे काफी एंज्वॉय करते हैं। दिल्ली के सफदरजंग एयरपोर्ट स्थित बैलून क्लब ऑफ इंडिया इस हवाई स्पोर्ट का हेडक्वार्टर है।

यहां कर सकते हो बैलूनिंग

आगरा उत्तर प्रदेश, पुष्कर राजस्थान, बेनेश्वर राजस्थान, नागौर

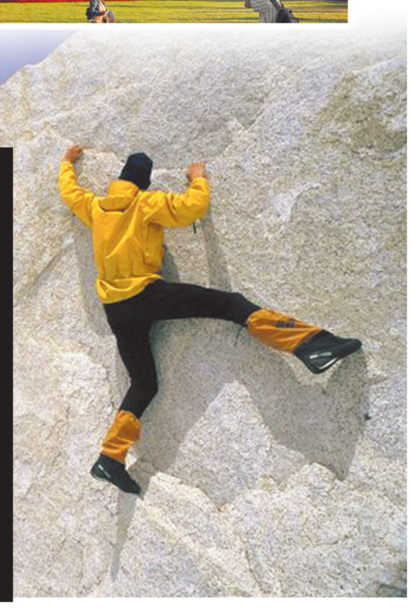

रॉक क्लाइंबिंग

इस गेम में साहस की जरूरत होती है। इसमें ढेरों मुश्किलों का सामना करते हुए अपने लक्ष्य तक पहुंचना होता है और फिर वहां से उसी तरह वापस लौटना पड़ता है। कुछ लोगों में इस खेल को लेकर काफी पैशन होता है। इस खेल में कंसन्ट्रेशन, को-ऑर्डिनेशन और मजबूती का इम्तिहान होता है, साथ ही टेकिनक और स्किल की भी परीक्षा होती है। एक अनुभवी क्लाइंबर जानता है कि पहाड़ों को कभी हल्के में नहीं लिया जा सकता। रॉक क्लाइंबिंग के कुछ प्रसिद्ध सेंटर उत्तराखंड के गढ़वाल क्षेत्र में हिमालय रेंज में हैं। इसके अलावा पुणे, माउंट आबू के पास वेस्टर्न घाट और राजस्थान में सरिस्का इसके लिए काफी मशहूर है। दुर्घटना से बचने के लिए अपने साथ एक प्रोफेशनल क्लाइंबर रखना बहुत जरूरी है।

गिरगिट का रंग बदलना

गिरगिट समय-समय पर अपना रंग बदलने के लिए जाना जाता है. पर आपने कभी सोचा है कि गिरगिट अपना रंग कैसे बदल लेता है? क्या गिरगिट के भीतर रंगों का भंडार होता है, जो जरूरत के अनुसार उनका इस्तेमाल कर लेता है? दरअसल, इस प्राणी की त्वचा में एक विशेष गुण होता है.

हम अकसर किसी से कहते हैं कि तुम भी गिरगिट की तरह रंग बदल रहे हो! जाहिर है ऐसा हम गिरगिट के स्वभाव को ध्यान में रख कर कहते हैं, जो समय–समय पर अपना रंग बदलने के लिए जाना जाता है. पर आपने कभी सोचा है कि गिरगिट अपना रंग कैसे बदल लेता है? क्या गिरगिट के भीतर रंगों का भंडार होता है, जो जरूरत के अनुसार उनका इस्तेमाल कर लेता है? दरअसल, इस प्राणी की त्वचा में एक विशेष गुण होता है.

वह गुण होता है उसकी विशेष प्रकार की कोशिकाएं यानी सेल क्रोमाटाफोरस में. ये सेल क्रोमाटाफोरस दिमाग द्वारा नियंत्रित होती हैं. किसी भी खतरे को भांप कर गिरगिट का दिमाग इन कोशिकाओं को संदेश भेजता है. कोशिकाएं इसी के अनुरूप फैलने या सिकुड़ने लगती हैं, तो ये सेल क्रोमाटाफोरस अपना आकार बदल कर छोटी या बड़ी हो जाती हैं और पिगमेंट के कारण गिरगिट का रंग बदल जाता है. वह फौरन चारों तरफ के रंगों में घुल–मिल कर अपने शत्रुओं से अपनी रक्षा कर लेती है. शिकार को पकड़ने के लिए भी पत्तों या स्थानीय रंग को धारण कर लेती है. तापमान कम या ज्यादा होने पर भी इसका असर उसकी त्वचा पर दिखाई देने लगता है.

इसके शरीर से विशेष प्रकार के हार्मोन के निकलने से कोशिकाएं उत्तेजित होने लगती हैं. गिरगिट की त्वचा में ऊपर से नीचे पीली, भूरी, काली और सफेद रंग के पिगमेंट से भरी कोशिकाएं होती हैं. इंटरमेडिन, एसीटिलकोलिन व एड्रीनेलिन नाम से हार्मोन ही उन कोशिकाओं को उत्तेजित करने के लिए जिम्मेदार होते हैं. दिलचस्प बात है कि गिरगिट अकेलापन पसंद करते हैं. जब उसका शत्रु से सामना होता है, तो अपने पीले धारियों के साथ लाल रंग में बदल जाते हैं और जब वह बीमार होते हैं, तो उनका रंग पीला हो जाता है, क्योंकि अब उसमें रंग बदलने के लिए ऊर्जा बहुत कम बचती हैं.

प्रजातियां

मुख्य रूप से दो जातियां वर्णित हैं– ब्रूकेसिया (19 प्रजातियां) और कैमेलियो (70 प्रजातियां). इनमें से लगभग आधी प्रजातियां सिर्फ मेडागास्कर में पायी जाती है, अन्य अफ्रीका में सहारा के दक्षिण में. पश्चिमी एशिया में दो प्रजातियां पझायी जाती हैं, एक दक्षिण भारत और श्रीलंका में और दूसरी (यूरोपीय गिरिगट, कैमेलियो, कैमलियॉन) उत्तरी अफ्रीका से लेकर दक्षिणी स्पेन तक. अधिकांश गिरिगट 17–25 सेमी लंबे होते हैं, अधिकतम लंबाई 60 सेमी तक हो सकती है. कुछ में घुमावदार पूंछ भी पायी जाती है. इसकी बाहर ओर निकली हुई आंखें एक–दूसरे से भिन्न दिशा में घूम सकती हैं. दक्षिण अफ्रीका की कुछ प्रजातियां अंडों के बजाय बच्चों को ही जन्म देती हैं.